THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 346 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.10, 2082 शुक्रवार, 13 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## सेंट्रल फोर्स में 93 हजार पद खाली सीआरपीएफ में सबसे ज्यादा 27 हजार

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स और असम राइफल्स में कुल 93,139 पद खाली हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में 28,342 में और सबसे कम असम राइफल्स में 3,749 पद खाली हैं। राय ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया तेज करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें कर्मचारी चयन आयोग के जरिए हर साल कांस्टेबल भर्ती, प्रमुख रैंकों के लिए नोडल बल की व्यवस्था और शारीरिक परीक्षण में रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान तकनीक का उपयोग शामिल है।

# होर्मुज पार कर मुंबई पहुंचा तेल टैंकर

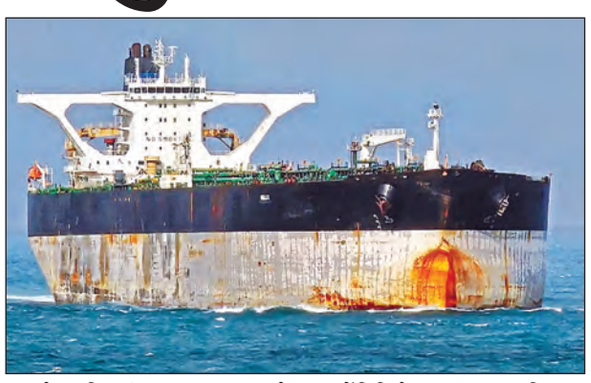

## भारतीय कैप्टन के हाथ कमान



नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एक लाइबेरियाई ध्वज वाला कच्चे तेल का टैंकर, जिसकी कमान एक भारतीय कप्तान के हाथ में थी, रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई बंदरगाह पहुंच गया। समाचार एजेंसी के अनुसार यह टैंकर सऊदी अरब के रास तनुरा बंदरगाह से कच्चा तेल लेकर आया था। रिपोर्ट के मुताबिक जहाज ने जोखिम भरे समुद्री क्षेत्र से गुजरते समय अपना ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) ट्रांसपोंडर बंद कर दिया था। यह प्रणाली जहाज की पहचान, स्थिति, गति और दिशा की जानकारी प्रसारित करती है, जिससे समुद्री यातायात को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।

**जहाज में कितना तेल है मौजूद**

टैंकर बुधवार दोपहर करीब 1 बजे मुंबई पोर्ट पहुंचा और शाम 6:06 बजे जवाहर द्वीप टर्मिनल पर बर्थ किया गया। जहाज में लगभग 1,35,335 मीट्रिक टन सऊदी कच्चा तेल है, जिसे पूर्वी मुंबई के माहुल स्थित रिफाइनरियों को आपूर्ति किया जाएगा। तेल उतारने की प्रक्रिया करीब 36 घंटे तक चलने की संभावना है। टैंकर पर कुल 29 चालक दल के सदस्य हैं, जिनमें भारतीय, पाकिस्तानी और फिलीपीनी नागरिक शामिल हैं।

**ईरान की अनुमति के बाद जलडमरूमध्य से गुजरा टैंकर :**

अधिकारियों के अनुसार टैंकर ने सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य को पार किया, जो फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। हाल के सैन्य घटनाक्रमों के बाद इस क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही पर सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, ऐसे में टैंकर का सुरक्षित गुजरना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ईरान ने हाल के दिनों में इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर निगरानी और प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं। ईरानी अधिकारियों के अनुसार अब जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने से पहले तेहरान से अनुमति लेना आवश्यक है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल अलीरेजा तंगसीरी ने चेतावनी दी है कि निर्देशों की अनदेखी करने वाले जहाजों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

### भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर सरकार की नजर

वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारत का शिपिंग मंत्रालय फारस की खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नाविकों और जहाजों की सुरक्षा पर लगातार नजर बनाए हुए है। मंत्रालय के अनुसार इस क्षेत्र में इस समय 28 भारतीय ध्वज वाले जहाज संचालित हो रहे हैं। इनमें से 24 जहाजों पर 677 भारतीय नाविक होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में हैं, जबकि चार जहाजों पर 101 भारतीय क्रू सदस्य जलडमरूमध्य के पूर्व में तैनात हैं। स्थिति पर निगरानी के लिए शिपिंग मंत्रालय और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग ने 28 फरवरी से 24 घंटे का कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। अधिकारियों के अनुसार भारतीय प्राधिकरण, शिप मैनेजमेंट कंपनियां और भर्ती एजेंसियां क्षेत्र में मौजूद भारतीय दूतावासों तथा स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही हैं, ताकि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

# नेताजी की अस्थियां भारत लाने की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

## कहा-वारिस खुद आएं, तब सुनेंगे

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अस्थियों को भारत लाने की मांग वाली याचिका पर फिलहाल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले पर सुनवाई तो की जाएगी, लेकिन नेताजी के वारिस खुद कोर्ट में आकर याचिका दायर करें।

सीजेआई ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के सबसे महान नेताओं में से एक थे, लेकिन कोर्ट इन याचिकाओं के पीछे के मकसद और उनके समय को अच्छी तरह समझता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वारिस के कोर्ट आने पर इस तरह का फैसला नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वारिस को याचिका दायर करने दीजिए, हम उस पर सुनवाई करेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील ए.एम. सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि नेताजी का केवल एक ही जीवित वारिस है, उनकी बेटी अनीता बोस फाफ। फिलहाल याचिका को सुप्रीम कोर्ट से वापस ले लिया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि केंद्र सरकार टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी की अस्थियां वापस लाने में नाकाम रही है, जिसके कारण उनकी बेटी अनीता बोस भारत में उनका सम्मानजनक अंतिम संस्कार नहीं कर पा रही हैं। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप कर सरकार को निर्देश दे कि अस्थियों को भारत लाया जाए। रेनको-जी मंदिर में रखी अस्थियां 18 सितंबर 1945 से सुरक्षित हैं, जो नेताजी की मृत्यु के बाद वहां रखी गई थीं।

नेताजी की मौत 18 अगस्त 1945 को ताइवान में एक विमान दुर्घटना में होने की आधिकारिक रिपोर्ट है, लेकिन इस पर लंबे समय से विवाद चल रहा है। मुखर्जी आयोग समेत कई जांचों में अलग-अलग निष्कर्ष आए हैं और अस्थियों की डीएनए जांच की मांग भी समय-समय पर उठती रही है।

## पीएम मोदी ने कैबिनेट के साथ की बैठक

# अफवाह फैलाने वाले लोगों पर नजर रखने के निर्देश

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल-अमेरिका के टकराव से उपजे तनावपूर्ण हालात पर भारत सरकार लगातार नजर रख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी सिलसिले में आज कैबिनेट की बैठक की। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि पीएम मोदी ने कैबिनेट मंत्रियों को अफवाहों पर कड़ी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है। सूत्रों के हवाले से आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पीएम मोदी ने संकट से निपटने के लिए भारत की तैयारियों को बहुत मजबूत बताया। उन्होंने कहा, मंत्री जनता को समझाने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी बातों को प्रमुखता से रखें। विपक्ष के सवालों का भी ठोस तरीके से जवाब दें। खबरों में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों से कहा, पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पूरे विश्व को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देते समय आत्मविश्वास बनाए रखें। ईंधन और एलपीजी को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर लगातार कड़ी नजर रखें।

### जरूरत की 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करते हैं : सरकार

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार के विदेश, शिपिंग, पेट्रोलियम, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने गुरुवार को देश में कच्चे तेल और गैस की किल्लत को लेकर जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सरकार ने बताया कि भारत अपनी जरूरत का करीब 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है, जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत सप्लाई स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आती है। सरकार ने कहा- देश में हालात चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन सरकार गैस सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। देश में रोजाना करीब 50 लाख एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की जाती है। हाल में घबराहट के कारण सिलेंडर बुकिंग में कई गुना बढ़ोतरी देखी गई है।

# 'तुरंत और बिना शर्त हमले रोकें'

## > भारत समेत 135 देशों ने खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों की निंदा की

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल-ईरान युद्ध का आज 12वां दिन है। दोनों देशों की ओर से हमले जारी है। इसी बीच एक अहम घटनाक्रम में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक प्रस्ताव का सह-समर्थन किया। इस प्रस्ताव में ईरान द्वारा गल्फ कॉपरेशन काउसिल (खाड़ी सहयोग परिषद) (जीसीसी) के देशों और जॉर्डन पर किए गए बेहद निंदनीय हमलों की कड़ी निंदा की गई। साथ ही तेहरान (ईरान की राजधानी) से सभी हमले तुरंत रोकने की मांग की गई, और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की उसकी धमकियों को भी खारिज किया गया।

15 देशों वाली यूएनएससी, जिसकी अध्यक्षता अभी संयुक्त राज्य अमेरिका कर रहा है, ने बुधवार को इस प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 13 वोट पड़े, विरोध में कोई वोट नहीं पड़ा। वीटो का अधिकार रखने वाले स्थायी सदस्य चीन और रूस ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। भारत ने बहरीन (पश्चिम एशिया) के नेतृत्व वाले इस प्रस्ताव का सह-समर्थन 135 अन्य देशों के साथ मिलकर किया। इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, भूटान, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, जापान, कुवैत, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, यमन और जाम्बिया शामिल हैं।

# 'संसद से नरेंदर तो देश से सिलेंडर गायब'

## एलपीजी संकट पर राहुल गांधी का बयान, केंद्र सरकार से पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऊर्जा सुरक्षा मामले में केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने संकट से निपटने के लिए अग्रिम तैयारी किए जाने का आह्वान करते हुए कहा, अगर ऐसा नहीं किया गया, तो भविष्य में करोड़ों लोगों को नुकसान उठाना पड़ेगा। राहुल का ये बयान एलपीजी की कमी को लेकर आई हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के बीच आया है। उन्होंने संसद परिसर में पत्रकारों से बात करने के अलावा सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते हुए भी सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की संसद में अनुपस्थिति को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने अपने फेसबुक पर संसद परिसर में विरोध-प्रदर्शन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'संसद से नरेंदर गायब, देश से सिलेंडर गायब!' इस मामले में फेसबुक पोस्ट के अलावा राहुल ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, पीएम मोदी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने में असमर्थ हैं क्योंकि वह फंसे हुए हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के लोग सुरक्षित रहें और देश की ऊर्जा सुरक्षा का प्रबंधन हम स्वयं करें।

**हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी :**

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जोर देकर कहा, गैस और ईंधन एक बड़ी समस्या बनने वाले हैं क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता हुआ है। उन्होंने कहा कि यह ईरान के होर्मुज क्षेत्र से तेल के जहाजों को आने की अनुमति देने या न देने से भी बड़ा मुद्दा है। पश्चिम एशिया में हो रहा युद्ध मूल रूप से वर्तमान विश्व व्यवस्था के बारे में है। अस्थिर समय को देखते हुए हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि संभावनाओं पर गहराई से विचार करे, जिससे देश के लोगों को नुकसान न उठाना पड़े।

**राजनीतिक बयान नहीं दे रहे :**

ऊर्जा सुरक्षा पर चिंता और इस मुद्दे पर सियासत के आरोपों को लेकर राहुल गांधी ने कहा, वह कोई राजनीतिक बयान नहीं दे रहे हैं। यदि समस्या ईरान के स्तर पर भी हल हो जाए, तब भी यह संकट दूर नहीं होगा। दुनिया की संरचना बदल रही है। पीएम मोदी को यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत के लोग सुरक्षित रहें। उम्मीद है कि सरकार विपक्ष की बात सुनेगी।

### राहुल गांधी को राहत : नासिक कोर्ट ने वीर सावरकर टिप्पणी का मानहानि मामला बंद किया

**शिकायतकर्ता ने वापस लिया केस**

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर पर 2022 में की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि मामले को नासिक की एक आपराधिक अदालत ने बंद कर दिया है। यह टिप्पणी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुई थी। मामला देवेंद्र भूटाडा, नासिक स्थित निर्भया फाउंडेशन के अध्यक्ष, ने दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी ने 15 और 16 जून 2022 को हिंगोली और अकोले में रैलियों में की गई टिप्पणियां मानानि और अपमानजनक थे। शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) और धारा 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इसके बाद नासिक कोर्ट ने सितंबर 2024 में गांधी को समन जारी किया।

## अविश्वास प्रस्ताव पर ओम बिरला ने कहा

# लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष जरूरी

## > नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका, नियम सबसे ऊपर

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आज पहली बार आसन पर आए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है और नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी व्यक्ति नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों।

> पिछले दो दिन में सभी सदस्यों की बातों को सुना गया। हर सदस्य का आभारी हूं, चाहे वे आलोचक ही क्यों न रहे हों। यही विशेषता है कि यहां हर आवाज सुनी जाती है। यह आसन किसी व्यक्ति का नहीं है, यह लोकतंत्र की महान भावना का प्रतिनिधि है।
>
> *- ओम बिरला, लोकसभा स्पीकर*

ओम बिरला ने बताया कि सदन में पिछले दो दिनों में 12 घंटे से अधिक बहस हुई, ताकि सभी सदस्यों के विचार और चिंताएं सामने आ सकें। उन्होंने कहा, यह सदन 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यहां हर सांसद अपनी जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं के साथ आता है। मैंने हमेशा कोशिश की कि हर सांसद नियमों के तहत अपनी बात रखे। मैं हर उस सांसद को बोलने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करता रहा जो कम बोलते थे, क्योंकि बोलने से लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होता है।

**हर सदस्य का आभारी हूं :**

उन्होंने सदन को विचारों का जीवंत मंच बताते हुए कहा कि पिछले दो दिन में सभी सदस्यों की बातों को गंभीरता से सुना गया। हर सदस्य का आभारी हूं, चाहे वे आलोचक ही क्यों न रहे हों। यही विशेषता है कि यहां हर आवाज सुनी जाती है। यह आसन किसी व्यक्ति का नहीं है, यह लोकतंत्र की महान भावना का प्रतिनिधि है।

**नियमों के तहत बोलने का अधिकार**

ओम बिरला ने विपक्ष की शिकायतों का भी जवाब दिया। कुछ सदस्यों का कहना था कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोका जाता है। इस पर उन्होंने कहा मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि कोई भी हो, उसे सदन में नियमों के तहत बोलने का अधिकार है। कुछ लोगों का मानना था कि सदन के नेता हर नियम से ऊपर हैं। मैं साफ कर दूं कि ऐसा नहीं है। ये नियम मुझे विरासत में मिले हैं और इन्हें पालन करना अनिवार्य है। चाहे प्रधानमंत्री ही क्यों न हों, नियम 372 के तहत उन्हें पहले अध्यक्ष से अनुमति लेना अनिवार्य है। जब कोई सदस्य इस सदन की मर्यादा के खिलाफ जाते हैं तो मुझे कठोर निर्णय लेने की व्यवस्था देनी पड़ती है।

नियमों के तहत किसी भी सदस्य को सदन में बोलने की आजादी तो है, लेकिन नियमों की सीमा में रहकर। उन्होंने कहा कि चर्चा के दौरान कुछ लोगों ने माइक बंद करने का आरोप लगाया। चेयर के पास माइक बंद करने का बटन नहीं होता। विपक्ष में कई लोग इस चेयर पर बैठते हैं, उन्हें इसके बारे में पता है।

## केरल विधानसभा चुनाव : माकपा को झटका

# अंबलप्पुझा के पूर्व विधायक सुधाकरन ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया एलान

तिरुवनंतपुरम, 12 मार्च (एजेंसियां)। केरल में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसी बीच माकपा को बड़ा झटका लगा है। वरिष्ठ नेता जी सुधाकरन ने गुरुवार को पार्टी से अपने सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों में इस तटीय जिले के अपने गृह क्षेत्र अंबलप्पुझा से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। सुधाकरन ने हाल ही में घोषणा की कि वह पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं करेंगे। कथित तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर व्यक्तिगत रूप से हमला किया। इसके बाद ही उन्होंने यह फैसला लिया है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस निर्वाचन क्षेत्र में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे, जो की माकपा का गढ़ है। उन्होंने कहा, यूडीएफ से समर्थन का कोई सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि मैंने इसके लिए अनुरोध नहीं किया है। मैंने किसी से बात नहीं की है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि वह अपने चुनाव अभियान के तहत दीवार पर चित्रकारी या सम्मेलन आयोजित नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा, मैंने किसी से समर्थन नहीं मांगा है। सुधाकरन ने कहा कि वह चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक मुद्दों पर बात करेंगे लेकिन सरकार के खिलाफ नहीं बोलेंगे। उन्हें यह नहीं पता कि सत्ता विरोधी लहर है या नहीं। उन्होंने कहा कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलेंगे। सुधाकरन ने कहा कि उन्होंने राज्य समिति को कोई शिकायत नहीं सौंपी थी। निचले स्तर पर ही मुद्दों को सुलझा लिया था। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री या पार्टी नेतृत्व से हस्तक्षेप या टिकट मांगने के लिए कभी संपर्क नहीं किया था। अपने बारे में हालिया खबरों का जिक्र करते हुए सुधाकरन ने कहा कि मीडिया में उनके नाम से दिए गए कई बयान गलत थे।

# एयर चीफ मार्शल ने मल्टी-रोल लड़ाकू विमान से अकेले भरी उड़ान

## > वायु सेना के ताकत का प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। आज भारत की वायु सेना का सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन करने के लिए देखने को मिला। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल एपी सिंह ने आज मिग-29 यूपीजी मल्टी-रोल लड़ाकू विमान को अकेले उड़ाया। एपी सिंह ने एक प्रमुख सीमावर्ती बेस से उड़ान भरी। विमान के लैंड करने का वीडियो भी सामने आया है। अपनी यात्रा के बाद, एयर चीफ ने बेस पर भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिकों से भी बातचीत की। इस दौरे में भारतीय वायु सेना की ऑपरेशनल तैयारी, लड़ाकू क्षमताओं और फॉरवर्ड बेस पर मिशन की तैयारी पर जोर दिया गया। मिकोयान एमआईजी-29 सोवियत यूनियन का बनाया हुआ एक ट्वी-इंजन लड़ाकू विमान है।

भारतीय वायु सेना चार दशकों से इस्तमाल हो रहे अपने एमआईजी-29 फ़्लीट को अपग्रेड करने का फ़ैसला किया था। सोवियत में बना यह विमान 1970 के दशक में बनाया गया था और 1980 के दशक में वायु सेना में शामिल किया गया था। इसे असल में अमेरिकन एफ-16 लड़ाकू विमान का मुकाबला करने के लिए बनाया गया था। एमआईजी-29 के कई वेरिएंट हैं, जिनमें से कुछ का इस्तेमाल भारतीय नौसेना भी करती है। मिकोयान एमआईजी-29 (अपग्रेड) चौथी जेनरेशन का सर्वश्रेष्ठता लड़ाकू विमान है। इस विमान को नई एवियोनिक्स, रडार और हवा ही हवा में रिफ्यूलिंग क्षमता के साथ अपग्रेड किया गया है। यह विमान जानलेवा है और हवा ही हवा, हवा से जमीन और सटीक गोला-बारूद दागने में सक्षम है।

### राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर तमिलनाडु के राज्यपाल बने

चेन्नई, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने तमिलनाडु के 27वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने शपथ दिलाई। लोक भवन के भरथियार मंडपम में पहुंचने पर अर्लेकर का मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे इससे पहले बिहार और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्य कर चुके हैं।

लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। उन्होंने तमिलनाडु में राज्यपाल पद की जिम्मेदारी अस्थायी रूप से मिली। इसका मतलब यह है कि वह केरल के साथ-साथ तमिलनाडु के राजभवन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु, राज्य मंत्री केएन नेहरू, ईवी वेलू, पीके शेखर बाबू और एस रेगुपथी, केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन और शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

# आरएन रवि ने ली पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद की शपथ

## > सीएम ममता समेत कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद



कोलकाता, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल आरएन रवि ने गुरुवार को कोलकाता स्थित लोकभवन में 22वें राज्यपाल के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें सॉजय पॉल ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी मौजूद रहे।

लोकभवन में आयोजित समारोह तय समय के अनुसार सुबह करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुआ। शपथ ग्रहण से पहले और बाद में वंदे मातरम् और राष्ट्रीय गान जन गण मन गाया गया। शपथ लेने के बाद नए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों से मुलाकात कर औपचारिक बातचीत भी की। समारोह में राज्य के मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, विधानसभा अध्यक्ष बिमल बनर्जी तथा वाम मोर्चा अध्यक्ष बिमान बोस समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार ने आरएन रवि को राज्य का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। इससे पहले वह तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे। तमिलनाडु में अपने कार्यकाल के दौरान उनका राज्य सरकार, खासकर मुख्यमंत्री एमके स्टालीन के नेतृत्व वाली सरकार के साथ कई मुद्दों पर टकराव भी सुर्खियों में रहा। विभिन्न विधेयकों को लेकर राज्यपाल और सरकार के बीच मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने आए थे। यहां तक कि राज्य सरकार ने राष्ट्रपति से राज्यपाल को हटाने की मांग भी की थी।

इधर, सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही सवाल उठाए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा था कि राज्यपाल के इस्तीफे की खबर से वह स्तब्ध और चिंतित हैं। साथ ही उन्होंने आशंका जताई थी कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले यदि किसी राजनीतिक दबाव के कारण यह निर्णय लिया गया है तो यह चिंताजनक होगा। अब आरएन रवि के राज्यपाल पद संभालने के बाद राज्य की राजनीति में आगे के समीकरणों पर भी नजरें टिकी रहेंगी।

## राजौरी में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ ईआईडी बरामद

राजौरी, 12 मार्च (एजेंसियां)। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक दूर जंगल वाले इलाके में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इतना ही नहीं एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (ईआईडी) भी बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार शाम को थानामंडी के चमरेर जंगल वाले इलाके में राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों के सर्च ऑपरेशन के दौरान इस ठिकाने का पता चला। ठिकाने से इस्तेमाल के लिए तैयार ईआईडी के अलावा, कुछ खाने-पीने का सामान और कपड़े भी बरामद किए गए। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इस बरामदगी के सिलसिले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया।

### ओबीसी के नॉन क्रीमी लेयर में सुप्रीम कोर्ट ने किया बड़ा बदलाव

# 8 लाख से ज्यादा इनकम पर नहीं मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के नॉन क्रीमी लेयर (एनसीएल) के मामले में बड़ा बदलाव कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर माता-पिता समूह आईवी में सरकारी नौकरी करते हैं और अगर उनकी आय 8 लाख/वर्ष से ऊपर हो गई है, तो भी उसे क्रीमी लेयर में नहीं जोड़ा जाएगा। साथ ही, ऐसे मामलों में कृषि आय को भी नहीं जोड़ा जाएगा। केवल अन्य स्रोतों (बिजनेस, प्रॉपर्टी आदि) से पारिवारिक आय (3 साल) 8 लाख/वर्ष से कम होनी चाहिए।

सर्वोच्च अदालत के अनुसार, डीओपीटी ने 2004 में जो पत्र निकाला था, उसका पैरा 9 अब अमान्य हो गया है। इस अनुसार बैंक/प्राइवेट नौकरी वालों की सैलरी मात्र को क्रिमी लेयर नहीं माना जा सकता। ऐसे मामलों में पहले पोस्ट की सरकारी ग्रुप आईआईआई और आईवी के साथ समानक तय किया जाएगा। तब तक केवल 1993 ओएम लागू रहेगा।

### किसको मिलेगा फायदा?

इस निर्णय का फ़ायदा अनेकों ऐसे लोगों को मिलेगा, जिन्हें पहले क्रीमी लेयर की ग़लत परिभाषा के कारण ओबीसी रिजर्वेशन से बाहर रखा गया और वो नौकरी में तो हैं, लेकिन सही कैडर में नहीं हैं। ऐसे सभी मामलों में पिछले डेट ये फैसला लागू होगा। डीओपीटी को इसे लागू करने के लिए 6 महीने का समय दिया गया है। अगर ज़रूरी हुआ, तो अतिरिक्त पद बनाए जाएंगे ताकि दूसरे वर्गों के कर्मचारियों की सीनियरिटी पर असर न आए। भविष्य के सिविल सर्विस परीक्षा में वैध ओबीसी -एनसीएल सर्टिफिकेट (डीएम /तहसीलदार से) को प्राथमिकता; सैलरी आधारित रिजेक्शन बंद हो जाएगा। इस निर्णय से ओबीसी आरक्षण का मूल मकसद बहाल होगा। रोहित नाथन (सीएसई-2012), केतन बैच (सीएसई-2015) जैसे अनेकों मामलों में डीओपीटी को 6 महीने में फिर से सत्यापन कर ओबीसी -एनसीएल स्टेटस देना होगा।

### 27 प्रतिशत आरक्षण का है प्रावधान

बता दें कि देश में ओबीसी वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। इसके लिए सरकार की ओर से कुछ नियम बनाए गए हैं। इन नियमों के अनुसार, हर ओबीसी उम्मीदवार इस आरक्षण का लाभ नहीं ले सकता है। इसके लिए ओबीसी वर्ग को क्रीमी और नॉन क्रीमी लेयर में बांटा जाता है। आरक्षण का लाभ नॉन क्रीमी ओबीसी अभ्यर्थियों को ही मिलता है।

# ओडिशा-आंध्र सीमा पर वन्यजीव तस्करी का भंडाफोड़

### मालकानगिरी में 631 कछुए बरामद, 7 गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 12 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के मालकानगिरी जिले में वन विभाग ने गुरुवार को ओडिशा-आंध्र प्रदेश सीमा पर वन्यजीव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 631 जीवित कछुओं को बरामद किया। इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, मोटू सीमा क्षेत्र में यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। वन विभाग को अवैध रूप से कछुओं की खरीद-फरोख्त की जानकारी मिली थी। बताया गया कि आंध्र प्रदेश के दो व्यापारी पांच अन्य कारोबारियों को कछुए बेच रहे थे, तभी वन अधिकारियों ने छापा मारकर सभी को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान वन विभाग ने 631 कछुओं को बरामद किया और तस्करी के प्रयास में शामिल सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारियों ने आरोपियों के पास से एक चारपहिया वाहन, दो मोटरसाइकिल और छह मोबाइल फोन भी जब्त किए। वन अधिकारियों ने बताया कि कछुओं को 38 ट्रे में भरकर ले जाया जा रहा था। बरामद किए गए कछुओं का कुल वजन लगभग दो टन बताया जा रहा है और अवैध वन्यजीव बाजार में इनकी कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। वन विभाग ने सभी कछुओं को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित स्थान पर रखा है। अधिकारियों को संदेह है कि आरोपी आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच चल रहे अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह से जुड़े हो सकते हैं।

# कश्मीर को दहलाने की साजिश नाकाम

### बांडीपोरा में आतंकी ठिकाना ध्वस्त; हथियारों का जखीरा बरामद

श्रीनगर, 12 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर में बड़े पैमाने पर खून खराबा करने के बड़े आतंकी षड्यंत्र को नाकाम बनाया गया। सुरक्षाबल ने बांडीपोरा में आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार व गोला बारूद बरामद किया। कुछ संदिग्ध तत्वों को पूछताछ के लिए तलब किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। यहां मिली जानकारी के अनुसार, सेना को अपने तंत्र से पता चला था कि आतंकियों ने बांडीपोरा में पेठकूट के पास जंगल में एक ठिकाना बनाया है, जहां वह हथियार और गोला बारूद जमा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही सेना ने पुलिस की सहायता से कुछ इलाकों व जंगल को चिह्नित करते तलाशी अभियान चलाया।

वेवन जंगल में सुरक्षाबल ने आतंकियों के बनाए ठिकाने का पता लगा लिया। जवानों ने आतंकियों के ठिकाने की सावधानीपूर्वक तलाशी लेते वहां से भारी मात्रा में हथियार व अन्य साजो सामान बरामद किया। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबल ने बाद में आतंकी ठिकाने को नष्ट कर दिया ताकि दोबारा इसका इस्तेमाल न कर सकें। उन्होंने ठिकाने का इस्तेमाल करने वाले आतंकियों के बारे में पूछे जाने पर बताया कि हो सकता है कि आतंकियों को सुरक्षाबल के अभियान की भनक लग गई हो और वह वहां से भाग गए हों। एहतियात के तौर पर जंगल में तलाशी अभियान चल रहा है। बरामद हथियारों और गोला बारूद को देखते हुए कहा जा सकता है कि आतंकियों ने किसी बड़े हमले की तैयारी शुरू कर रखी थी लेकिन सुरक्षाबल ने हमले के षड्यंत्र को विफल बना दिया।

एक आरपीजी लांचर, पांच आरपीजी गोलियां,एक पिका एलएमजी, एलएमजी के रतूसों के दो बेल्ट, एसाल्ट राइफल के सात मैगजीन (पांच भरी हुई और दो खाली), तीन एम्युनिशीन पाउच, एलएमजी के 536 कारतूस, एसाल्ट राइफल 544 कारतूस, एक हथगोला , पांच यूबीजीएल ग्रेनेड, नौ बाक्स प्लास्टिक विस्फोटक,चार टीएनटी स्लैब , 33 इलेक्टिक डेटोनेटर , पांच मीटर तार है।

## बिजली निगम का सीए रिश्वत लेते गिरफ्तार,मांगे थे 50 हजार रुपये

फरीदाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मुबारिक के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता का करीब तीन लाख रुपये का बिजली बिल आया हुआ था। बिल को कम करने के बदले आरोपित सीए मुबारिक ने उससे 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना एंटी करप्शन ब्यूरो को दे दी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया। देर रात सेक्टर-55 में शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते समय टीम ने आरोपित मुबारिक को काबू कर लिया।

## बजट सत्र के बीच मुंबई विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आई है। दक्षिण मुंबई स्थित विधान भवन को एक ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई। यह धमकी ऐसे समय में आई, जब वहां राज्य सरकार का बजट सत्र चल रहा है। धमकी भरा ईमेल मिलने के तुरंत बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां एक्शन मोड में आ गईं। मौके पर बॉम स्क्वाड, डॉग स्क्वाड और मुंबई पुलिस की टीम पहुंच चुकी है। विधान भवन के मुख्य द्वारों को बंद कर दिया गया है।

मीडिया कर्मियों और आम जनता को परिसर के बाहर ही रोक दिया गया है। हालांकि, राहत की खबर है कि गहन जांच के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने विधान भवन परिसर को पूरी तरह सुरक्षित घोषित कर दिया है। प्राथमिक जांच में इसे एक 'हॉक्स कॉल' (अफवाह) माना जा रहा है।

गुरुवार सुबह जब विधान भवन में राज्य सरकार का बजट सत्र शुरू होने वाला था, तभी विधान भवन की आधिकारिक मेल आईडी पर एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इसमें इमारत को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। ई-मेल मिलते ही मुंबई पुलिस, बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंच गए। घंटों चली सघन तलाशी के दौरान परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

## आठवीं की छात्रा से दुष्कर्म

### धमकी देकर नाबालिग से लगातार करता रहा हैवानियत गर्भवती होने पर खुला राज

भिंड, 12 मार्च (एजेंसियां)। भिंड के रौन थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा के साथ आरोपी ने छह महीने तक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता के पेट में दर्द हुआ तो उसके बाद परिजन जब अस्पताल लेकर पहुंचे तो उन्हें हाथ उड़ गए। गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और केस दर्ज कराया। पुलिस ने बताया कि छात्रा की दोस्ती मोहल्ले में रहने वाली दो सगी बहनों से हो गई थी। दोनों लड़कियां उसे अक्सर अपने घर बुलाने लगीं। इसी दौरान उन्होंने अपने भाई साहिल से किशोरी की पहचान कराई और धीरे-धीरे उससे बातचीत शुरू करवाई। परिजनों का आरोप है कि एक दिन दोनों बहनों ने किशोरी को अपने घर बुलाया और उसे कमरे में छोड़कर बाहर चली गईं।

## ग्रामीणों ने बदमाशों को ट्रैक्टर के पीछे बांधकर पूरे गांव में दौड़ाया; वीडियो वायरल

तरनतारन, 12 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन जिले में मंगलवार की शाम को विधानसभा हलका पट्टी के गांव ढोटियां में दातर के बल पर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन लुटेरों को ग्रामीणों ने घेरकर काबू कर लिया। तीनों की पहले मारपीट की गई, फिर उनके हाथ बांधकर ट्रैक्टर के पीछे बांधकर गांव में दौड़ाया। घटनाक्रम की वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हुई, जिसके बाद थाना सरहाली की पुलिस ने तीनों लुटेरों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। गांव ढोटियां निवासी किसान सरबजीत सिंह अपनी बेटी को बस अड्डे छोड़ने के लिए मोटरसाइकिल पर गया था। शाम छह बजे वह बेटी को बस पर बिठाकर गांव लौट रहा था कि रास्ते में तीन लुटेरों ने सरबजीत को घेरकर दातर के बल पर मोबाइल और पर्स छीन लिया।

### कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह को मिली जमानत

# टेरर फंडिंग मामले में हैं आरोपी

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को गुरुवार को जमानत दे दी है। यह फैसला जम्मू-कश्मीर से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में आया है।

### व्यापारी परिवार में हुआ था शब्बीर का जन्म

बता दें कि शब्बीर शाह का जन्म 14 जून 1953 को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कादीपोरा गांव में एक व्यापारी परिवार में हुआ था। उनके पिता गुलाम मोहम्मद वरियर ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर थे, जिनकी 1989 में पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। शाह की राजनीतिक जिंदगी बहुत कम उम्र से शुरू हो गई। साल 1968 में सिर्फ 14 साल की उम्र में उन्होंने भारत सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसके लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 3 महीने कैद में रखा गया। इसके बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ यंग मेन लीग बनाई, लेकिन बार-बार गिरफ्तारियां होती रहीं, जिससे उनकी पढ़ाई अधूरी रह गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शब्बीर अहमद शाह की जमानत मंजूर की जा रही है।

अदालत ने यह भी बताया कि जमानत पर विस्तृत आदेश कुछ शर्तों के साथ जल्द ही जारी किया जाएगा। इन शर्तों में क्या-क्या शामिल होगा, यह आदेश में स्पष्ट होगा। बता दें कि शब्बीर अहमद शाह पर एनआईए ने आरोप लगाया था कि वे आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग में शामिल थे।

### जेल में अलगाववादी नेताओं के संपर्क में आए

शब्बीर शाह ने श्रीनगर की सेंट्रल जेल में कई अलगाववादी नेताओं के संपर्क में आए। 1974 में उनके साथियों ने जम्मू कश्मीर पीपुल्स लीग बनाई। 1998 में शब्बीर शाह ने जेकेडीएफपी की स्थापना की। वह 1968 से लगातार जेल, हिरासत और घर में नजरबंदी का सामना करते रहे हैं। कई बार उन्हें डिफेंस ऑफ इंडिया रूल्स और अन्य कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया। 1975 में इंदिरा-शेख समझौते का विरोध करने पर भी उन्हें जेल हुई थी। 1988-89 में वह भूमिगत रहे, लेकिन 1989 में गिरफ्तार हो गए।

## पश्चिम एशिया में फंसे तमिलनाडु के मछुआरे परिवार ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

चेन्नई, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी एशियाई में तनाव जारी है। इन देशों में काम करने वाले खास कर ईरान में तमिलनाडु के सैकड़ों मछुआरे युद्ध के कारण परिवहन और समुद्री गतिविधियों में बाधा आने से फंसे हुए हैं। तनाव बढ़ने के साथ ही राज्य के तटीय जिलों में रहने वाले परिवारों ने विदेशों में मछली पकड़ने वाले जहाजों और समुद्री संबंधित नौकरियों में कार्यरत अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता व्यक्त की है।

तमिलनाडु मत्स्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य के लगभग 593 मछुआरे वर्तमान में ईरान और पड़ोसी देशों में काम कर रहे हैं। इनमें से कई कन्याकुमारी, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली, रामनाथपुरम और कुड्डालोर जैसे तटीय जिलों से आते हैं, जहां विदेशों में मछली पकड़ने का काम आजीविका का एक प्रमुख स्रोत बन गया है।

अधिकारियों ने बताया कि हालांकि मछुआरों ने खुद सीधे तौर पर मदद के लिए गुहार नहीं लगाई है, लेकिन उनके परिवार वाले घर पर रहकर इस संघर्ष की खबरों के वैश्विक सुर्खियों में छाए रहने के कारण बेसब्री से जानकारी मांग रहे हैं। मत्स्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "अभी तक हमें मछुआरों से सीधे तौर पर मदद के लिए कोई गुहार नहीं मिली है। सिर्फ उनके परिवारों ने ही चिंता जताई है। राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास कर रही है।"

# 'रिश्वत लेना मतलब अपराध की कमाई'

### अवैध निर्माण घोटाला केस में बॉम्बे एचसी का फैसला

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। रिश्वत लेने वाला व्यक्ति अपराध की कमाई हासिल करता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह बड़ा फैसला सुनाते हुए वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (वीवीसीएमसी) के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी वाई शिवा रेड्डी की याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने सोमवार को रेड्डी की उस याचिका को खारिज किया, जिसमें उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी घोषित करने और स्पेशल कोर्ट के रिमांड आदेश रद्द करने की मांग की थी। वाई शिवा रेड्डी, जो वीवीसीएमसी के टाउन प्लानिंग विभाग में पूर्व डिप्टी डायरेक्टर थे, को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अगस्त 2025 में मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था।

वे तब से न्यायिक हिरासत में हैं। रेड्डी ने अपनी याचिका में दावा किया था कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रेडिकेट ऑफेंस (मूल अपराध) की एफआईआर ईडी की तलाशी के बाद दर्ज हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि उनके घर से बरामद नकदी और जेवरात अपराध की कमाई से जुड़े नहीं हैं।

### अवैध निर्माण के 41 भवनों का घोटाला

ईडी के आरोप के अनुसार, 2019 से 2023 के बीच रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने डेवलपर्स को फर्जी परमिशन और जाली दस्तावेजों के आधार पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और डंपिंग ग्राउंड के लिए आरक्षित जमीन पर 41 इमारतों का अवैध निर्माण करने की अनुमति दी। इन इमारतों को बाद में कोर्ट के आदेश पर ध्वस्त किया गया। ईडी ने जून 2025 में रेड्डी के हैदराबाद और मुंबई स्थित घरों पर तलाशी ली, जिसमें 8 .23 करोड़ रुपये की अनअकाउंटेड नकदी और 23 .28 करोड़ रुपये मूल्य के डायमंड जड़ित जेवरात बरामद हुए। ईडी का दावा है कि रेड्डी ने रिश्वत की रकम से जेवरात और लग्जरी आइटम खरीदे। कोर्ट ने कहा कि बरामद सामान, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्य मिलकर ईडी को यह विश्वास दिलाने के लिए पर्याप्त हैं कि रेड्डी मनी लॉन्ड्रिंग में प्रथम दृष्टया दोषी है।

**हाईकोर्ट** ने अपने फैसले में कहा कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) में अपराध की कमाई की परिभाषा बहुत व्यापक है। यह किसी भी संपत्ति को शामिल करता है जो अपराधी गतिविधि से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त हुई हो। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेता है, तो वह अपराध की कमाई हासिल करता है।

## मंसा राम पार्क में भीषण आग, 80 झुग्गियां जलकर खाक, 28 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका जिले के बिंदापुर थाना क्षेत्र के मंसा राम पार्क स्थित झुग्गी बस्ती में बुधवार देर रात भीषण आग ने तबाही मचा दी। करीब 80 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के मुताबिक 11 मार्च की रात करीब 11 बजकर 57 मिनट पर पीसीआर कॉल के जरिए आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही बिंदापुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और झुग्गियों में रह रहे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। देर रात अचानक लगी आग से बस्ती में अफरातफरी मच गई और लोग जान बचाकर भागने लगे।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही से बड़ा हादसा टल गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग की करीब 28 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत की और 12 मार्च तड़के करीब 3 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। तब तक करीब 80 झुग्गियां जलकर पूरी तरह खाक हो चुकी थीं। झुग्गी में रहने वाले लोगों का सारा सामान और घर राख हो गया।

# राहुल गांधी से मुलाकात के बाद

## अजित पवार के भतीजे रोहित का दावा- दो दिन बाद करूंगा बड़ा खुलासा

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता रहे दिवंगत अजित पवार के प्लेन हादसे के मामले में विधायक रोहित पवार ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल से मुलाकात के बाद नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के नेता और विधायक रोहित ने कहा कि मैं दो दिन बाद बड़ा खुलासा करूंगा। पवार का कहना है कि राहुल गांधी ने उन्हें एक अहम सुझाव दिया है, जिसका खुलासा वह दो दिन बाद करेंगे। रोहित पवार के मुताबिक राहुल गांधी ने यह भी कहा है कि वह किसी भी जांच में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने बतौर पायलट कई अहम बातें भी साझा की हैं। रोहित पवार ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की जा रही है और कौन किसे बचाने की कोशिश कर रहा है।

बातचीत के दौरान पवार ने कहा कि मेरी राहुल गांधी से करीब 30 मिनट की मुलाकात हुई है। मैं उनका आभार व्यक्त किया है। आज देश में तमाम मुद्दे हैं और बतौर नेता प्रतिपक्ष वह उनसे भी लड़ रहे हैं। बकौल पवार, राहुल इस बात को लेकर अचरज में दिखे कि इतने बड़े नेता का एक्सीडेंट होने के बाद भी एफआईआर नहीं हो रही है। पवार ने बताया कि मुझे पूरा विश्वास है कि वह हर स्थिति में हमारी मदद करेंगे। मुझे एलओपी ने कुछ अहम सुझाव दिए हैं, उनके बारे में मैं दो दिन बाद खुलासा करूंगा। राहुल गांधी के सुझावों के संदर्भ में जुड़े सवाल पर रोहित ने कहा कि मैं सही जगह और सही समय पर खुलासा करूंगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी को भी शक है कि अजित पवार का प्लेन हादसा एक साजिश है? पवार ने कहा कि साजिश है या नहीं है, यह तो जांच का विषय है लेकिन हमारी चिंता है कि आखिर एक एफआईआर क्यों नहीं हो रही है। जांच क्यों नहीं हो रही और महाराष्ट्र की जनता के सामने सच सामने क्यों नहीं आने दिया जा रहा है?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

युविचार

आप अपने जीवन का महत्त्व समझकर चलो तो दूसरे भी महत्त्व देंगे



## दमरे के आरपीएफ को बड़ी सफलता

### > 38 मामलों में 43 अपराधियों की हुई गिरफ्तारी, 92 बच्चों को बचाया गया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की रेल सुरक्षा बल को फरवरी 2026 के दौरान विभिन्न सुरक्षा अभियानों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की रक्षा के उद्देश्य से चलाए गए अभियानों में अनेक अपराधियों को गिरफ्तार किया गया तथा लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की गई।

यात्री सुरक्षा अभियान के तहत रेल सुरक्षा बल ने 38 प्रकरण दर्ज करते हुए 43 अपराधियों को गिरफ्तार किया और 92 बच्चों को बचाया गया। लगभग 17 लाख 97 हजार रुपये मूल्य की चोरी की संपत्ति बरामद की। वहीं अमानत अभियान के अंतर्गत यात्रियों की खोई हुई 294 वस्तुएं बरामद की गईं, जिनकी कुल कीमत लगभग 85 लाख 21 हजार रुपये है। इन सभी सामानों को उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया गया। नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए गए नारकोस अभियान के दौरान रेल सुरक्षा बल ने लगभग 72 लाख 37 हजार रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया और 20 लोगों को गिरफ्तार कर संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया।

इसी प्रकार नन्हे फरिश्ते अभियान के तहत 92 बच्चों (73 लड़के और 19 लड़कियां) को बचाया गया, जो अपने परिवार से बिछड़ गए थे। इन बच्चों को आगे की देखभाल के लिए बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया। सतर्क अभियान के अंतर्गत ट्रेनों के माध्यम से अवैध रूप से ले जाई जा रही शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 56 हजार 270 रुपये बताई गई है। इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ पांच प्रकरण दर्ज किए गए। उपलब्ध अभियान के तहत टिकट दलालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 14 प्रकरण दर्ज किए गए और 15 दलालों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 53 चालू टिकट जब्त किए गए, जिनकी कीमत लगभग 95 हजार 129 रुपये है। इसके अलावा निगरानी कैमरों की सहायता से चार अपराधियों को पकड़कर लगभग 30 हजार रुपये मूल्य की चोरी की यात्री संपत्ति बरामद की गई। रेल सुरक्षा अभियान के तहत रेलवे संपत्ति के खिलाफ होने वाली गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए 52 प्रकरणों का पता लगाया गया और लगभग 6 लाख 77 हजार 942 रुपये मूल्य की रेलवे संपत्ति बरामद की गई। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की रक्षा के लिए निरंतर सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है और आगे भी इस प्रकार के अभियान जारी रहेंगे।

## गांजा तस्करी में तीन लोग गिरफ्तार

### 11 किलो से अधिक गांजा बरामद

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आयुक्त विशेष कार्यदल (सिकंदराबाद) की टीम ने चिलकलगुडा पुलिस के साथ मिलकर गांजा तस्करी में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उनके पास से 11.530 किलोग्राम गांजा और तीन दूरभाष यंत्र बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में ओडिशा के सुभाष मिशाल (33), ओडिशा के पबित्रा बीरा (24) तथा शमीरपेट निवासी और मूल रूप से ओडिशा के बापुन बिडका शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मिशाल, बीरा और बिडका ओडिशा के रायगड़ा जिले के मुख्य आरोपी मल्ली (33) से गांजा खरीदते थे और उसे शहर के ग्राहकों को बेचते थे। पुलिस ने चार ग्राहकों की पहचान की है, जिनमें दो भोजन पहुंचाने का कार्य करने वाले युवक भी शामिल हैं।

## राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने महिला जन सुनवाई में लिया हिस्सा

### अधिकारियों को शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहतकर ने मल्काजगिरी कमिश्नरेट कार्यालय में आयोजित महिला जन सुनवाई में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित शिकायतों का निपटारा करना और संस्थागत प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत बनाना था। कार्यक्रम में डीजीपी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शिवधर रेड्डी, चारु सिन्हा, अविनाश मोहती, मानु चौधरी, एम. श्रीनिवास और सुधीर बाबू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जन सुनवाई में मेडचल-मल्काजगिरी जिले से 30 शिकायतें और 5 वॉक-इन शिकायतें प्राप्त हुईं, जो मुख्यतः घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, परित्याग और साइबर अपराध से संबंधित थीं। अध्यक्ष ने सभी मामलों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई एवं निवारण के निर्देश दिए। यह महिला जन सुनवाई अभियान 8 मार्च से 13 मार्च तक अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पूरे देश में आयोजित किया गया, ताकि महिलाओं को सीधे शिकायत दर्ज कराने और संस्थागत समर्थन प्राप्त करने का प्लेटफॉर्म मिल सके। सुनवाई के दौरान एनसीआरबी 2023 के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर भी चर्चा की गई, जिसमें समय पर जांच, बेहतर समन्वय और पास्को अधिनियम तथा घरेलू हिंसा अधिनियम जैसे कानूनों के कड़ाई से पालन की आवश्यकता पर जोर दिया गया। अध्यक्ष ने मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नरेट और जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

## सरकारी विभाग अब केवल ईवी वाहन खरीदेंगे : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रदूषण कम करने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया है कि अब से केवल बिजली से चलने वाले वाहन ही खरीदे जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हैदराबाद शहर की सीमा के भीतर सरकारी कार्यों के लिए किराये पर भी केवल बिजली से चलने वाले वाहनों का ही उपयोग किया जाए। बुधवार रात परिवहन तथा सड़क और भवन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए छोटी चलचित्र बनाने और उनका व्यापक प्रदर्शन करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शमशाबाद में एक आधुनिक बस अड्डा स्थापित करने की योजना तैयार करने का भी निर्देश दिया। यहां भविष्य में तीव्र गति वाली रेल मार्ग विकसित करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद से पुणे, हैदराबाद से बेंगलुरू और हैदराबाद से चेन्नई के बीच भी तीव्र गति वाली रेल मार्ग विकसित किए जाएंगे, जिससे यात्रा अधिक तेज और सुविधाजनक होगी।

## लंबित संपत्ति कर पर 90 प्रतिशत छूट की घोषणा

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने संपत्ति कर के भुगतान की अंतिम तिथि 31 मार्च होने के मद्देनजर लंबित करों पर 90 प्रतिशत तक छूट देने की घोषणा की है। नगर निगम की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि एकमुश्त समझौता योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लंबित संपत्ति कर पर 31 मार्च तक यह छूट दी जा रही है। नगर आयुक्त ने बताया कि करदाता नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट, माय क्योर अनुप्रयोग, मी-सेवा केंद्रों तथा नागरिक सेवा केंद्रों के माध्यम से संपत्ति कर का भुगतान कर सकते हैं और इस छूट योजना का लाभ उठा सकते हैं।

## रसोई गैस आपूर्ति संकट पर केटीआर ने केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रसोई गैस की आपूर्ति में आ रही गंभीर कमी को लेकर केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि घरेलू तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। गुरुवार को लिखे तीन पन्नों के पत्र में रामाराव ने कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कमी अब संकटपूर्ण स्थिति तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति के स्पष्ट और पारदर्शी आंकड़े उपलब्ध न होने के कारण जमाखोरी, कालाबाजारी और व्यापारियों में असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने बताया कि तेल विपणन कंपनियों के पास वितरण से जुड़े तात्कालिक आंकड़े मौजूद हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है, जिससे भोजनालयों, छात्रावासों, छोटे खानपान केंद्रों और सेवा प्रतिष्ठानों को अपने कामकाज की योजना बनाने में कठिनाई हो रही है।

पूर्व मंत्री ने चेतावनी दी कि यदि गैस आपूर्ति जल्द बहाल नहीं हुई तो हैदराबाद और पूरे तेलंगाना में लगभग 90 प्रतिशत भोजनालय और खानपान केंद्र 48 घंटे के भीतर बंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिलेंडरों की कमी के कारण छात्रावासों, छात्र आवासों और बड़े भोजन केंद्रों में पहले से ही भोजन की व्यवस्था में कटौती की जा रही है। रामाराव ने केंद्र सरकार से जिलेवार व्यावसायिक गैस उपलब्धता दिखाने वाला सार्वजनिक तात्कालिक सूचना पटल तैयार करने, छोटे प्रतिष्ठानों को प्राथमिकता देने वाली आवंटन व्यवस्था लागू करने तथा संकट के समय गैस सिलेंडरों की कीमतों को स्थिर रखने की मांग की। उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने की भी अपील की। उन्होंने छात्रावासों और छात्र आवासों के लिए गैस का सुरक्षित आवंटन सुनिश्चित करने, श्मशान घाटों को आवश्यक सेवा घोषित करने तथा बड़े कार्यालय परिसरों में अस्थायी रूप से घर से कार्य करने की सलाह जारी करने की भी मांग की। रामाराव ने कहा कि गैस आपूर्ति में व्यवधान का बोझ छोटे व्यापारियों और श्रमिकों पर नहीं पड़ना चाहिए और केंद्र सरकार को इस संबंध में तुरंत आवश्यक निर्देश जारी करने चाहिए।

## मेगास्टार डॉ. चिरंजीवी को एनटीआर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए आमंत्रण

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गद्दर फिल्म अवार्ड्स (टीजीएफए समारोह) के कार्यक्रमों के तहत, दिल राजू और आईएएस अधिकारी प्रियंका ने आज मेगास्टार डॉ. चिरंजीवी का सम्मानपूर्वक स्वागत किया। संस्था ने उन्हें सरकार द्वारा घोषित प्रतिष्ठित एनटीआर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर पर सादर आमंत्रित किया। पुरस्कारों का मुख्य समारोह 19 मार्च 2026 को हाईटेक्स, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। टीजीएफडीसी के अधिकारियों ने अनुरोध किया कि डॉ. चिरंजीवी इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपना सम्मान स्वीकार करें।

## लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों ने केटी रामाराव से की मुलाकात

### काम और वेतन न मिलने की शिकायत

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भर से नवनियुक्त पांच हजार से अधिक लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों ने गुरुवार को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव से उनके नंदीनगर स्थित आवास पर मुलाकात की।

सर्वेक्षकों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने महीनों पहले नियुक्ति के बावजूद उन्हें न तो काम दिया है और न ही वेतन दिया जा रहा है। सर्वेक्षकों ने बताया कि नई भूमि अभिलेख व्यवस्था लागू होने के बाद उनका चयन किया गया और उन्हें लाइसेंस भी दे दिया गया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें स्पष्ट रूप से कोई कार्य नहीं सौंपा गया। इसके कारण कई सर्वेक्षक नियमित आय के अभाव में आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं और अपने परिवार का पालन-पोषण करने में कठिनाई झेल रहे हैं।

बैठक के दौरान सर्वेक्षकों ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन तहसील कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा जाता है, लेकिन वहां उन्हें कोई काम नहीं दिया जाता और पूरे दिन खाली बैठना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्य वितरण के लिए कोई पारदर्शी व्यवस्था नहीं है और सभी सर्वेक्षकों को समान अवसर देने के लिए स्पष्ट प्रणाली बनाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कर्नाटक सहित कुछ अन्य राज्यों में सर्वेक्षकों को नियमित कार्य और आय मिलती है, जबकि तेलंगाना में सुधार के नाम पर उन्हें काम नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने तुरंत कार्य आवंटन, भत्तों के भुगतान और सर्वेक्षकों के उपयोग के लिए स्पष्ट नीति बनाने की मांग करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा। रामाराव ने सर्वेक्षकों को आश्वासन दिया कि वह आगामी विधानसभा सत्र में यह मुद्दा सरकार के सामने उठाएंगे। उन्होंने कहा कि लाइसेंस जारी करने के बाद प्रशिक्षित युवाओं को बेरोजगार छोड़ना उचित नहीं है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किया जाएगा।

## राउडीशीटर को एक महीने की सजा

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा डिवीजन में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक गतिविधियों को रोकने के प्रयास में कमाटिपुरा पुलिस स्टेशन ने एक राउटीशीटर के खिलाफ मुकदमा सफलतापूर्वक चलाकर उसे सजा दिलाई। मामले में आरोपी मोहम्मद रियाजुद्दीन पहले से ही बाउंड-ओवर शर्तों में बंधा हुआ था। उसने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कर किसी भी आपराधिक गतिविधि से बचने का वचन दिया था।

हालांकि, हाल ही में आरोपी नए आपराधिक मामले में संलिप्त पाया गया, जो उसके बाउंड-ओवर शर्तों का उल्लंघन है। इसके बाद कमाटिपुरा पुलिस ने आरोपी को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने के. ज्योति के समक्ष पेश किया और सुरक्षा शर्तों के उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई की मांग की। विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने सबूतों और पुलिस द्वारा प्रस्तुत रिकॉर्ड की समीक्षा के बाद रियाज को दोषी पाया और उसे एक महीने 30 साधारण कारावास की सजा सुनाई। न्यायिक औपचारिकताओं के बाद आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया और सेंट्रल जेल, चांचलगुड़ा में भेजा गया। हैदराबाद सिटी पुलिस ने कहा कि कोई भी इतिहास-शीटर या असामाजिक तत्व जो जनता की शांति भंग करता है या कानूनी बंधनों का उल्लंघन करता है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

## CLASSIFIEDS

### CHANGE OF NAME

I, No. 14650742K, Hav, Ashoka N, R/o, Dist: Dakshina Kannada, Karnataka changed my Mother's name from Dharmayanthi to Damayanthi vide Affidavit No. 284915 dt. 10.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I. No. 14650742K, Hav, Ashoka N, R/o, Dist: Dakshina Kannada, Karnataka, changed my Father's name from Vittala Gowda to Vitala Gowda vide Affidavit No. 284917 dt. 10.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14676665X, Hav. Sreekanth SS, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my Father's name from Sreekandan Nair to Sreekantan Nair N, vide Affidavit No. 284933 dt. 12.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14676665 X, Hav, Sreekanth SS, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my Mother's name from Sathi Kumar D to Sathikumari D, vide Affidavit No.284931 dt. 12.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## रियल एस्टेट जालसाजों से सावधान रहने की सलाह

संगारेड्डी, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी का मौसम नारायणखेड़ और उसके आसपास के क्षेत्रों में रियल एस्टेट गतिविधियों के लिए अनुकूल माना जाता है, क्योंकि इस दौरान खेतों में फसल नहीं होती और हैदराबाद के खरीदारों को जमीन देखने के लिए समय मिल जाता है। हालांकि, जमीन खरीदने के इच्छुक लोगों को क्षेत्र में सक्रिय रियल एस्टेट जालसाजों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। ये जालसाज आमतौर पर हैदराबाद के उन संभावित खरीदारों को निशाना बनाते हैं जो ग्रामीण इलाकों में फार्म हाउस बनाने के लिए जमीन खरीदना चाहते हैं। कांगती, सिरगापुर, नारायणखेड़ और आसपास के मंडलों में कई रियल एस्टेट धोखाधड़ी के मामले सामने आने के बाद कांगती पुलिस ने लोगों को जागरूक करने के लिए सड़कों के किनारे चेतावनी बोर्ड लगाने का निर्णय लिया है। इन बोर्डों पर संभावित खरीदारों को जमीन खरीदने से पहले उसके दस्तावेजों और प्रमाण पत्रों की पूरी तरह जांच करने की सलाह दी गई है।

हाल के दिनों में यहां जमीन से जुड़ी कई धोखाधड़ी की घटनाएं सामने आई हैं। एक मामले में नारायणखेड़ मंडल के एक गांव में एक व्यक्ति ने किसानों के समूह से 50 एकड़ जमीन खरीदी और पहली किस्त देने के बाद बाकी भुगतान में देरी करने लगा। बाद में उसने अदालत के कथित जाली फैसले के दस्तावेज दिखाकर जमीन अपने नाम कराने की कोशिश की, लेकिन राजस्व अधिकारियों ने दस्तावेजों को फर्जी बताते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। कुछ मामलों में जालसाजों ने सड़क किनारे की जमीन दिखाकर दूरदराज की जमीन का पंजीकरण कराने की कोशिश की, जबकि कई मामलों में जाली दस्तावेज भी सामने आए हैं। कांगती थाना प्रभारी वेंकट रेड्डी ने संभावित खरीदारों को सलाह दी है कि किसी भी जमीन का सौदा करने से पहले राजस्व विभाग, पंचायत अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से उसकी प्रामाणिकता की अच्छी तरह जांच कर लें। उन्होंने कहा कि जालसाज बाजार मूल्य से बहुत कम कीमत का लालच देकर लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए खरीदारों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

## बच्चों के शोषण मामले में ट्यूशन टीचर को पांच साल की जेल

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चंद्रायनगुट्टा में एचएसीए भवन में पास्कों मामलों की एक विशेष अदालत ने 23 साल के एक ट्यूशन टीचर को आठ साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में पांच साल की सजा सुनाई। पास्कों एक्ट मामलों के स्पेशल सेशन जज जी. उदय भास्कर राव की कोर्ट ने अरबी ट्यूटर अब्दुल कय्यूम को आईपीसी की धारा 354-ए और पास्कों एक्ट की धारा 10 आर/डब्लू 9(एम ) के तहत दोषी ठहराया। उस पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया और पीड़िता को 1 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने होम ट्यूशन सेशन के दौरान नाबालिग के साथ गलत काम किया, कथित तौर पर बच्ची को उसे छूने के लिए मजबूर किया और उसके कपड़े उतारने की कोशिश की।

लड़की ने शोर मचाया, जिसके बाद आरोपी भाग गया। चंद्रयानगुट्टा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया और पीड़ित को भरोसा सेंटर के ज़रिए काउंसलिंग सपोर्ट दिया गया। सिटी पुलिस कमिश्नर वी. सी. सज्जनार ने सज़ा दिलाने के लिए पुलिस और प्रॉसिक्यूशन टीमों की तारीफ़ की।

## वादों को पूरा करने हेतु समिति गठन पर चर्चा

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर कोदंडराम और एमएलसी अदंकी दयाकर ने गुरुवार को हैदराबाद में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के निवास पर बैठक की। बैठक का मुख्य एजेंडा कांग्रेस पार्टी द्वारा तेलंगाना आंदोलनकारियों से चुनावी अभियान के दौरान किए गए वादों को पूरा करने हेतु समिति का गठन करना था। प्रतिभागियों ने समिति में महिलाओं और अन्य वर्गों के अवसरों पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। चर्चा में वादों के क्रियान्वयन, संचालन प्रक्रियाओं और पात्र उम्मीदवारों के चयन मानदंडों पर भी विचार हुआ। इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर योग्य उम्मीदवारों की पहचान और आंदोलनकारियों की मांगों की समीक्षा पर भी मंथन किया गया।

॥ प्रथम पुण्यतिथि ॥

श्री नेतरामजी शर्मा (82 वर्ष)

जन्म : 3 अक्तूबर 1943 * स्वर्गवास : 13 मार्च 2025

आप सदैव हमारे प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।

शोकाकुल : श्यामकली शर्मा (पत्नी) एवं समस्त परिवार

## नोएडा के सेक्टर-4 में लगी भीषण आग,12 कर्मचारी झुलसे

नोएडा, 12 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे नोएडा में सेक्टर-4 स्थित एक बिजली का मीटर बनाने वाली कंपनी में आज सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि पूरी इमारत धुएं के गुबार में तब्दील हो गई। हादसे के वक्त फैक्ट्री के अंदर कई कर्मचारी काम कर रहे थे, जिनमें से कई लोग आग की लपटों के बीच फंस गए। घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल की 25 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग को बुझाने का काम जारी है। जानकारी के मुताबिक भीषण आग बी-40 कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड नाम की कंपनी मे लगी है। आज सुबह करीब 5:30 बजे अचानक ये आग लग गई। जहां आग लगी, वो तीन मंजिला इमारत है जहां बिजली के मीटर बनाने का काम किया जाता है। जिस वक्त आग लगी, नाइट शिफ्ट के कर्मचारी फैक्ट्री के अंदर मौजूद थे। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरी फैक्ट्री में हड़कंप मच गया।

# जमीन के बदले नौकरी घोटाला में

# ट्रायल कोर्ट के फैसले को लालू यादव ने दी चुनौती

### दिल्ली एचसी ने सीबीआई से मांगा जवाब

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे में जमीन के बदले नौकरी से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने आज केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) से जवाब मांगा है। मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने सीबीआई को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले पर अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी। साथ ही लालू के करीबी सहयोगी भोला यादव की याचिका पर भी सुनवाई होगी।

### कपिल सिब्बल ने अदालत में रखी दलील

**सुनवाई** के दौरान लालू प्रसाद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई मामला नहीं बनता क्योंकि रेल मंत्री के तौर पर भर्ती से उनका कोई लेना-देना नहीं था।

### ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग

**याचिका** में लालू प्रसाद यादव ने उनके खिलाफ आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद करने की मांग की है। राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने जनवरी माह में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ आरोप तय किए थे।

### परिवार के कई सदस्य भी आरोपित

**अदालत** ने लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी यादव, बेटे व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव और बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किए थे। अदालत ने कहा था कि आरोपितों के खिलाफ पहली नजर में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का मामला बनता है।

### 2004 से 2009 के दौरान का मामला

**मामला** 2004 से 2009 तक के समय से जुड़ा है। इस दौरान लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। आरोप है कि लालू यादव के परिवार के नाम और उनसे जुड़े एक कंपनी के नाम पर बाजार मूल्य से कम कीमत पर जमीनें खरीदी गईं और इनका भुगतान नकद किया गया।

## 'आशुतोष महाराज ने स्कॉर्पियो का पेमेंट नहीं किया'

### मथुरा के कारोबारी बोले- उल्टा हमपर ही एफआईआर करवा दी इनका ट्रस्ट भी फर्जी

मथुरा, 12 मार्च (एजेंसियां)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर 2 बटुकों के यौन शोषण का केस दर्ज करवाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी लगातार सुर्खियों में हैं। अब मथुरा के एक प्रॉपर्टी डीलर मनीष चतुर्वेदी ने उन पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है- आशुतोष ब्रह्मचारी जिस स्कॉर्पियो से चलते हैं, वह उन्होंने मुझसे 2023 में खरीदी थी। सौदा 18 लाख रुपए में हुआ, लेकिन मुझे सिर्फ 2.5 लाख रुपए ही दिए। इसके बाद उन्होंने मेरे खिलाफ एफआईआर करवा दी। उन्होंने कहा- मैंने भी आशुतोष के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस 6 बार आशुतोष महाराज के घर पहुंची, लेकिन स्कॉर्पियो बरामद नहीं कर सकी।

जिस श्रीकृष्ण जन्मभूमि निर्माण ट्रस्ट के वे खुद को अध्यक्ष बताते हैं, वह भी फर्जी है। इस मामले पर आशुतोष महाराज ने कहा- यह बात सही है कि मैंने मनीष से स्कॉर्पियो खरीदी है। सौदा 13.50 लाख रुपए में हुआ था। 13 लाख रुपए दे चुका हूं, 50 हजार रुपए और देने थे, लेकिन वो 5 लाख रुपए और मांगने लगे। उन्होंने जो एफआईआर कराई है, उस पर हाईकोर्ट ने मुझे स्टे दे दिया है।

### यूपीएससी रिजल्ट में फिर नाम का फेर

# एआईआर-301 के बाद अब 113वीं रैंक पर दो 'शिखा' ने किया दावा

बुलंदशहर, 12 मार्च (एजेंसियां)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा-2025 के परिणाम घोषित होने के एआईआर-301 विवाद के बाद अब एआईआर-113 को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। बुलंदशहर की शिखा के बाद अब दिल्ली की एक अन्य शिखा ने भी 113वीं रैंक का दावा किया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। दरअसल, परिणाम घोषित होने के बाद बुलंदशहर में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई थी जब यह खबर सामने आई कि एक चपरासी की बेटी शिखा ने ऑल इंडिया रैंक 113 हासिल की है। परिवार, रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों ने इसे बड़ी उपलब्धि मानते हुए जश्न मनाया।

हालांकि, अब दिल्ली निवासी एक अन्य शिखा का नाम भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर उनके इंटरव्यू कॉल लेटर और रोल नंबर से जुड़े दस्तावेज वायरल हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने भी एआईआर-113 प्राप्त की है। बताया जा रहा है कि दिल्ली की यह शिखा वर्तमान में हरियाणा में बीडीओ (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) के पद पर तैनात हैं। दस्तावेज वायरल होने के बाद दोनों दावों को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फिलहाल पूरे विवाद को लेकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

आयोग की ओर से स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही यह तय हो पाएगा कि एआईआर-113 पर किस अभ्यर्थी का चयन हुआ है। इससे पहले रैंक 301 पर दो कैंडिडेट्स ने अपनी दावेदारी पेश की थी। दोनों का नाम आकांक्षा सिंह है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर की आकांक्षा सिंह ने रैंक 301 (रोल नंबर-0856794) हासिल की है।

## पेट्रोल की लड़ाई में पानी भी महंगा

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-अमेरिका जंग के कारण बोतलबंद पानी भी महंगा हो गया है। कच्चे माल और परिवहन लागत बढ़ने से कंपनियों को झटका लगा है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर - एसोसिएशन और उत्तर प्रदेश पैकेज्ड वॉटर एसोसिएशन ने दाम बढ़ाए हैं। 12 बोतलों के एक डिब्बे की कीमत में न्यूनतम 10 रुपये की वृद्धि की गई है। यदि युद्ध लंबा चला तो अगले सात दिन में यह महंगाई दोगुनी हो सकती है। अकेले उत्तर प्रदेश में बोतलबंद पानी का बाजार पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। बोतलबंद पानी के संगठनों के अनुसार, पीईटी रेजिन की कीमतों में करीब 25.75 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। इससे बोतलों और प्रीफॉर्म की लागत सीधे प्रभावित - हुई है। 6 मार्च से विभिन्न पॉलिमर की कीमतों में भी बड़ा इजाफा हुआ है।

### फिर पॉवर में लौटेंगे 'घूस' के आरोपी अधिकारी?

# आईएएस अभिषेक प्रकाश का निलंबन खत्म, फिर संभालेंगे जिम्मेदारी

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। प्रशासनिक गलियारे से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। रिश्वत के गंभीर आरोपों में घिरे और लंबे समय से निलंबित चल रहे आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश की एक बार फिर बहाली हो सकती है। जिस अधिकारी पर भ्रष्टाचार के दाग लगे थे, उनका निलंबन वापस लेने के सरकार के फैसले ने सबको चौंका दिया है। हालांकि फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों की मानें तो 14 मार्च से बहाली प्रभावी मानी जाएगी। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को बहाल करने का फैसला किया है।

इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ और 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को सोलर कंपनी से प्रोजेक्ट मंजूरी के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित किया गया था। योगी सरकार ने 20 मार्च 2025 को उन्हें निलंबित कर दिया था। बाद में फरवरी 2026 में हाईकोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में उनके खिलाफ दाखिल चार्जशीट को रद्द कर दिया। जानकारी अनुसार निलंबन का एक वर्ष पूरा होने से पहले इस मामले की रिपोर्ट कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजना आवश्यक होता है।

चूंकि जांच में आरोप सिद्ध नहीं हो पाए, इसलिए यह निर्णय लिया जाना था कि उन्हें निलंबित रखा जाए या सेवा में बहाल किया जाए। नियमानुसार इस संबंध में 14 दिन पहले डीओपीटी को भी सूचना देनी होती है। बताया जा रहा है कि इसी आधार पर उच्च स्तर से अनुमति मांगी गई थी, जिसमें उनकी बहाली पर सहमति बन गई है।

### एलपीजी संकट के बीच सपा सांसद का दावा

## आलू, टमाटर, प्याज के दाम भी बढ़ गए, विपक्ष हकीकत कह रहा है

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की नेता और राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने एलपीजी संकट के बीच दावा किया है कि आलू प्याज के दाम भी बढ़ गए हैं। सरकार अगर कह रही है कि एलपीजी का संकट नहीं है तो ठीक है लोग चूल्हा जला लेंगे लेकिन आलू प्याज का क्या करेंगे? सरकार द्वारा यह आरोप लगाए जाने पर कि विपक्ष पैनिक फैला रहा है, जया बच्चन ने कहा कि अपोजशिन पैनिक फैला नहीं रहा है बल्कि पैनिक है। जब सोसाइटी किसी मुद्दे पर पैनिक करती है तो हम लोग वह आवाज उठाते हैं। बच्चन ने कहा कि टैक्स पेयर्स के लिए तो कुछ है ही नहीं। उनको तो आप मार ही रहे हैं। उनके लिए तो कोई सुविधा नहीं है। मंत्रियों के लिए सायरन, बत्ती का इंतजाम है। उनके लिए रास्ते ब्लॉक हो जाते हैं।

आम आदमी को क्या मिल रहा है। गरीब परेशान हो रहा है। जो बेचारे गरीब हैं, जो बेचारे टैक्स नहीं देते, उनके लिए क्या है? न गैस न सुविधाएं हैं। उधर, ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि घरेलू रसोई गैस की जरूरतें पूरी करने के लिए देश के पास पर्याप्त भंडार मौजूद है और लोगों को घबराहट में आकर सिलेंडर बुक करने की जरूरत नहीं है।

# बीएमएसआइसीएल के डीजीएम पंकज कुमार के ठिकानों पर एसयूवी की छापेमारी

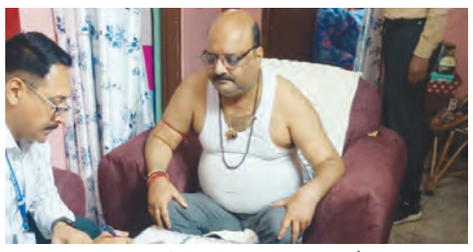

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी पटना से बड़ी खबर सामने आ रही है। पटना निगरानी ने एक भ्रष्ट अधिकारी के आवास पर छापेमारी की है। बताया जा रहै है कि 11 साल की नौकरी में अधिकारी ने करोड़ों की काली कमाई की है। दरअसल, प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत विशेष निगरानी इकाई (एसयूवी) की कार्रवाई लगातार जारी है।

इसी बीच एक बड़ी कार्रवाई की गई है। जानकारी अनुसार बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमएसआइसीएल) के डीजीएम (प्रोजेक्ट) पंकज कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद आज विशेष अदालत के आदेश पर उनके पटना स्थित आवासीय और कार्यालय परिसरों में एक साथ तलाशी ली जा रही है।

### 96 लाख से अधिक की अवैध संपत्ति का खुलासा

विशेष निगरानी इकाई द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, पंकज कुमार पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी अधिनियम 1988) की विभिन्न धाराओं के तहत कांड संख्या-10/2026 दर्ज किया गया है। जांच में पाया गया है कि उन्होंने अपनी 11 साल की सेवा अवधि के दौरान लोक सेवक के पद का दुरुपयोग करते हुए अवैध तरीके से लगभग 96,46,666 रुपये की संपत्ति बनाई है। यह राशि उनकी ज्ञात कानूनी आय के स्रोतों से कहीं अधिक है।

### पटना में एक साथ कई ठिकानों पर रेड

गुरुवार (आज) सुबह विशेष न्यायाधीश (निगरानी) पटना द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर एसवीयू की टीमों ने पंकज कुमार के कार्यालय और पटना स्थित आवास पर छापा मारा। छापेमारी की इस कार्रवाई से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

निगरानी विभाग की टीम फिलहाल दस्तावेजों, बैंक खातों और अन्य निवेशों की जांच कर रही है, जिससे अवैध संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

### 45 साल बाद मिली राहत

## 1981 में दर्ज मारपीट के केस में बस कंडक्टर को हाई कोर्ट ने किया बरी

प्रयागराज, 12 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रोडवेज के सेवानिवृत्त बस कंडक्टर 77 वर्षीय राजेंद्र कुमार को बड़ी राहत दी है। यातायात निरीक्षकों से मारपीट में दोषी ठहराए गए सेवानिवृत कंडक्टर को 45 साल बाद सत्र अदालत से मिली सजा रद करते हुए बरी कर दिया गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकलपीठ ने सजा के खिलाफ आपराधिक अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। ट्रायल कोर्ट ने आइपीसी की धारा 332 और 333 के तहत सजा सुनाई थी। अपीलार्थी राजेंद्र वर्तमान में जमानत पर थे।

कोर्ट ने कहा, राजेंद्र कुमार को अपराध से बरी किया जाता है। अभियोजन के अनुसार छह अगस्त 1981 को नाथूराम नामक ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने रुड़की थाने में इस आशय की एफआइआर दर्ज कराई थी कि राजेंद्र कुमार ने तब उनके साथ दुर्व्यवहार किया और चोट पहुंचाई जब वे सहयोगियों के साथ हरिद्वार जा रही बस का निरीक्षण कर रहे थे।

उनको दो मुक्के मारा जिससे उनके दो दांत टूट गए और वे गिर गए। अत्तर सिंह की डायरी छीन फाड़ दिया। बुद्धिमल को भी चोट लगी। अपीलार्थी के वकील ने गलत तरीके से फंसाए जाने की बात कही। कहा कि ट्रैफिक इंस्पेक्टरों ने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया और राजेंद्र कुमार को धमकी दी।

ट्रैफिक इंस्पेक्टरों के बयान में विरोधाभास का दावा किया। यह भी कहा कि अपीलार्थी ने भी एफआइआर दर्ज कराई थी, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने इसे नहीं सुना। अधीनस्थ न्यायालय ने सबूतों को गलत तरीके से समझा और दोषी ठहराया। सरकार की ओर से पेश एजीए ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने सबूतों को सही तरीके से समझा है।

# आदित्यनाथ अयोध्या में

### राष्ट्रपति दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

अयोध्या, 12 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार सुबह अयोध्या पहुंचे। उन्होंने यहां राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर निर्धारित समय पर रामकथा पार्क स्थित हेलीपैड पर उतरा। इसके बाद वह सीधे हनुमानगढ़ी मंदिर गए और दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना भी करेंगे। अपने दर्शन-पूजन के बाद, मुख्यमंत्री 19 मार्च को प्रस्तावित राष्ट्रपति कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वह सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। इसके उपरांत, वह श्रीराम जन्मभूमि परिसर के पीएफसी सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में राष्ट्रपति के आगमन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के दौरे से संबंधित सभी पहलुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। इसमें सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और साफ-सफाई प्रमुख थे।

पार्किंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया। समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार की सुबह देवीपाटन मंदिर में पूजा-अर्चना किया।

मां पाटेश्वरी के पांव पखारे और फिर आरती उतारी। विधिवत पूजन करने साथ ही परिक्रमा किया। उन्होंने मंदिर की गोशाला में गायों को गुड़, चना, पूड़ी और हरा चारा खिलाया। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन से चैत्र नवरात्र मेले की तैयारी पर निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखने की बात कही। इसके बाद मुख्यमंत्री अयोध्या के लिए रवाना हो गए।

### कहां छिपे हैं जज के पिता के कातिल? डीआईजी ने बढ़ाया इनाम; सामने आया जम्मू कनेक्शन

मुरादाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में जज के पिता की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। अब पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम की राशि बढ़ा दी है। मुरादाबाद रेंज के डीआईजी ने मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर जफर और उसके दो बेटों सैफुल और हुसैन पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इससे पहले जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने तीनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक, इस हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी जफर और उसके दोनों बेटे अभी भी फरार हैं।

उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मृतक का नाम मोहम्मद असद था। मृतक मलिक मोहम्मद असद (62) मुरादाबाद के लाल मस्जिद इलाके के रहने वाले थे और कारोबार से जुड़े हुए थे। पुलिस के अनुसार, उनकी हत्या का आरोप उनके ही सगे साले जफर और उसके दो बेटों पर लगा है।

### सुबह सुबह एनडीए सरकार पर गरमाए तेजस्वी यादव

# गिनाई इतनी कमियां कि हैरान रह जाएंगे सीएम नीतीश

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सुबह सुबह बिहार की एनडीए सरकार पर जबरदस्त हमला बोला है। इन दिनों सीएम नीतीश के राज्यसभा जाने और सीएम पद से उनकी विदाई की खबर को लेकर सियासी हलचल तेज है। कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इसी बीच तेजस्वी यादव भी लगातार बिहार सरकार पर हमलावर भी हैं। तेजस्वी ने ट्विट कर एक बार फिर भी एनडीए सरकार को आइना दिखाया है। तेजस्वी ने ट्विट कर बिहार में बढ़ते बेरोजगारी, गरीबी, पलायान और भ्रष्टाचार सहित कई मुद्दे उठाए हैं।

### तेजस्वी का एनडीए सरकार पर हमला

तेजस्वी ने लिखा कि, बिहार एक अनोखा और अनूठा प्रदेश है जहां दशकों से एनडीए की डबल इंजन सरकार है वहां- देश का सबसे गरीब राज्य- बिहार, देश में सबसे अधिक पलायन-बिहार, देश में सबसे अधिक अपराध- बिहार, देश में सबसे अधिक भ्रष्टाचार- बिहार, देश में सबसे अधिक बेरोजगारी- बिहार, देश में सबसे अधिक बहुआयामी गरीबी- बिहार, देश में सबसे अधिक स्कूल ड्राप आउट- बिहार, देश में सबसे कम साक्षरता दर- बिहार, देश में सबसे कम प्रति व्यक्ति आय-बिहार, देश में सबसे कम किसानों की आय- बिहार, देश में सबसे कम प्रति व्यक्ति निवेश- बिहार, देश में सबसे कम प्रति व्यक्ति उपभोग- बिहार

### इन सभी मामलों में पिछड़ा बिहार

देश में सबसे कम कंप्यूटर साक्षरता- बिहार, देश में सबसे कम बिजली खपत- बिहार, देश में सबसे कम बुनियादी सुविधा- बिहार, देश में सबसे कम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा- बिहार, देश में सबसे कम औद्योगिक इकाइयां- बिहार, देश में सबसे कम स्कूलों में कंप्यूटर और आईसीटी लैब- बिहार, देश में विकास के सभी सूचकांक में सबसे फिसड्डी- बिहार, देश में शिक्षा-स्वास्थ्य सेवा/सुविधा में सबसे फिसड्डी- बिहार, महंगी गैस खरीदने में आगे- बिहार, महंगी बिजली खरीदने में आगे- बिहार, महंगा पेट्रोल-डीज़ल खरीदने में आगे- बिहार और दिल्ली-मुंबई से महंगी प्रॉपर्टी और जमीन- बिहार।।

### सभी मानकों में फिसड्डी एनडीए सरकार

तेजस्वी ने आगे लिखा कि, 21 वर्षों की एनडीए सरकार में बिहार विकास के सभी मानकों, मानदंड और सूचकांक में सबसे फिसड्डी है लेकिन इन शर्मनाक तथ्यों और रैंकिंग पर किसी की कभी कोई जवाबदेही नहीं,

बस पलटा-पलटी, प्रशासनिक तंत्र, सरकारी खजाने से वोट खरीदी, वोट की लूट और जातिवाद के सहारे कथित सुशासनी लोग सत्ता का आनंद भोग रहे है।

### तारिणी मार्केट में लगी भीषण आग, 15 से अधिक दुकानें जलकर खाक; लाखों का नुकसान

भुवनेश्वर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी भुवनेश्वर के भरतपुर इलाके में स्थित कलिंग स्टूडियो चौक के पास तारिणी मार्केट में भीषण आग लग गई, जिससे कई दुकानों को भारी नुकसान हुआ और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग रात करीब 12 से 12:30 बजे के बीच लगी और देखते ही देखते पूरे मार्केट क्षेत्र में फैल गई। इस आगजनी में 15 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं, जिससे लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक कई दुकानें पूरी तरह जल चुकी थीं।

### 1 करोड़ रुपए फीस मांग रहे वकील की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

# पूर्व चीफ जस्टिस के पक्ष में दाखिल याचिका के लिए किया था दावा

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार से 1 करोड़ रुपए की फीस दिलवाने की मांग कर रहे एक वकील की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने वकील की मांग को गलत धारणा पर आधारित बताया। वकील अशोक पांडे का दावा था कि उन्होंने 2017-18 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के समर्थन में याचिकाएं दायर की थीं। कोर्ट ने कहा कि अगर उन्होंने सामाजिक सेवा समझकर कुछ किया, तो उसकी फीस सरकार से नहीं दिलावाई जा सकती। अशोक पांडे का दावा था कि उनकी याचिकाओं का उद्देश्य मुख्य न्यायाधीश के पद को अपमान से बचाना था। उन्होंने यह याचिकाएं उस समय दायर की थीं,

जब विपक्षी दल राज्यसभा में तत्कालीन चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की कोशिश कर रहे थे। वकील का कहना था कि उन्होंने जो किया वह काम केंद्र सरकार के अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल को करना चाहिए था। पिछले साल मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने भी पांडे की याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट में अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकीलों का अधिकृत पैनल है। न तो पांडे उस पैनल का हिस्सा थे, न ही कानून मंत्रालय ने पांडे से कहा था कि वह इन मामलों को दायर करें इसलिए सरकार से फीस मांगने का कोई कानूनी आधार नहीं बनता।

हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करने से पहले पांडे ने फीस की मांग को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय को पत्र लिखा था। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस पत्र को मंत्रालय को भेज दिया था। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 26 जुलाई 2024 को यह कहते हुए उनके दावे को खारिज कर दिया कि वह याचिकाएं उन्होंने अपनी इच्छा से दायर की थीं। सरकार ने उनसे ऐसा करने का कोई अनुरोध नहीं किया था। गुरुवार, 12 मार्च को हुई सुनवाई की शुरुआत में ही चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने यह साफ कर दिया कि वह याचिका को सुनवाई के योग्य नहीं मानती है। इसके बावजूद अशोक पांडे काफी देर तक बहस करते रहे।

उन्होंने यह तक कहा कि जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में यह याचिकाएं दाखिल की थीं, तब उनके पास पैसे नहीं थे। उन्होंने अपनी बेटी से दो लाख रूपए उधार लेकर याचिकाएं दाखिल की थीं। आखिरकार जजों के सब्र का बांध टूट गया। चीफ जस्टिस ने कहा, 'बस बहुत हो चुका। आपकी याचिका खारिज की जा रही है।'

### बहस के बाद पत्नी ने पति पर फेंक दिया खौलता हुआ दूध पुलिस ने दर्ज किया मामला

मंडी, 12 मार्च (एजेंसियां)। सरकाघाट पुलिस थाना हटली के तहतत जमनौण गांव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां मामूली बहस के बाद एक पत्नी ने अपने पति पर खौलता हुआ दूध फेंक दिया। इस घटना में पति गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित धर्मपाल (32) निवासी जमनौण ने शिकायत दर्ज कराई है कि बीते बुधवार रात करीब 8 बजे जब वह अपनी पत्नी नीना कुमारी के साथ रसोई में बैठा था तो उनके बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई। धर्मपाल ने आरोप लगाया कि उसने पत्नी को बहस करने से रोका तो आवेश में आकर नीना कुमारी ने चूल्हे पर उबल रहा दूध उस पर फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ लापरवाही से नुकसान पहुंचाने पर प्राथमिकी दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

### गिरफ्तार हुए 2 बांग्लादेशी, एक बार डिपोर्ट हुए, फिर अवैध घुसपैठ की

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिप्तो कुमार पाल उर्फ विकास और उसकी कथित पत्नी रूमा बेगम के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि दोनों न केवल अवैध रूप से भारत में रह रहे थे, बल्कि एक देह व्यापार रैकेट से भी जुड़े थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध विदेशी नागरिक इलाके में मौजूद हैं। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से कोई भी वैध यात्रा दस्तावेज या पासपोर्ट नहीं मिला। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पहले भी अवैध रूप से भारत में घुसने के कारण डिपोर्ट किए जा चुके थे।

फिर दोबारा अवैध रूप से भारत में घुस आए। मुख्य आरोपी दिप्तो कुमार पाल उर्फ विकास का काम बांग्लादेशी महिलाओं को अवैध रूप से सीमा पार कराकर भारत लाना था। उसकी कथित पत्नी रूमा बेगम भी इस अवैध गतिविधि में शामिल पाई गई। दोनों आरोपियों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया है। चूंकि वे पहले भी डिपोर्ट किए जा चुके हैं, इसलिए अब उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज कर दी गई है और उन्हें दोबारा निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि उनके तार भारत में और किन-किन लोगों से जुड़े हुए हैं।

### साड़ी-चूड़ियां पहन रात को मंदिर में पूजा कर रहे थे रिटायर्ड टीचर

# काला जादू के शक में भीड़ ने दी सजा

भुवनेश्वर, 12 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां काला जादू करने के शक में गांव के कुछ लोगों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति पर हमला कर दिया। इस हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार कर उन्हें कोर्ट में पेश किया है। यह घटना गंजाम जिले के बेलागुंठा थाना क्षेत्र के बेलपूंजी गांव में 7 और 8 मार्च की दरम्यानी रात को हुई।

घायल व्यक्ति की पहचान गोपाल कृष्ण सेठी के रूप में हुई है, जो एक रिटायर्ड शिक्षक हैं और चढ़ियापल्ली के ढेपा साही के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, घटना से कुछ दिन पहले गांव के लोगों ने गोपाल कृष्ण सेठी को देर रात बेलपूंजी गांव के ठाकुराणी मंदिर में पूजा-पाठ और मंत्र जाप करते हुए देखा था। बताया जा रहा है कि उस समय उन्होंने महिलाओं के कपड़े जैसे- साड़ी, चूड़ियां और फूलों की माला पहन रखी थी। इसी वजह से गांव के कुछ लोगों को उन पर काला जादू करने का शक होने लगा।

इसके बाद गांव के कुछ लोग वहां इकट्ठा हो गए और उन्होंने बुजुर्ग पर हमला कर दिया। इस दौरान उनकी जमकर पिटाई की गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बुजुर्ग को वहां से बचाकर तुरंत इलाज के लिए ब्रह्मपुर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। इस मामले में एसडीपीओ डॉ। दीपक कुमार मिश्रा ने बताया कि यह बेहद दुखद घटना है। उन्होंने कहा कि घायल व्यक्ति की हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और प्रारंभिक जांच के बाद बेलपूंजी गांव के 10 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की आगे जांच कर रही है।

### इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बरेली के डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य को किया तलब

प्रयागराज, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश से बड़ी खबर सामने आ रही है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बरेली जिले के डीएम अविनाश सिंह और जिले के एसएसपी अनुराग आर्य को तलब किया है। जानकारी के मुताबिक, हाई कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को अवमानना के मामले में व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। आइए जानते हैं कि क्या ये पूरा मामला जिसमें कोर्ट को ये कदम उठाना पड़ा है।

**कोर्ट ने क्यों किया तलब?**

जानकारी के मुताबिक, डीएम और एसएसपी पर घर में सामूहिक नमाज पढ़ने से रोकने का आरोप है। बरेली के मोहम्मद गंज गांव में 16 जनवरी 2026 को हसीन खान के घर में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग नमाज पढ़ रहे थे। हिंदू परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने इस पर रोक लगा दी थी। इस मामले में याची तारिक खान की ओर से याचिका दाखिल की गई है।

**23 मार्च को होगी अगली सुनवाई**

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस याचिका को अंतिम आदेश के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च दोपहर 2:00 बजे होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य को अवमानना के मामले में व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। कोर्ट ने कहा है कि हाजिर नहीं होने पर गैर जमानती वारंट के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

# आयकर विभाग का बड़ा सर्वे

### ओनिडा बाथ फिटिंग के तीन परिसरों में एक साथ जांच

जालंधर, 12 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रसिद्ध ओनिडा बाथ फिटिंग से जुड़े कारोबारी परिसरों में सर्वे शुरू किया है। विभाग की टीमों ने औद्योगिक क्षेत्र और डोगरी रोड स्थित तीन मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों में एक साथ पहुंचकर जांच शुरू की। विभागीय सूत्रों के अनुसार आयकर विभाग की यह बड़ी कार्रवाई करीब सात वर्षों के बाद की गई है। इससे पहले वर्ष 2019 में यहां अंतिम बार सर्वे किया गया था। इस बार की कार्रवाई मुख्य आयकर आयुक्त अमृतसर जी एस फनी किशोर और प्रधान आयकर आयुक्त जे एस मिन्हास के निर्देशों पर की जा रही है। सर्वे की अगुवाई अतिरिक्त आयकर आयुक्त धर्मेंद्र पुनिया कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार आयकर विभाग जालंधर की रेंज एक और रेंज चार की विशेष टीमों सहित 40 से अधिक अधिकारी इस कार्रवाई में शामिल हैं। विभाग के अधिकारी बुधवार दोपहर करीब एक बजे एक साथ तीनों परिसरों में पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

**दस्तावेजों की हो रही जांच**

सर्वे के दौरान अधिकारियों ने संबंधित इकाइयों के परिसरों को पूरी तरह अपने नियंत्रण में लेकर वहां मौजूद स्टॉक की विस्तृत जांच की। इसके साथ ही कंप्यूटर में तैयार किए जा रहे हिसाब किताब और दस्तावेजों का भी गहन परीक्षण किया जा रहा है। अधिकारी मौके पर मौजूद सभी कागजात, स्टॉक और खातों का आपस में मिलान कर रहे हैं ताकि किसी भी तरह की कर अनियमितता या गड़बड़ी का पता लगाया जा सके। सूत्रों का कहना है कि विभाग की टीमों ने दस्तावेजों और लेखा अभिलेखों को अपने कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि कारोबार से संबंधित आय और कर भुगतान का पूरा विवरण सही तरीके से दर्ज किया गया है या नहीं।

बताया जा रहा है कि सर्वे की कार्रवाई देर रात तक जारी रही और इसके अगले एक से दो दिन तक चलने की संभावना है। विभागीय अधिकारियों को उम्मीद है कि इस कार्रवाई के दौरान कर संबंधी कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। वित्त वर्ष के समापन के नजदीक होने के कारण आयकर विभाग इन दिनों कर संग्रह बढ़ाने और कर चोरी के मामलों का पता लगाने पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसी क्रम में जालंधर में यह कार्रवाई की गई है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कर संबंधी कितनी अनियमितताएं सामने आती हैं और विभाग को कितना अतिरिक्त कर प्राप्त हो सकता है। फिलहाल तीनों परिसरों में दस्तावेजों और स्टॉक की जांच का काम लगातार जारी है।

### बीएसएफ जवान की नाबालिग बेटी का अपहरण, स्कूल से लौट रही थी घर

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के रोहिणी में एक गंभीर वारदात सामने आई। जहां बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी बीएसएफ के एक जवान की 12 साल की बेटी को कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया। घटना आवासीय सोसाइटी के बाहर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि लड़की गुरुवार सुबह स्कूल के लिए निकली थी। वह स्कूल से घर लौट रही थी। तभी वह रोहिणी के सेक्टर 28 स्थित अपनी आवासीय सोसाइटी के गेट के बाहर से गायब हो गई।

परिवार वालों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। जांच शुरू कर दी गई है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि लड़की घर लौट रही थी। सोसाइटी के गेट के ठीक बाहर से वह अचानक लापता हो गई। पुलिस टीमें लड़की की तलाश में जुट गई हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

### आरएसएस में 100 साल बाद बड़ा संगठनात्मक धमाका

# प्रांत प्रचारक का पद खत्म, बदल जाएगा पूरा ढांचा, 2027 यूपी चुनाव होगा पहला इम्तिहान

पानीपत, 12 मार्च (एजेंसियां)। देश की नैतिकता और तटस्थ राजनीति में एक बड़ा बदलाव पेश किया गया है। दुनिया का पानीपत हरियाणा के पानीपत जिले सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने संगठनात्मक ढांचे में व्यापक फेरबदल की तैयारी कर रहा है। करीब 40 लाख स्वयंसेवकों और 83 हजार से ज्यादा शाखाओं वाले इस विशाल संगठन में अब ऐसा स्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है, जो ऊपर से नीचे नहीं बल्कि नीचे से ऊपर तक संगठन की ताकत को मजबूत करेगा।

इस अहम बदलाव का प्रस्ताव हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा में 13, 14 और 15 मार्च को होने वाली उच्चस्तरीय बैठक में पेश किया जाएगा। संघ के अंदरूनी हलकों में इसे संगठनात्मक कायाकल्प बताया जा रहा है। मकसद साफ है संघ को पहले से ज्यादा टारगेट-ओरिएंटेड, जवाबदेह और रिजल्ट-केंद्रित बनाना। अब तक संघ के ढांचे में "राज्य" कोई अलग प्रशासनिक इकाई नहीं थी। बड़े राज्यों

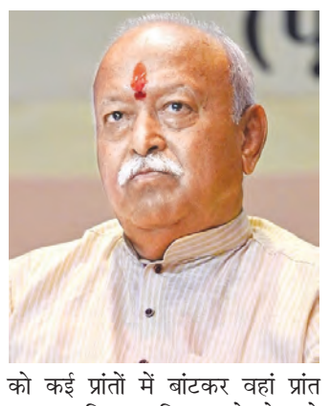

को कई प्रांतों में बांटकर वहां प्रांत प्रचारक नियुक्त किए जाते थे, जो जमीनी स्वयंसेवकों और शीर्ष नेतृत्व के बीच कड़ी का काम करते थे। वर्तमान में देशभर में लगभग 45 प्रांत प्रचारक सक्रिय हैं। लेकिन अब प्रस्तावित व्यवस्था के तहत प्रांत प्रचारकों की जगह राज्य प्रचारक नियुक्त किए जाएंगे। यानी जहां पहले एक राज्य में कई प्रांत प्रचारक होते थे, वहां अब एक ही राज्य प्रचारक पूरे राज्य की जिम्मेदारी संभालेगा। इसके ऊपर क्षेत्र प्रचारक की व्यवस्था बनी रहेगी, मगर उनकी संख्या भी सीमित करने की योजना है। फिलहाल संघ का संगठनात्मक ढांचा 11 क्षेत्रों में बंटा हुआ है। नए प्रस्ताव में इसे घटाकर 9 क्षेत्र करने की तैयारी है। इसका मतलब यह है कि ऊपरी स्तर के पदाधिकारी कम होंगे, लेकिन संभाग या डिवीजन स्तर पर नए पद सृजित किए जाएंगे। नई व्यवस्था में किसी राज्य के दो प्रशासनिक मंडलों या कमिश्नरियों को मिलाकर एक संभाग बनाया जाएगा और वहां संभाग प्रचारक तैनात होंगे। इससे संगठन का फोकस सीधे जमीनी स्तर पर बढ़ेगा।

संघ के प्रस्तावित ढांचे के तहत अलग-अलग राज्यों में नई जिम्मेदारियों का बंटवारा होगा। उदाहरण के तौर पर बिहार में 9 प्रशासनिक मंडल हैं, इसलिए यहां 4 से 5 संभाग प्रचारक बनाए जा सकते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के 18 सरदार मंडलों में 9 सरदारों का प्रस्ताव है, जहां 9 सरदार मंडल होंगे। वहीं मध्य प्रदेश में 10 मंडलों के आधार पर करीब 5 मंडलों और राजस्थान में 7 मंडलों के हिसाब से 3 से 4 संभाग प्रचारक नियुक्त किए जा सकते हैं।

### महिला आईएएस फार्म हाउस जुआकांड में नपे टीआई सहित तीन अफसर

इंदौर, 12 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के समीप महू में महिला आईएएस के फार्म हाउस पर चल रहे जुआकांड में थाना प्रभारी सहित तीन पुलिस अफसर निलंबित हो गए हैं। सूचना के बाद भी संबंधित थाने के अफसर देरी से पहुंचे थे। फार्म हाउस से मुख्य आरोपी सहित पांच लोग तब तक फरार हो चुके थे। पुलिस ने फार्म हाउस से 18 जुआरियों को पकड़ा है, जिनमें ज्यादातर संभ्रांत परिवारों के हैं। यह फार्म महिला आईएएस वंदना वैद्य का है। उन्होंने जो चौकीदार रखा था, उसने मुख्य आरोपी जगदीश राठौर को एक दिन के किराए पर जुआ खेलने के लिए दिया था। पुलिस ने चौकीदार को भी आरोपी बनाया है। महू के समीप अलवीपुरा में आईएएस वंदना वैद्य के फार्म हाउस पर पुलिस ने छापा मारकर 18 जुआरियों को जुआ खेलते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था, जबकि पांच आरोपी मौके से भाग गए। इनमें जुआ खिलवाने वाला मुख्य आरोपी जगदीश राठौर उर्फ कूबड़ा है। वह जगह बदल-बदल कर लोगों को जुआ खिलवाता है। पकड़े गए आरोपियों को पुलिस ने एसडीएम कोर्ट में पेश किया। मानपुर क्षेत्र में फार्म हाउस पर चल रहे जुए की खबर अफसरों को पहले से थी, फिर भी समय रहते एक्शन नहीं लिया गया। इस मामले में मानपुर थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह हिरवे, एसआई मिथुन ओसारी और एएसआई रेशम गिरवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

### बंगाल विधानसभा चुनाव: दो चरणों में हो सकता है मतदान, चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी ने दिए संकेत

कोलकाता, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को इस बात के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव की तारीखों और चरणों पर अंतिम मुहर नई दिल्ली में होने वाली अगली बैठक के बाद लगेगी। राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया अगले महीने से शुरू होने की उम्मीद है। कोलकाता में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ हुई बैठक में राज्य के ज्यादातर राजनीतिक दलों ने अपनी राय रखी थी। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर लगभग सभी पार्टियों ने चुनाव एक या दो चरणों में ही कराने की अपील की थी। सुरक्षा एजेंसियों और अन्य अधिकारियों ने भी इसी तरह के सुझाव दिए हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि दो चरणों में मतदान कराने से चुनावी हिंसा पर लगाम लगाने में बड़ी मदद मिलेगी। इससे गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों को एक इलाके से दूसरे इलाके में जाने का मौका नहीं मिलेगा। जब अधिकारी से पूछा गया कि क्या चुनाव एक ही चरण में हो सकते हैं, तो उन्होंने महाराष्ट्र का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि 2024 में महाराष्ट्र की 288 सीटों पर एक ही दिन में वोट डाले गए थे। बंगाल में भी एक चरण में चुनाव कराना असंभव नहीं है, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसकी संभावना बहुत कम है।

# बिहार को बाय बोलकर दिल्ली चले नीतीश कुमार, आ गई इस्तीफे की तारीख

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा में नामांकन करने के बाद हर तरफ यही सवाल था कि वो इस्तीफा कब देंगे। अब सूत्रों ने बताया कि है कि नीतीश 8 या 9 अप्रैल को अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके बाद वो राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेंगे। नीतीश के पुत्र निशांत को राज्य का डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि 16 मार्च को सीएम नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए औपचारिक रूप से चुने जाएंगे।

इसके बाद राज्य में नए मुख्यमंत्री का चयन होगा। सूत्रों ने बताया कि निशांत

कुमार डिप्टी सीएम बनेंगे। इसके अलावा जेडीयू कोटे से एक और डिप्टी सीएम होगा। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, गृह मंत्रालय बीजेपी के पास ही रहेगा। सूत्रों ने बताया कि नीतीश सीएम पद के साथ-साथ विधान परिषद की सदस्यता से भी इस्तीफा देंगे। गौरतलब है कि बीजेपी और नीतीश कुमार के बीच लंबी बातचीत के बाद ये तय हुआ था कि सीएम नीतीश कुमार संसद के ऊपरी सदन जाएंगे। गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी चीफ नितिन नवीन की मौजूदगी ने नीतीश कुमार ने राज्यसभा का नामांकन भरा था।

इसके बाद नीतीश के पुत्र निशांत कुमार को औपचारिक तौर पर जेडीयू में शामिल किया गया था। निशांत इसके बाद लगातार नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। नीतीश कुमार ने सीमांचल में अपने भाषण में के दौरान लेसी सिंह और विजय कुमार चौधरी की तरफ इशारा करते हुए कहा था कि अब ये लोग ही बिहार चलाएंगे।

### सुखपाल खैरा पर हंगामा: विशेषाधिकार उल्लंघन के नियमों के तहत होगी कार्रवाई, बाजवा बोले-हमारे प्रस्ताव का क्या

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही शुरू हो गई है। गुरुवार को वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा के खिलाफ विशेषाधिकार उल्लंघन का प्रस्ताव पेश किया। चीमा ने कहा कि सोशल मीडिया पर महिलाओं के अपमान के बाद खैरा ने चुने हुए नुमाइंदों का भी अपमान किया है। विधानसभा में विधायक खैरा के खिलाफ विशेषाधिकार उल्लंघन के नियमों के तहत कार्रवाई चलाने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। समिति को यह मामला भेजा जाएगा। वहीं नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि आप अपना प्रस्ताव लेकर आ गए।

# कांग्रेस की महासचिव सुचित्रा देवी को पार्टी से निकाला, गांधी परिवार पर लगाया था आरोप

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव सुचित्रा देवी को प्रदेश अध्यक्ष पर्ल चौधरी ने पार्टी से निकाल दिया है। सुचित्रा देवी ने कांग्रेस हाईकमान व गांधी परिवार पर बावल विधानसभा क्षेत्र की टिकट के नाम पर 7 करोड़ रुपये ऐंठने का आरोप लगाया था। हरियाणा महिला कांग्रेस की महासचिव सुचित्रा देवी के पति गौरव कुमार ने आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी को विधानसभा चुनाव का टिकट दिलाने के नाम पर कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनसे पैसे लिए थे। गौरव कुमार का दावा था कि इस मामले से जुड़े चैट उनके पास मौजूद हैं। उनका कहना है कि उन चैट में संबंधित नेताओं ने खुद पैसे लेने की बात स्वीकार की है।

हालांकि कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। गौरव कुमार ने कहा कि वह राहुल गांधी को यह दिखाना चाहते हैं कि पार्टी के भीतर कुछ वरिष्ठ नेता क्या कर रहे हैं? या तो उनके साथ गलत हो रहा है या फिर यह सब शीर्ष नेतृत्व की जानकारी में हो रहा है। सुचित्रा देवी ने बताया कि उन्होंने करीब 12 दिन पहले ही पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया था लेकिन अभी तक उसे स्वीकार नहीं किया गया है।

वह दलित समुदाय से आती हैं और एक शहीद की बेटी हैं। उनके परिवार का कांग्रेस पार्टी से करीब 56 साल पुराना जुड़ाव रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके परिवार ने पार्टी के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए लेकिन बदले में केवल झूठे वादे ही मिले। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस मामले की कोई जानकारी नहीं है।

# ईरान में अभी सरकार नहीं गिरा पाएगा अमेरिका

## मौजूदा लीडरशिप का जनता पर पूरा कंट्रोल ट्रम्प जल्द ऑपरेशन खत्म कर सकते हैं

वॉशिंगटन, 12 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इजराइल लगातार दो हफ्ते से ईरान में एयरस्ट्राइक कर रहे हैं, इसके बावजूद ईरान की सत्ता अभी भी काफी मजबूत है और उसके जल्द गिरने का कोई खतरा नहीं है।

यह बात अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में सामने आई है। इस मामले से जुड़े तीन सूत्रों ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को इसकी जानकारी दी है।

एक सूत्र के मुताबिक कई खुफिया रिपोर्टों में एक जैसा आकलन किया गया है कि ईरान की सरकार गिरने की स्थिति में नहीं है और वह अभी भी देश की जनता पर कंट्रोल बनाए हुए है।

वहीं, तेल की कीमतों में इजाफे की वजह से राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया है कि अमेरिका जल्द जंग खत्म कर सकता है। हालांकि अगर ईरान के कट्टरपंथी नेता सत्ता में बने रहते हैं तो युद्ध खत्म करने का रास्ता निकालना आसान नहीं होगा।

खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमलों के पहले ही दिन ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद वहां की धार्मिक नेतृत्व वाली व्यवस्था अभी भी एकजुट बनी हुई है। इजराइल के एक सीनियर अधिकारी ने भी रॉयटर्स से कहा कि सीक्रेट मीटिंग्स में भी यही बात निकल कर सामने आई है कि फिलहाल ईरान की मौजूदा सरकार गिरने की कोई संभावना नहीं है।

सूत्रों ने यह भी कहा कि जमीन पर हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं और आने वाले समय में ईरान के अंदर की स्थिति अलग दिशा में जा सकती है।

अमेरिका और इजराइल ने युद्ध शुरू होने के बाद ईरान के कई ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, परमाणु ठिकाने और टॉप लीडरशिप से जुड़े लोग शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इस युद्ध के अलग-अलग कारण बताए हैं। युद्ध शुरू करते समय ट्रम्प ने ईरान की जनता से कहा था कि वे अपनी सरकार को खुद बदल दें। हालांकि बाद में उनके सीनियर अधिकारियों ने कहा कि ईरान की सरकार को हटाना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं है।

हमलों में खामेनेई के अलावा कई सीनियर अधिकारी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कई बड़े कमांडर भी मारे गए हैं। यह ईरान की एक शक्तिशाली पैरामिलिट्री फोर्स है, जो देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को कंट्रोल करती है।

इसके बावजूद अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक खामेनेई और आईआरजीसी के अफसरों की मौत के बाद बना 'इंटरनल लीडरशिप सिस्टम' अभी भी देश पर कंट्रोल बनाए हुए है। ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की एक्सपर्ट सुजैन मलोनी ने कहा कि ईरान के अंदर फिलहाल ऐसी कोई ताकत नहीं है जो सरकार के पास बची हुई शक्ति को चुनौती दे सके। उनके मुताबिक ईरान भले ही अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ पूरी ताकत इस्तेमाल न कर पाए, लेकिन देश के अंदर वह अभी भी पूरी तरह कंट्रोल बनाए रखने में सक्षम है।

इस हफ्ते ईरान के सीनियर शिया धर्मगुरुओं की संस्था 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया है। एक अन्य सूत्र के मुताबिक इजराइल का इरादा यह है कि मौजूदा ईरानी शासन का कोई हिस्सा भी सत्ता में न बचा रहे। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि अमेरिका और इजराइल का मौजूदा ऑपरेशन सरकार को कैसे गिरा पाएगा।

# होर्मुज स्ट्रेट में तेल टैंकरों को सुरक्षा नहीं देगा अमेरिका

## ऊर्जा मंत्री बोले– हमारी नौसेना तैयार नहीं फिलहाल ईरान को निशाना बनाने पर फोकस

तेल अवीव/तेहरान, 12 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका फिलहाल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल टैंकरों को सैन्य सुरक्षा नहीं देगा। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा है कि उनकी नौसेना अभी टैंकरों को एस्कॉर्ट करने के लिए तैयार नहीं है।

राइट ने कहा कि अमेरिका की सैन्य ताकत इस समय ईरान की आक्रामक क्षमताओं और उन्हें सपोर्ट करने वाले उद्योगों को निशाना बनाने पर केंद्रित है। इसी वजह से टैंकरों की सुरक्षा के लिए एस्कॉर्ट मिशन अभी शुरू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था जल्द लागू हो सकती है और अमेरिकी नौसेना महीने के अंत तक इस मिशन के लिए तैयार हो सकती है। इस मामले पर रक्षा अधिकारियों के साथ चर्चा जारी है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैय्यद मुजतबा खामेनेई थोड़ी देर में अपना पहला बयान जारी करेंगे। ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक उनका लिखित बयान जल्द जारी किया जाएगा।

सरकारी मीडिया का कहना है कि सुप्रीम लीडर चुने जाने के बाद से खामेनेई न तो सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए हैं और न ही उनका कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। बताया गया है कि पहले बयान में मुजतबा देश और मौजूदा हालात को लेकर बात कर सकते है।

लेबनान में इजराइली हमलों में 15 स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो गई है, जबकि 45 अन्य घायल हुए हैं। लेबनान के सूचना मंत्रालय के अनुसार मृतकों में एम्बुलेंस क्रू भी शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक हाल के दिनों में तेज हुए हमलों में कई मेडिकल स्टाफ और एम्बुलेंस कर्मचारी भी निशाने पर आए। लेबनान में 2 मार्च से जारी इजराइली हमलों में अब तक कम से कम 634 लोगों की मौत हो चुकी है।

होर्मुज स्ट्रेट में थाई जहाज पर हमले के बाद थाईलैंड ने ईरान से माफी मांगने की मांग की है। इस हमले में जहाज में आग लग गई थी और क्रू को जहाज छोड़ना पड़ा था। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने बताया कि घटना को लेकर स्पष्टीकरण मांगने के लिए ईरान के राजदूत को तलब किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे थाई जहाज पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई और जहाज को नुकसान पहुंचा।

बाद में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने पुष्टि की कि जहाज को निशाना बनाया गया था। ईरानी अधिकारियों ने हाल ही में कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को ईरान से अनुमति लेनी होगी।

### 1450 किलो मिलावटी पनीर जब्त

धनबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद में फूड सेफ्टी विभाग ने गुरुवार तड़के मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। विभाग ने पूजा टॉकीज इलाके में एक बस से भारी मात्रा में संदिग्ध पनीर और घी जब्त किया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। बिहार के बख्तियारपुर से आ रही बुंदेला एसी बस से धनबाद में मिलावटी पनीर लाए जाने की सूचना मिली थी।

# एलपीजी सिलेंडर की कमी के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

रायपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा के बजट सत्र में एलपीजी सिलेंडर की कमी का मुद्दा उठते ही सदन में जोरदार हंगामा हो गया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि प्रदेश में सिलेंडर नहीं मिलने से लोग और होटल संचालक परेशान हैं। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने इसे सदन के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया, जिस पर पक्ष-विपक्ष में तीखी नारेबाजी शुरू हो गई।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जनहित को देखते हुए स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कर इस मुद्दे पर चर्चा कराई जानी चाहिए, लेकिन सभापति ने यह कहते हुए स्थगन प्रस्ताव खारिज कर दिया कि यह विषय केंद्र सरकार से जुड़ा है। इसके बाद विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल तक पहुंच गए जिन्हें बाद में सस्पेंड कर दिया गया। वहीं कार्यक्रमों के भुगतान के मुद्दे पर भाजपा विधायक लता उसेंडी ने अपनी ही सरकार को घेरा और मौखिक-लिखित आदेशों पर हुए कार्यक्रमों का भुगतान न होने का सवाल उठाया। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दस्तावेज मिलने पर जांच कर भुगतान कराने की बात कही। इस पर कवासी लखमा ने तंज कसा, जब लता उसेंडी की ही सुनवाई नहीं हो रही, तो हमारी क्या होगी?

इससे पहले सदन में सड़क हादसों में हो रही मौतों का मुद्दा गूंजा। अकलतरा विधायक राघवेन्द्र सिंह ने पूछा कि 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी के क्या कारण हैं, लेकिन स्पष्ट जवाब नहीं मिला।उन्होंने बताया कि अकलतरा क्षेत्र में वर्ष 2024 में 76 लोगों की मौत हुई थी, जो 2025 में बढ़कर 86 हो गई। वहीं वर्ष 2026 में 1 जनवरी से 14 फरवरी तक ही 13 लोगों की जान जा चुकी है।

# ईरान के खिलाफ जंग में कूदेगा पाकिस्तान?

## प्रिंस सलमान के एक इशारे पर दौड़े-दौड़े सऊदी पहुंचे पीएम शहबाज

इस्लामाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब पर ईरानी हमले से पाकिस्तान परेशान है। पाकिस्तान की सऊदी अरब के साथ डिफेंस डील है, जिसके तहत एक देश पर हमला दूसरे पर हमला माना जाता है। वहीं, पाकिस्तान की ईरान से भी करीबी दोस्ती है। दोनों इस्लामी मुल्क हैं और पड़ोसी भी। ऐसे में पाकिस्तान को समझ नहीं आ रहा है कि वह किसके साथ खड़े हो। इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ गुरुवार को सऊदी अरब के दौरे पर गए हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान वे सऊदी अरब के प्रधानमंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात करेंगे। इससे पहले पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर सऊदी दौरे पर गए थे।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान जारी कर बताया है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बुलावे पर यह दौरा कर रहे हैं। इसमें आगे कहा गया है कि शहबाज शरीफ इस दौरान प्रिंस सलमान के साथ एक मीटिंग करेंगे, जिसमें वे इस इलाके में चल रहे तनाव, इलाके की सुरक्षा की स्थिति और दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों पर विचारों का लेन-देन करेंगे। पाकिस्तानी पीएमओ ने कहा, "यह दौरा डिप्लोमैटिक एरिया में पाकिस्तान के पॉजिटिव रोल को हाईलाइट कर रहा है और पाकिस्तान यह रोल निभाता रहेगा।"

एक दिन पहले ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के फॉरेन मीडिया स्पोक्सपर्सन मुशर्रफ जैदी ने कहा था कि पाकिस्तान सऊदी अरब के लिए जरूरत पड़ने से पहले मौजूद रहेगा। हालांकि, 28 फरवरी को ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हमले के बाद से ऐसा नजर नहीं आया है। पाकिस्तान, सऊदी अरब पर ईरानी हमलों को लेकर अभी तक बचता रहा है। वह नहीं चाहता है कि इन दो देशों की लड़ाई में वह पड़े। हालांकि, पाकिस्तान को सऊदी अरब का पैसा भी दिख रहा है, जो उसकी खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के लिए काफी जरूरी भी है।

7 मार्च को पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल असीम मुनीर सऊदी अरब के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान अल सऊद से मुलाकात की थी। पाकिस्तानी मीडिया के प्रोपेगैंडा विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने बताया था कि इस दौरान दोनों अधिकारियों ने "किंगडम पर ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों से पैदा हुई सिक्योरिटी सिचुएशन की गंभीरता पर चर्चा की।"

# धनबाद और लातेहार कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

धनबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद और लातेहार सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद गुरुवार को पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एहतियात के तौर पर सिविल कोर्ट परिसर में डॉग स्क्वॉड की टीम के साथ सघन जांच अभियान चलाया गया।

बताते चलें कि धनबाद कोर्ट को दूसरी बार यह धमकी मिली है। इस दौरान कोर्ट परिसर के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ वहां खड़ी गाड़ियों की भी बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी और पूरे परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया था।

मौके पर डीएसपी डी.एन. बंका और धनबाद थाना प्रभारी समेत कई पुलिस अधिकारी व जवान मौजूद रहे। डॉग स्क्वॉड की टीम ने कोर्ट परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के इलाकों की भी गहनता से जांच की। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही धनबाद सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया था और पूरे कोर्ट परिसर में सघन जांच अभियान चलाया गया था। उस समय सुरक्षा के मद्देनजर कुछ देर के लिए पूरे कोर्ट परिसर को खाली भी कराया गया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट परिसर की सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है और समय-समय पर जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। गुरुवार को की गई जांच के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस की सतर्कता जारी है।

# किम जोंग उन के हाथों में पिस्टल और बगल में बेटी

## उत्तर कोरिया तैयार कर रहा है अपनी अगली 'लेडी तानाशाह'?

प्योंगयांग, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की एक नई तस्वीर सामने आई है। इसमें वो अपनी बेटी के साथ पिस्टल चलाते दिख रहे हैं। उनके हाथ में पिस्तौल दिख रहा है। उत्तर कोरिया के आधिकारिक न्यूज एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा है कि उत्तर कोरिया के नेता ने हथियारों को 'बहुत बढ़िया' बताया है। हालांकि सरकारी मीडिया रिपोर्ट में किम जोंग उन की बेटी के उनके साथ फैक्ट्री जाने का जिक्र नहीं किया गया था लेकिन तस्वीरों में उन्हें उत्तर कोरिया के दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ पिस्टल चलाते हुए दिखाया गया था।

किम जोंग उन की बेटी का नाम किम जू ए है जो अभी सिर्फ 13 साल की हैं। लेकिन उन्हें अपने तानाशाह पिता के साथ अब ज्यादातर समारोह में देखा जाता है। माना जा रहा है कि किम जू ए ही अपने पिता की वारिस बनने वाली हैं। ये तस्वीरें एक हल्के हथियारों की फैक्ट्री की जांच के दौरान ली गई हैं। खबर है कि न्यूक्लियर हथियारों पर सालों तक फोकस करने के बाद किम जोंग उन अब पारंपरिक सेना को आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

किम जू ए पहली बार नवंबर 2022 में सार्वजनिक समारोह में देखी गई थीं। उसके बाद से वो अपने पिता के साथ फैक्ट्री ओपनिंग और मिलिट्री डिस्प्ले जैसे कई पब्लिक इवेंट्स में जाने लगी हैं। पिछले साल सितंबर में वह अपने पिता के साथ बीजिंग भी गई थीं जहां उत्तर कोरिया के लीडर की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ छह साल में पहली समिट हुई थी। खबर है कि पिस्टल फैक्ट्री के अपने दौरे के दौरान पिता-बेटी की जोड़ी ने एक टेस्ट लॉन्च देखा।

सरकारी मीडिया ने इसे 'नेवल डिस्ट्रॉयर से न्यूक्लियर-कैपेबल क्रूज मिसाइल' बताया है। पिछले महीने एक सरकारी मीडिया रिपोर्ट में उन्हें एक स्नाइपर राइफल की टेस्टिंग करते हुए दिखाया गया था। ऐसा तब हुआ था जब उनके पिता सीनियर अधिकारियों को हथियार दिखा रहे थे।

# ईरानी बारुदी सुरंगों के खौफ से डरी पाकिस्तानी नौसेना

## स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नहीं रखा कदम, खुद कबूला सच

इस्लामाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य के पास फंसे अपने मालवाहक जहाजों को एस्कॉर्ट करने से पीछे हट गई है। उसने खुद स्वीकार किया है कि वह इसके लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को न तो पार करेगी और ना ही फारस की खाड़ी में कोई अभियान चलाएगी। इसके इतर, पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज अरब सागर में ही रुके रहेंगे। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के बारूदी सुरंगों से डर गई है। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान ने इस इलाके को समुद्री बारूदी सुरंगों से पाट दिया है, जिससे न सिर्फ युद्धपोतों बल्कि मालवाहक जहाजों के लिए भी खतरा बढ़ गया है।

पाकिस्तानी मीडिया ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया है कि पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य पर नहीं, बल्कि अपने समुद्री मार्गों पर मर्चेंट शिप को एस्कॉर्ट कर रही हैं। इस ऑपरेशन की सीधी जानकारी रखने वाले एक सिक्योरिटी ऑफिसर ने बुधवार को कन्फर्म किया कि यह अहम रास्ता बंद होने से दुनिया भर में एनर्जी संकट के बीच हुआ है। उसने कहा कि यह ऑपरेशन मुहाफिज-उल-बहर सिर्फ पाकिस्तान की अपनी समुद्री कम्युनिकेशन लाइनों पर फोकस है, खासकर कराची को खाड़ी क्षेत्र और लाल सागर से जोड़ने वाले रूट पर। इन ऑपरेशन को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को एस्कॉर्ट करने के तौर पर गलत नहीं समझना चाहिए।

पाकिस्तानी मिलिट्री के मीडिया विंग ने सोमवार को अनाउंस किया कि नौसेना ने 'ऑपरेशन मुहाफिज-उल-बहर' शुरू किया है।

इसमें पाकिस्तानी नौसेना के जहाज मर्चेंट शिप को एस्कॉर्ट कर रहे हैं ताकि देश की एनर्जी सप्लाई बिना रुके चलती रहे और कम्युनिकेशन की समुद्री लाइनों की सिक्योरिटी बनी रहे।

आईएसपीआर ने सोमवार को घोषणा की थी कि नेवी पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कॉर्पोरेशन (पीएनएससी) के साथ मिलकर मर्चेंट जहाजों को एस्कॉर्ट करने के लिए ऑपरेशन कर रही है।

# ईरान युद्ध में उलझी दुनिया, यूएस से मुकाबले की तैयारी में चीन, पंचवर्षीय योजना को दी मंजूरी

बीजिंग, 12 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया का ध्यान इस समय पश्चिम एशिया में जारी जग पर है। लेकिन इसके बावजूद चीन अपनी योजनाओं और कामों को आगे बढ़ाता जा रहा है। इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिल सकता है। बीजिंग को युद्ध और उससे ऊर्जा की आपूर्ति व दुनिया की राजनीति पर पड़ने वाले असर की चिंता है। लेकिन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कारण चीन का असली मुकाबला अमेरिका से है। यह मुकाबला नई और आधुनिक तकनीकों के विकास को लेकर है, जो 21वीं सदी को तय करेंगी। यह बात उस पांच साल की योजना में भी दिखाई दी, जिसे गुरुवार को चीन की संसद नेशनल पीपल्स कांग्रेस (एनपीसी ने मंजूरी दी। यह चीन का साल का सबसे बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम होता है। इस योजना से स्पष्ट है कि चीन अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने और तकनीक के क्षेत्र में आगे रहने के लिए और तेजी से काम करना चाहता है। सरकारी मीडिया ने कहा कि चीन का आर्थिक विकास पर टिके रहना अनिश्चित दुनिया में स्थिरता लाने वाली ताकत है।

सरकारी अखबार पीपुल्स डेली ने बुधवार को पहले पन्ने पर लिखे लेख में कहा कि एक स्थिर और विकासशील चीन बदलाव और उथल-पुथल से भरी दुनिया में अधिक स्थिरता और भरोसा पैदा करता है।

दूसरे सरकारी मीडिया ने भी इसी तरह की बात कही। इन लेखों और सरकारी बयानों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम का जिक्र नहीं किया गया है। हालांकि, इनमें कहा गया है कि टैरिफ और वेनेजुएला से लेकर ईरान तक सैन्य ताकत के इस्तेमाल ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संचालित करने वाली वैश्विक व्यवस्था को हिला दिया है।

# इथियोपिया में भूस्खलन से मची तबाही

## 50 लोगों की मौत, 125 लापता

अदीस अबाबा, 12 मार्च (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश इथोपिया के दक्षिणी हिस्सों में लगातार एक हफ्ते तक हुई भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई, जबकि 125 अन्य लोग लापता बताए जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि भूस्खलन गामो जोन के तीन जिलों गाचो बाबा, कम्बा और बॉकें में हुआ।

गामो जोन के आपदा प्रतिक्रिया निदेशक मेसफिन मनुका ने बताया कि भारी बारिश के कारण कई इलाकों में अचानक भूस्खलन हुआ, जिससे बड़ी संख्या में लोग मलबे में दब गए। राहत और बचाव अभियान जारी है और अब तक एक व्यक्ति को कीचड़ से जीवित बाहर निकाला गया है।

गाचो बाबा जिले के संचार प्रमुख अबेबे अगेना ने कहा कि मृतकों में से अधिकतर के शव मिट्टी और मलबे में दबे हुए मिले हैं।

हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस आपदा से कितने घर और परिवार प्रभावित हुए हैं। स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश में लगातार राहत कार्य चला रहे हैं। अधिकारियों को आशंका है कि लापता लोगों की संख्या और बढ़ सकती है।

# पुल की रेलिंग तोड़ मछली लदा ट्रक गिरा डैम में

हजारीबाग, 12 मार्च (एजेंसियां)। हजारीबाग में बुधवार की देर रात मछली लदा ट्रक अनियंत्रित होकर तिलैया डैम में जा गिरा। इस दुर्घटना में ट्रक समेत चालक लापता है। जबकि उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बरही थाना क्षेत्र में जवाहर घाटी स्थित तिलैया डैम पुल पर हुई।

आशंका जाहिर की जा रही है ड्राइवर की पानी में डूबने से मौत हो गई है। हालांकि पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मछली से लदा यह ट्रक बरही से कोडरमा की दिशा में जा रहा था।

जवाहर घाटी के पास पहुंचते ही ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। ट्रक पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए सीधे तिलैया डैम के गहरे पानी में समा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक में लदी मछलियां सड़क पर बिखर गईं।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक पूरी तरह से डैम के गहरे पानी में डूब गया है।

चालक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और आशंका है कि उसका शव अभी भी ट्रक के अंदर फंसा हुआ है। गंभीर रूप से घायल उपचालक को तुरंत बरही अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, चालक की पहचान सुनिश्चित करने और उसके शव को डैम से निकालने के प्रयास जारी हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर गोताखोरों की मदद भी ली जा सकती है।

वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि जवाहर घाटी में पहले भी इस तरह की कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। घाटी क्षेत्र में तीखे मोड़ और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण हादसों का खतरा बना रहता है।

# 14 और 15 मार्च दोनों दिन रहेगी एकादशी तिथि

होली के बाद आने वाली एकादशी को पापमोचिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह संवत साल की आखिरी एकादशी होती है जो चैत्र नवरात्रि से पहले पड़ती है। मान्यताओं अनुसार इस एकादशी का व्रत रखने से मनुष्य को उसके समस्त पापों से मुक्ति मिल जाती है। पंचांग अनुसार पापमोचिनी एकादशी तिथि की शुरुआत 14 मार्च 2026 की सुबह 8 बजकर 10 मिनट से होगी और इसका समापन 15 मार्च 2026 की सुबह 9 बजकर 16 मिनट पर होगा। ऐसे में जानिए इस एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा।

**एकादशी कब है 2026**

पापमोचिनी एकादशी का व्रत 15 मार्च 2026 को रखा जाएगा। दरअसल हिंदू धर्म में उदया तिथि को ज्यादा महत्व दिया जाता है। चूंकि 15 तारीख को एकादशी तिथि सूर्योदय के समय मौजूद रहेगी इसलिए इसी दिन एकादशी व्रत रखना ज्यादा उत्तम रहेगा।

पापमोचिनी एकादशी पारण समय 2026

पापमोचिनी एकादशी व्रत का पारण 16 मार्च 2026 की सुबह 06:30 से 08:54 के बीच किया जाएगा।

**पापमोचनी एकादशी व्रत पूजा विधि**

एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद सूर्य देव को जल चढ़ाएं। फिर व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद शुभ मुहूर्त में भगवान विष्णु की षोडशोपचार विधि से पूजा करें और धूप, दीप, चंदन और फल आदि चीजें भगवान को अर्पित करें।

संभव हो तो इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ जरूर करें। इससे भगवान शीघ्र ही प्रसन्न हो जाते हैं।

पूजा के समय पापमोचिनी एकादशी की कथा जरूर सुनें और अंत में भगवान विष्णु की आरती करके पूजा संपन्न करें।

इसके अलावा इस दिन जरुरतमंद व्यक्ति और ब्राह्मणों को दान अवश्य दें।

पूरे दिन निराहार व्रत रहें और रात्रि में जागरण करें।

इसके बाद अगले दिन शुभ मुहूर्त में पारण कर लें।

# घर को लकी बनाने के लिए एक्वेरियम में रखें 5 तरह की मछलियां

**1. गोल्डफिश**

एक्वेरियम की बात हो और गोल्डफिश का ज़िक्र न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता. फेंगशुई के अनुसार, गोल्डफिश अच्छी किस्मत और धन का प्रतीक है. ये मछलियां घर में पॉजिटिव एनर्जी लाती हैं. वास्तु के अनुसार, एक्वेरियम में आठ गोल्डफिश और एक काली मछली रखना सबसे शुभ माना जाता है।

**2. एरोवाना**

एरोवना को "ड्रैगन फिश" भी कहा जाता है। इसका रूप शानदार और शाही होता है. इस मछली को धन, खुशी और बिजनेस में तरक्की का प्रतीक माना जाता है. इसे घर में रखने से बुरी नजर और नेगेटिव एनर्जी दूर रहती है. हालांकि, यह थोड़ी महंगी और बड़ी होती है, इसलिए इसके लिए एक बड़े एक्वेरियम की ज़रूरत होती है।

**3. फ्लावरहॉर्न**

फ्लावरहॉर्न मछली के सिर पर एक कूबड़ होता है, जिसे खुशी और खुशहाली का संकेत माना जाता है. यह मछली अपने मालिक के साथ गहरा जुड़ाव महसूस करती है. इसे रखने से घर में प्यार बढ़ता है और परिवार के सदस्यों की सेहत बेहतर होती है।

**4. एंजल फिश**

इसे इसके सुंदर दिखने और शांत स्वभाव की वजह से 'एंजल' कहा जाता है। अगर घर में अक्सर झगड़ा या तनाव रहता है, तो एक्वेरियम में एंजल फिश रखें। यह मानसिक शांति देती है और माहौल को शुद्ध करती है.

**5. ब्लैक मूर**

यह गहरे काले रंग की गोल्डफिश की एक प्रजाति है. वास्तु शास्त्र में काली मछली को बहुत महत्व दिया जाता है. माना जाता है कि यह घर में आने वाली किसी भी परेशानी या मुश्किल को सोख लेती है और उसे सुरक्षित रखती है।

# चैत्र नवरात्रि से पहले 16 मार्च से शुरू हो रहा पंचक

**पंचक कब से हो रहे हैं शुरू?**

पंचांग के अनुसार 16 मार्च को शाम 06 बजकर 14 मिनट पर पंचक की शुरुआत होने वाली है. इस दिन सोमवार है. वहीं, इसका समापन 20 मार्च को देर रात 02 बजकर 28 मिनट पर होगा. यह पंचक सोमवार को लग रहा है, इसलिए यह राज पंचक कहलाएगा. शास्त्रों में राज पंचक को शुभ माना गया है, लेकिन इस दौरान भी मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं।

**पंचक के दौरान कौन से काम नहीं हैं शुभ**

**निर्माण कार्य:** पंचक के दौरान नया निर्माण कार्य शुरू करना या घर की छत ढलवाना शुभ नहीं होता है।

**दक्षिण दिशा की यात्रा:** इस समय दक्षिण दिशा की यात्रा न करने की सलाह पंडित और ज्योतिषविद देते हैं. क्योंकि दक्षिण मृत्यु के देवता यमराज की दिशा है।

**लकड़ी जमा करना:** पंचक के दिनों में लकड़ी जमा करने यानी लकड़ी का संचय करने और घास, फूस या सूखी सामग्री एकत्र करने से बचने के लिए कहा जाता है।

नई चारपाई, पलंग या बेड बनवाना: इस दौरान नई चारपाई, पलंग या बेड बनवाना अशुभ माना जाता है।

**शुभ और कीमती वस्तुओं खरीदारी:** पंचक काल में शुभ और कीमती वस्तुओं खरीदारी से बचने के लिए कहा जाता है. शादी, सगाई: गृह प्रवेश, शादी, सगाई, मुंडन, नामकरण आदि भी पंचक में नहीं किए जाते हैं।

# बाराबंकी का सोमेश्वर मंदिर जहां आधी रात को होती है शिवलिंग की अदृश्य पूजा!

महाभारत काल से जुड़ी मान्यता ग्रामीणों और बुजुर्गों के अनुसार, शिवनाम गांव स्थित जोगनी धाम का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है. माना जाता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान इस क्षेत्र में कुछ समय बिताया था. इसी दौरान आसपास के कई शिव मंदिरों की स्थापना की गई, जिनमें सोमेश्वर महादेव मंदिर भी शामिल माना जाता है.

इस क्षेत्र में योगिनियों यानी जोगनियों के वास की कथा भी प्रचलित है, जिसके कारण इस मंदिर को जोगनी धाम कहा जाता है।




**आधी रात की अदृश्य पूजा का रहस्य**

मंदिर से जुड़ी सबसे रहस्यमयी मान्यता यह है कि रात में जब मंदिर के कपाट बंद हो जाते हैं, तब यहां शिवलिंग के पास दिव्य अनुभूति होती है. स्थानीय लोगों का दावा है कि आधी रात के समय कोई अदृश्य शक्ति शिवलिंग की पूजा करती है। सुबह जब पुजारी मंदिर के कपाट खोलते हैं, तो शिवलिंग पर ताजे बेलपत्र, जल और अक्षत (चावल) चढ़े हुए मिलते हैं. इस रहस्य को समझने के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन अब तक यह पता नहीं चल पाया कि बंद दरवाजों के पीछे पूजा कौन करता है।

**आसपास के मंदिरों से भी जुड़ी समान मान्यताएं**

बाराबंकी जिले के किंतूर गांव में स्थित कुंतेश्वर महादेव मंदिर से भी ऐसी ही मान्यताएं जुड़ी हुई हैं. कहा जाता है कि वहां भी रात के समय सबसे पहले कोई अदृश्य शक्ति शिवलिंग का पूजन करती है।

इसी तरह क्षेत्र के प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव मंदिर को भी पांडव कालीन माना जाता है. इन सभी मान्यताओं के कारण बाराबंकी का यह क्षेत्र धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है.

भक्तों की आस्था का केंद्र सोमेश्वर महादेव मंदिर की महिमा इतनी है कि यहां केवल बाराबंकी ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. भक्तों का विश्वास है कि यहां दर्शन करने मात्र से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

विज्ञान भले ही इन घटनाओं को स्वीकार न करे, लेकिन स्थानीय लोगों के लिए यह चमत्कार उनकी गहरी आस्था का प्रतीक है।

**ग्रामीणों की जुड़ी यादें**

गांव के रामकैलाश, मनोज पांडेय, रामनरेश और इंद्रपाल बताते हैं कि यह मंदिर उनके पूर्वजों के समय से ही मौजूद है. हालांकि इसके निर्माण का सटीक इतिहास किसी को नहीं पता, लेकिन सभी का मानना है कि यह मंदिर बहुत प्राचीन है और सदियों से यहां पूजा-अर्चना होती आ रही है. मंदिर की शांति, आस्था और आधी रात को होने वाली "अदृश्य पूजा" की मान्यता इस स्थान को बाराबंकी के सबसे रहस्यमयी और जागृत शिव मंदिरों में से एक बनाती है।

# किस उम्र में होगी आपकी शादी और कैसा होगा पार्टनर?

आपकी शादी किस उम्र में होने वाली है, क्या पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा या फिर आपस में झगड़े होते रहेंगे? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कई लोग ज्योतिषियों से राय लेते रहते हैं और कभी-कभी इंटरनेट पर छानबीन कर परेशान रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी हथेली आपको बता सकती है कि आपका जीवनसाथी कैसा रहने वाला है और कब शादी होगी? समुद्र विज्ञान के अनुसार, हमारी हथेली की छोटी उंगली के ठीक नीचे एक 'विवाह रेखा' होती है. हालांकि, आम लोगों के मन में इस रेखा को लेकर कई गलत धारणाएं हैं. बहुत से लोग मानते हैं कि हथेली पर तीन रेखाएं होने का मतलब है कि आपकी तीन बार शादी होगी।

छोटी उंगली के मूल और हृदय रेखा के बीच क्षैतिज रूप से दिखाई देने वाली पतली रेखा को ज्योतिष में विवाह रेखा कहा जाता है. समुद्र विज्ञान के अनुसार, यदि यह रेखा गहरी, स्पष्ट और लाल रंग की हो, तो व्यक्ति का वैवाहिक जीवन बहुत सुखमय होगा, लेकिन यदि यह रेखा अस्पष्ट या जंजीर की तरह उलझी हुई हो, तो यह समझना चाहिए कि रिश्ते में जटिलताओं की प्रबल संभावना है।

**क्या ज्यादा रेखाओं का मतलब अधिक विवाह का योग?**




समुद्र विज्ञान के अनुसार, कई लोगों के हाथों में दो या तीन रेखाएं होती हैं. शास्त्रीय शोध के अनुसार, इसका यह मतलब नहीं है कि आपकी बार-बार शादी होगी. वास्तव में, बुध क्षेत्र में ये छोटी रेखाएं आपके जीवन में गहरे प्रेम संबंध या भावनात्मक लगाव का संकेत देती हैं. हालांकि, यदि दोनों रेखाएं समान रूप से गहरी, चौड़ी और समानांतर हों, तो हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, एक से अधिक विवाह होने की संभावना होती है. अन्यथा, हल्की रेखाएं केवल क्षणिक संबंधों का संकेत देती हैं।

क्या आपकी शादी जल्दी होगी या देर से? इसे समझने का एक सरल सूत्र है. हृदय रेखा से कनिष्ठा रेखा के मूल तक की दूरी 50 वर्ष मानी जाती है. यदि आपकी विवाह रेखा मध्य में है, तो माना जाता है कि आपकी शादी 25 से 27 वर्ष की आयु के बीच होगी. हृदय रेखा के जितनी करीब यह रेखा होगी, शादी उतनी ही जल्दी होने की संभावना है. यदि यह कनिष्ठा रेखा की ओर अधिक झुकी हुई है, तो इसका अर्थ है कि आपकी शादी अधिक उम्र में होगी. वहीं, ज्योतिषशास्त्र में कुछ विशेष संकेतों को चेतावनी के संकेत के रूप में देखा जाता है।

द्वीप: यदि रेखा के मध्य में एक गोलाकार द्वीप जैसा चिह्न है, तो इसका अर्थ है कि वैवाहिक जीवन में कोई बड़ी बाधा या अलगाव हो सकता है।

**नीचे की ओर ढलान वाली रेखा:** यदि विवाह रेखा अचानक नीचे गिरकर हृदय रेखा को छूती है, तो इससे जीवनसाथी को शारीरिक बीमारी या गहरा दुःख हो सकता है।

**क्रॉस:** यदि रेखा पर क्रॉस या तिल का निशान हो, तो यह वैवाहिक जीवन में अचानक झटका या परेशानी का संकेत देता है।

हाथ की रेखाएं सिर्फ एक मार्गदर्शक होती हैं. हालांकि, व्यक्ति के कर्म और सोच ही उसके भाग्य को बदलते हैं इसलिए सावधान रहना और हाथ की रेखाओं से निराश न होना ही बुद्धिमानी है।

# इस बार खरमास में पड़ रही है चैत्र नवरात्रि, क्या पूजा-पाठ पर पड़ेगा असर




हिंदू कैलेंडर के अनुसार, साल 2026 में चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 19 मार्च (गुरुवार) से शुरू होकर 27 मार्च (शुक्रवार) तक चलेगा. इस बार नवरात्रि के दौरान खरमास भी लगा रहेगा. ज्योतिष शास्त्र में खरमास को शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है, ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या इसका नवरात्रि की पूजा पर कोई असर पड़ेगा? आइए जानते हैं कि खरमास में नवरात्रि की पूजा कैसे करें और इस दौरान क्या सावधानियां बरतनी चाहिए.

कब से कब तक रहेगा खरमास?

पंचांग के अनुसार जब सूर्य मीन राशि में प्रवेश करते हैं तो खरमास की शुरुआत होती है. इस दौरान कुछ मांगलिक कार्यों को करने से बचने की सलाह दी जाती है।

***शुरुआत: 15 मार्च 2026, रविवार***

***समापन: 14 अप्रैल 2026, मंगलवार***

इस तरह इस साल चैत्र नवरात्रि पूरी तरह खरमास के बीच ही मनाई जाएगी।

**क्या खरमास में नवरात्रि की पूजा करना सही है?**

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, खरमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते. लेकिन देवी-देवताओं की पूजा, व्रत, जप, तप और धार्मिक अनुष्ठान करने पर कोई रोक नहीं होती. इसी वजह से नवरात्रि की पूजा, कलश स्थापना, दुर्गा सप्तशती पाठ और व्रत रखना पूरी तरह शुभ माना जाता है. खरमास का असर इन धार्मिक कार्यों पर नहीं पड़ता है. इसलिए आप आराम से नवरात्रि के पूजा- पाठ ही नहीं किसी और प्रकार के हवन-पूजा भी इस दौरान कर सकते हैं।

**नवरात्रि में क्या-क्या कर सकते हैं?**

खरमास के दौरान भी भक्त पूरे विधि-विधान से नवरात्रि मना सकते हैं. इस दौरान घर में घटस्थापना (कलश स्थापना) की जा सकती है।

**मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है।**

दुर्गा सप्तशती या देवी मंत्रों का पाठ किया जाता है।

व्रत रखकर सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है।

इन सभी धार्मिक कार्यों को करना शुभ माना जाता है.

किन बातों का रखना चाहिए ध्यान?

हालांकि नवरात्रि में पूजा-पाठ करने में कोई बाधा नहीं है, लेकिन खरमास के कारण कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।

इस दौरान विवाह, सगाई या नए मांगलिक कार्य शुरू न करें।

नए घर का गृह प्रवेश करने से बचें।

बड़े निवेश या नए काम की शुरुआत टालना बेहतर माना जाता है।

पूजा-पाठ के समय सात्विकता और नियमों का पालन करें।

आध्यात्मिक दृष्टि से खास होता है यह समय?

धार्मिक मान्यता है कि खरमास का समय भक्ति और साधना के लिए बहुत शुभ होता है. इसलिए नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की आराधना करने से विशेष फल मिलने की मान्यता है. भक्त इस समय जप, तप, दान और पूजा के जरिए आध्यात्मिक उन्नति की कामना करते हैं।

**जब हम दूसरों की प्रशंसा करते हैं, तो वे और अच्छा काम करने के लिए प्रेरित होते हैं**

आदर एक ऐसा बीज है, जिससे हमें भी सम्मान मिलता है। हमें अपने आसपास आदर का बीज बोना चाहिए। जब हम दूसरों का सम्मान करते हैं, उनकी सेवा करते हैं और उनका सत्कार करते हैं, तो समाज से हमें भी प्रेम और खुशी मिलती है। सहयोग और मदद करने से लोगों के बीच विश्वास पैदा होता है। जब हम दूसरों के अच्छे कामों की प्रशंसा करते हैं और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हैं, तो वे और अच्छा काम करने के लिए प्रेरित होते हैं। इसलिए हमें हमेशा आदर, सेवा और अच्छे व्यवहार के बीज बोने चाहिए, ताकि समाज सुंदर और सुखी बन सके।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 13 मार्च - 2026

## अविश्वास प्रस्ताव की पराजय

जैसा कि पहले से ही तय था कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव अंततः खारिज हो गया। विपक्ष भी इसे भली-भांति समझता था। यही कारण रहा कि प्रस्ताव के ध्वनिमत से खारिज होने के बाद विपक्ष ने मतदान की मांग भी नहीं की। साफ है कि विपक्ष का यह कदम राजनीतिक संदेश देने के लिए था, न कि किसी वास्तविक संसदीय जीत की उम्मीद में। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, सवाल उठा कर सत्ता को जवाबदेह बनाता है। लेकिन जब यह भूमिका गंभीरता और तथ्यात्मकता की बजाय राजनीतिक नाटकीयता में बदलने लगे, तो संसद की गरिमा प्रभावित होती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अपने आप में एक गंभीर कदम है, इसलिए इसके पीछे ठोस तर्क और व्यापक समर्थन होना चाहिए। विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस ने यह संदेश देने की कोशिश की कि वह इस मुद्दे को लेकर बहुत गंभीर है। लेकिन जब बहस का समय आया तो ध्यान पश्चिम एशिया के संकट जैसे अन्य मुद्दों की ओर मोड़ दिया गया। इससे सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर था। सरकार ने इस मुद्दे पर चर्चा से इनकार नहीं किया था, फिर भी विपक्ष का रुख असंगत दिखाई दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद के भीतर और बाहर यह आरोप लगाया कि भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते में प्रधानमंत्री ने अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने समर्पण कर दिया है। लेकिन यह समझौता अभी हुआ ही नहीं है। इसी तरह उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाए कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया सरकार के इशारे पर की जा रही है ताकि भाजपा को फायदा मिले। राजनीति में आरोप लगाना नया नहीं है, लेकिन जब आरोप तथ्यों से परे जाकर महज राजनीतिक शोर बन जाए, तो उनकी विश्वसनीयता कमजोर हो जाती है। यही कारण है कि कई बार विपक्ष की बातों को गंभीरता से लेने के बजाय उन्हें सनसनीखेज बयानबाजी के रूप में देखा जाने लगता है। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में इस मुद्दे पर राहुल गांधी की संसदीय भागीदारी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं को सदन में बोलने का अवसर न मिलने की शिकायत रहती है, वे कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के दौरान स्वयं उपस्थित नहीं रहते। इस पूरे विवाद का एक दूसरा पहलू भी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन जब यह टकराव लगातार कटुता में बदल जाए तो संसद का माहौल प्रभावित होता है। संसदीय बहसों का उद्देश्य समाधान और नीति निर्माण होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक अंकगणित। आवश्यकता इस बात की है कि संसद में सभी मुद्दों पर गंभीर और तथ्यपूर्ण चर्चा हो। विपक्ष को अपनी भूमिका अधिक जिम्मेदारी और तैयारी के साथ निभानी होगी, ताकि उसकी आलोचना प्रभावी और विश्वसनीय बन सके।

वहीं सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष की बातों को पूरी तरह खारिज करने के बजाय लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत बनाए। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का खारिज होना केवल एक संसदीय प्रक्रिया का परिणाम नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत भी है कि विपक्ष को अपनी रणनीति और शैली पर पुनर्विचार करना होगा। लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष उतना ही जरूरी है जितनी मजबूत सरकार। यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा आरोपों और सनसनी के बजाय ठोस मुद्दों और तथ्यों पर केंद्रित करेगा, तो संसद की गरिमा भी मजबूत होगी और लोकतांत्रिक व्यवस्था भी।

# कई शहरों में हो रही दवाइयों में हेरा फेरी



अशोक भाटिया

देशभर में एक बार फिर से दवाओं में मिलावट और औषधि बनाने वाली फ़ार्मास्यूटिकल कम्पनियों की मुनाफ़ाखोरी की क़ीमत एक्सपायर डेट वाली दवाओं के उपयोग से मासूम ज़िन्दगियों द्वारा चुकायी गई है। हाल ही में मुंबई से सटे वसई – विरार में महानगर पालिका के पेटिट अस्पताल में एक्सपायर डेट वाली दवाओं का खजाना पकड़ा गया है । इस मामले को भाजपा के नव निर्वाचित नगरसेवक व गट नेता अशोक शेलके के नेतृत्व में भाजपा के नगर सेवकों ने किया है । महाराष्ट्र प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेन्द्र Fadnavis से इस कोभांड के जाँच के आदेश भी दे दिए है । मुंबई से सटे शहर में ऐसा हो सकता है तो दूसरे शहरों के बारे में क्या कहें ।

एक दूसरे घटनाक्रम में मध्य प्रदेश के परासिया में कोलड्रिफ नामक सिरप के सेवन से 20 बच्चों की मौत हो गयी, जबकि 10 से अधिक बच्चे गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं यह बात अभी तक लोग भूले नहीं है । यह सिरप श्रीसन फ़ार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित था। इसी प्रकार राजस्थान में कैसन्स फ़ार्मा द्वारा तैयार खाँसी के सिरप के सेवन से 12 बच्चों की जान चली गयी। मध्यप्रदेश के ही ग्वालियर ज़िले में दूषित खाँसी के सिरप से हुई बच्चों की मौतों के मामले के ठीक कुछ दिन बाद ही एक सरकारी अस्पताल में सरकार द्वारा आपूर्ति की गयी एज़िथ्रोमाइसिन सिरप की बोतल में कीड़े पाये जाने की घटना सामने आयी है। एक महिला ने शिकायत की कि जब उसने अपने बच्चे को देने के लिए सिरप की बोतल खोली, तो उसमें कीड़े दिखायी दिये। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने इस दवा के पूरे बैच (लगभग 306 बोतलों) को सील कर दिया और नमूने भोपाल व कोलकाता की प्रयोगशालाओं में परीक्षण हेतु भेजे गये। इन सभी हादसों ने एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये हैं। इसके साथ ही ये घटनाएँ इस बात का भी प्रमाण हैं कि दवा उद्योग में मुनाफ़ाख़ोरी और सरकार की मिलीभगत का ख़मियाज़ा किस प्रकार सीधे तौर पर आम जनता को अपनी ज़िन्दगी से भरना पड़ता है।

बात अगर ज़हरीली दवाओं की की जाये तो हमें यह समझना होगा कि एक सामान्य-सी दिखने वाली दवा कैसे इतनी घातक बन जाती है। दरअसल प्रत्येक दवा दो प्रकार की चीज़ों को मिलाकर बनती है – पहला उसके सक्रिय तत्व, जो बीमारी का उपचार करते हैं, और दूसरे उसके सहायक तत्व, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि दवा शरीर के उचित हिस्से तक पहुँचे। इसलिए किसी भी औषधि को सुरक्षित घोषित करने से पहले उस पर अनेक प्रकार के परीक्षण किये जाने आवश्यक होते हैं। सिरपों में प्रायः ग्लिसरीन और प्रोपिलीन ग्लाइकोल को सुरक्षित सहायक तत्व के रूप में उपयोग किया जाता है, लेकिन अक्सर पाया गया है कि लागत घटाने के उद्देश्य से कई कम्पनियाँ इनकी जगह सस्ते में उपलब्ध डाइएथिलीन ग्लाइकोल (DEG) का प्रयोग करती हैं जो कि एक विषैला औद्योगिक सॉल्वेंट है। DEG का सम्मिलन दवाओं को घातक बना देता है, क्योंकि यह एक ऐसा पदार्थ है जोकि लिवर, दिमाग़ और दिमाग़ की कोशिकाओं को गम्भीर रूप से नुकसान पहुँचा सकता है और इसलिए अन्त में जान बचाने वाली दवा ही मरीज़ की मृत्यु का कारण बन जाती है।

दुर्भाग्यवश, यह समस्या नयी नहीं है। भारत ही नहीं विश्व के कई देशों में डाइएथिलीन ग्लाइकोल के कारण सैकड़ों बच्चों की मौतें दर्ज की जा चुकी हैं। कई फ़ार्मा कम्पनियों के द्वारा लगातार की जा रही इस प्रकार की मिलावट की वजह से हाल के वर्षों में भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित और निर्यात किये गये सिरपों से अफ़्रीका के गाम्बिया में 70 और उज़्बेकिस्तान में 17 बच्चों की मृत्यु हुई थी जिसके चलते इन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन और (अमरीकी स्वास्थ्य संस्था) द्वारा बैन किया जा चुका है। वहीं भारत में ये दवाएँ ख़ुद सरकारी अस्पतालों में मुहैया की जा रही हैं! अक्सर ऐसा होता रहा है कि इस प्रकार के मामलों में जो भी जनहानि और मौतें होती हैं उनका और इस पूरी दुर्व्यवस्था का ठीकरा डॉक्टरों के सर फोड़ दिया जाता है, लेकिन सवाल यह है कि असल में इन मौतों के लिए ज़िम्मेदार कौन है?

दरअसल भारत में दवाओं की सुरक्षा और गुणवत्ता की निगरानी का दायित्व केन्द्रीय औषधि मानक नियन्त्रण संगठन पर होता है, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय के अधीन कार्य करता है। इसके प्रमुख, ड्रग्स कण्ट्रोलर जनरल ऑफ इण्डिया , नई दवाओं की स्वीकृति, नैदानिक परीक्षणों की अनुमति, और दवा सुरक्षा की निगरानी के लिए ज़िम्मेदार होते हैं। किसी भी दवा को बाज़ार में बेचने से पहले उसे तीन चरणों में नैदानिक परीक्षणों से गुज़रना पड़ता है, जिनका उद्देश्य उसकी सुरक्षा, प्रभावशीलता और ख़ुराक निर्धारित करना होता है। इन परीक्षणों की रिपोर्टों का मूल्यांकन विशेषज्ञ समितियों द्वारा किया जाता है, जिसके बाद ही DCGI उस दवा को भारत में विपणन की अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, राज्य औषधि नियन्त्रण विभाग अपने-अपने राज्यों में दवाओं के निर्माण, वितरण और बिक्री की निगरानी करते हैं। जिनके तहत दवा निर्माण के मानक, लेबलिंग, लाइसेंसिंग और परीक्षण की सभी प्रक्रियाएँ निर्धारित होती हैं। ऐसे नियामक ढाँचे के मौजूद होने के बावजूद, ऐसे 'हादसों' का होना बिना राजनीतिक हस्तक्षेप और सरकारी मिलीभगत के हो पाना नामुनकिन है। वास्तविकता तो यह है कि यह पूँजीवादी व्यवस्था दवा कम्पनियों के हितों और उनके मुनाफ़े को आम जानता के स्वास्थ्य के ऊपर रखती है जिसके कारण ऐसी असुरक्षित और घटिया दवाएँ आम जनता तक पहुँच पाती हैं।

मिलावटी और नकली दवाओं का निर्माण जनता के जीवन के साथ सीधा खिलवाड़ है। मिलावटी और नकली दवाओं का इतना विशाल नेटवर्क सरकारी संस्थानों की खुली या मौन सहमति के बिना सम्भव नहीं। परासिया की घटना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। मौतों के बाद, मध्य प्रदेश सरकार ने शुरू में कोलड्रिफ सिरप में किसी भी मिलावट के आरोपों को नकार दिया और निर्माता कम्पनी का बचाव किया। लेकिन तमिलनाडु की सरकारी प्रयोगशाला में परीक्षण के बाद जब मिलावट की पुष्टि हुई, तो सरकार को शर्मनाक यू-टर्न लेना पड़ा। इसके बावजूद, कम्पनी के शीर्ष प्रबन्धन पर कार्रवाई करने के बजाय सिरप लिखने वाले डॉक्टरों को दोषी ठहराया गया और उन्हें निलम्बित कर दिया गया!

राजस्थान में स्थिति और भी चिन्ताजनक रही। वहाँ सरकार ने एक माँ को गिरफ्तार कर लिया जिसने सिरप अपने बच्चे के लिए खरीदा था! दोषपूर्ण बैच की बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाने के अलावा कम्पनियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गयी। यह खाद्य सुरक्षा और औषधि नियन्त्रण विभाग की सीधी विफलता है, जिसकी ज़िम्मेदारी है कि वह नकली दवाएँ बनाने वाली कम्पनियों की पहचान करे और उन पर कठोर कार्रवाई करे। कई सूत्रों के अनुसार राजस्थान के उप औषधि संग्राहक राजाराम शर्मा ने "नकली दवाओं" की परिभाषा में ऐसा संशोधन किया जिससे लगभग 14–15 कम्पनियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की छूट मिल गयी। विभाग अब केवल शर्मा को दोषी ठहराने की कोशिश कर रहा है, जबकि सबूत यह दर्शाते हैं कि अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस गड़बड़ी में शामिल थे। लोकसभा में नकली दवाओं का मुद्दा उठने के बावजूद, विभाग के ख़िलाफ़ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस लापरवाही की क़ीमत निर्दोष बच्चों ने अपनी जान देकर चुकायी है।

यह स्थिति इस गम्भीर प्रश्न को जन्म देती है कि क्या ऐसी मौतों को हत्या या कम से कम ग़ैर-इरादतन हत्या नहीं माना जाना चाहिए? मूलतः दवाएँ मानव जीवन की रक्षा और उपचार के लिए बनायी जाती हैं, लेकिन आज की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था में उनका निर्माण मुनाफे के उद्देश्य से किया जा रहा है। यदि दवाओं की प्रभावशीलता और सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं की जायेगी, तो स्वयं दवाएँ ही मृत्यु या गम्भीर चिकित्सीय समस्याओं का कारण बन जायेंगी! दवा निर्माण को लोक स्वास्थ्य नीति से जोड़ना आवश्यक है, लेकिन भारत में यह प्रक्रिया लगभग पूरी तरह से निजी कम्पनियों के नियन्त्रण में है जो केवल अपने लाभ को प्राथमिकता देती हैं। आँकड़ों के अनुसार, भारतीय दवा उद्योग आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा निर्माता है, जिसकी वार्षिक घरेलू आय लगभग 20,000 करोड़ और निर्यात से होने वाला कारोबार करीब 10,000 करोड़ है। यानी ज्ञान को निजी सम्पत्ति घोषित करने वाले कानून और कम्पनियों के निजी स्वार्थों के चलते दवाएँ अनावश्यक रूप से महँगी हैं और उनका उत्पादन मुनाफे की भूख से प्रेरित है। कई जाँच- पड़तालों में पाया गया है कि भारत में बिकने वाली लगभग 20 प्रतिशत दवाएँ नकली या मिलावटी हैं और विश्वभर में पाये जाने वाले ऐसे उत्पादों में 75 प्रतिशत भारतीय दवाएँ हैं।

# भारत की कूटनीति रंग लाई



संजय सक्सेना

भारत के मुसलमान और अन्य कुछ राजनीतिक दल भले ही मोदी सरकार को ईरान का साथ न देने के लिए कोस रहे हो लेकिन ईरान में माहौल दूसरा है. जब दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर हर तरफ बेचैनी का माहौल है, तब भारत सरकार ने कूटनीतिक मोर्चे पर एक अहम कामयाबी हासिल की है। ईरान ने भारत के झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दे दी है। यह राहत ऐसे वक्त में मिली है जब पूरी दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन बेहद अहम समुद्री रास्ते पर टिकी हुई हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सक्रिय कूटनीति और ईरान के साथ सीधी बातचीत को इस सफलता की सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।जानकारों का कहना है कि जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हाल ही में हुई बातचीत के बाद ईरान ने यह फैसला लिया। भारत ने अपने तेल आयात को लेकर ईरान के सामने अपनी जरूरत साफ तौर पर रखी और यह समझाया कि भारतीय टैंकरों का इस रास्ते से गुजरना दोनों देशों के हित में है। ईरान ने भारत की इस बात को माना और होर्मुज से भारतीय जहाजों के गुजरने का रास्ता खोल दिया। यह भारत की उस परंपरागत विदेश नीति की जीत है जिसमें बातचीत और संवाद को हथियार की जगह प्राथमिकता दी जाती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक है। दुनिया भर में होने वाले कच्चे तेल के कुल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। फारस की खाड़ी के देशों से निकलने वाला तेल इसी संकरे समुद्री दरवाजे से होकर दुनिया के बाकी हिस्सों तक पहुंचता है। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है, इस रास्ते का बंद होना या खतरनाक हो जाना सीधे तौर पर तेल की उपलब्धता और कीमतों पर असर डालता है। ईरान की तरफ से राहत मिलने के बाद भारत के दो तेल टैंकर पुष्पक और परिमल सुरक्षित रूप से होर्मुज से गुजरे हैं। यह खबर उन लाखों लोगों के लिए राहत भरी है जो देश में तेल की कमी और कीमतों में उछाल को लेकर चिंतित थे। इससे पहले एक और टैंकर जिसका कप्तान भारतीय बताया जा रहा है, वह भी इस रास्ते से सफलतापूर्वक पार हो गया। यह जहाज युद्ध शुरू होने के बाद से इस मार्ग को पार कर भारत आने वाला पहला जहाज था। रिपोर्टों के मुताबिक सऊदी अरब का कच्चा तेल लेकर चल रहा यह लाइबेरिया के झंडे वाला जहाज दो दिन पहले होर्मुज से गुजरा और अभी मुंबई बंदरगाह पर रुका हुआ है।

भारत की ऊर्जा जरूरतें साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उद्योगों की मांग और आम जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति बेहद जरूरी है। भारत अपनी जरूरत का करीब पचासी फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल बाहर से मंगाता है और इसमें खाड़ी देशों की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। ऐसे में अगर होर्मुज जैसा अहम रास्ता लंबे समय तक बंद रहे तो इसका असर सिर्फ तेल कंपनियों पर नहीं, बल्कि हर उस भारतीय परिवार पर पड़ता है जो रोजाना किसी न किसी रूप में पेट्रोल, डीजल या गैस का इस्तेमाल करता है।जयशंकर की यह कामयाबी इसलिए भी खास है क्योंकि यह उस दौर में आई है जब दुनिया के कई बड़े देश खाड़ी क्षेत्र में तनाव के चलते अपने तेल आपूर्ति के रास्तों को लेकर परेशान हैं। कई देशों के जहाज होर्मुज से गुजरने में झिझक रहे थे और तेल बाजार में इसका सीधा असर कीमतों पर दिख रहा था। भारत ने इस मुश्किल घड़ी में चुप बैठने की बजाय सक्रिय कदम उठाया, ईरान से सीधे बातचीत की और नतीजा सबके सामने है।

भारत और ईरान के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से गहरे रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और कूटनीति के रिश्ते सदियों पुराने हैं। हालांकि बीते कुछ सालों में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से भारत और ईरान के बीच तेल व्यापार में कमी आई थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध हमेशा बने रहे। भारत की यह कोशिश रही है कि वह एक तरफ अमेरिका और पश्चिमी देशों से अच्छे संबंध बनाए रखे और दूसरी तरफ ईरान जैसे पड़ोसी मुल्कों से भी रिश्ते खराब न हो। इस संतुलन की कूटनीति का ही नतीजा है कि आज भारत ईरान से यह राहत हासिल करने में कामयाब रहा जो शायद किसी और देश के बस की बात नहीं थी।

इस पूरे घटनाक्रम से यह भी साफ होता है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर कितना गंभीर है। सरकार ने न सिर्फ वैकल्पिक तेल आपूर्ति के रास्ते तलाशने शुरू कर दिए हैं, बल्कि मौजूदा रास्तों को सुरक्षित और खुला रखने के लिए कूटनीतिक स्तर पर पूरी ताकत लगा दी है। यह कदम देश की आर्थिक स्थिरता और आम जनता के हितों की रक्षा के नजरिए से बेहद जरूरी था।पुष्पक और परिमल जैसे टैंकरों का होर्मुज से सुरक्षित गुजरना महज एक खबर नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि भारत की कूटनीति काम कर रही है। यह इस बात की मिसाल है कि जब सही समय पर सही तरीके से बातचीत की जाए तो बड़ी से बड़ी रुकावटें भी हट जाती हैं। भारत सरकार की यह सक्रियता आने वाले दिनों में देश की तेल आपूर्ति को स्थिर रखने में मददगार साबित होगी और कीमतों पर काबू रखने में भी सहायक रहेगी।

# अखिलेश की पश्चिमी यूपी में बड़ी चुनावी रैली की तैयारी



अजय कुमार

समाजवादी पार्टी ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी औपचारिक रूप से शुरू कर दी है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव 29 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दादरी में समानता भाईचारा रैली के जरिए अपना चुनावी अभियान शुरू करेंगे। यह महज एक रैली नहीं है, बल्कि यह उस बड़ी राजनीतिक योजना की शुरुआत है जिसके जरिए अखिलेश यादव पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी की जमीन को नए सिरे से तैयार करना चाहते हैं। दादरी का चुनाव भी रणनीतिक है क्योंकि यह इलाका जाट, मुस्लिम, दलित और पिछड़े वर्गों की मिली-जुली आबादी वाला क्षेत्र है और यहीं से पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की राजनीति को धार देने की कोशिश की जाएगी। 2022 के विधानसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन समाजवादी पार्टी के लिए बेहद निराशाजनक रहा था। पश्चिमी यूपी में कुल मिलाकर करीब 136 विधानसभा सीटें आती हैं जिनमें मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, मुरादाबाद, बिजनौर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, हापुड़ और आसपास के जिले शामिल हैं। 2022 में इस पूरे इलाके में समाजवादी पार्टी को केवल 35 से 38 के आसपास सीटें मिली थीं जबकि भारतीय जनता पार्टी ने यहां करीब 80 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की थी। वोट प्रतिशत की बात करें तो पश्चिमी यूपी में भाजपा को करीब 44 से 46 फीसदी वोट मिले थे जबकि सपा 30 से 33 फीसदी के आसपास सिमट गई थी। राष्ट्रीय लोकदल उस वक्त सपा के साथ गठबंधन में था और उसने जाट बहुल इलाकों में कुछ सीटें जिताई थीं, लेकिन इसके बावजूद गठबंधन का समग्र प्रदर्शन भाजपा के मुकाबले कमजोर ही रहा।

पश्चिमी यूपी में सपा की कमजोरी की जड़ें बहुत गहरी हैं। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद इस इलाके में जाट और मुस्लिम समुदाय के बीच जो दरार पैदा हुई थी, उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। जाट मतदाता जो परंपरागत रूप से कभी कांग्रेस तो कभी लोकदल के साथ रहते थे, 2014 के बाद से भाजपा की तरफ मजबूती से झुक गए। 2022 में भी यह झुकाव बड़े पैमाने पर बना रहा। हालांकि राकेश टिकैत के नेतृत्व में किसान आंदोलन के बाद यह उम्मीद जगी थी कि जाट वापस भाजपा से नाराज होंगे, लेकिन वोटिंग के वक्त बड़े पैमाने पर यह नाराजगी सपा के पक्ष में नहीं बदल पाई।अब 2023 में राष्ट्रीय लोकदल ने सपा का साथ छोड़कर भाजपा के साथ हाथ मिला लिया है। जयंत चौधरी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो गए हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि 2027 में सपा के पास पश्चिमी यूपी में जाट मतदाताओं तक पहुंचने का वह पुराना पुल नहीं रहेगा। पश्चिमी यूपी की करीब 40 से 45 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां जाट मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इन सीटों पर रालोद के भाजपा के साथ जाने से सपा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।ऐसे में अखिलेश यादव की पीडीए रणनीति ही वह हथियार है जिससे वे इस गणित को पलटना चाहते हैं। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए का यह फार्मूला 2024 के लोकसभा चुनाव में काफी हद तक काम भी किया। 2024 में सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 सीटें जीतीं जो पार्टी के इतिहास में लोकसभा का सबसे बेहतर प्रदर्शन था। पश्चिमी यूपी में भी 2024 में सपा ने कुछ अप्रत्याशित जीतें दर्ज कीं। मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अमरोहा और बिजनौर जैसे क्षेत्रों में सपा और उसके सहयोगी दलों ने बेहतर प्रदर्शन किया। इससे अखिलेश को भरोसा मिला कि पीडीए का फार्मूला अगर सही तरीके से जमीन पर उतारा जाए तो पश्चिमी यूपी में भी बड़ा बदलाव संभव है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जातीय संरचना पर गौर करें तो यहां मुस्लिम आबादी कई जिलों में 30 से 40 फीसदी तक है। मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, संभल, अमरोहा, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जैसे जिलों में मुस्लिम मतदाता बड़ी संख्या में हैं और वे परंपरागत रूप से सपा के साथ रहे हैं। इसके अलावा दलित मतदाता जो अनुसूचित जाति के हैं, पश्चिमी यूपी में करीब 20 से 22 फीसदी हैं। पिछड़े वर्ग जिनमें यादव, कुर्मी, सैनी, प्रजापति, गुर्जर और अन्य जातियां शामिल हैं, उनकी भी पश्चिमी यूपी में ठीकठाक मौजूदगी है। अगर ये तीनों तबके एकजुट होकर सपा को वोट दें तो कम से कम 50 से 55 फीसदी वोट का आधार बन सकता है जो किसी भी सीट पर जीत के लिए पर्याप्त है।लेकिन असली चुनौती इन्हें एकजुट करना है। दलित मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा अभी भी बहुजन समाज पार्टी की तरफ देखता है। हालांकि मायावती की पार्टी 2022 और 2024 दोनों चुनावों में बुरी तरह पिटी है और उनका वोट बैंक बिखर रहा है। अखिलेश की कोशिश है कि इस बिखरे हुए दलित वोट को अपनी तरफ खींचा जाए। दादरी की रैली में समानता और भाईचारे का संदेश इसीलिए दिया जाएगा ताकि दलित समुदाय को यह भरोसा दिलाया जा सके कि सपा उनकी पार्टी है।

पश्चिमी यूपी में सपा के सामने एक और बड़ी समस्या संगठन की है। इस इलाके में सपा का जमीनी ढांचा बहुत मजबूत नहीं है। पूर्वी यूपी के मुकाबले जहां यादव बाहुल्य क्षेत्र हैं और पार्टी की गहरी जड़ें हैं, पश्चिमी यूपी में सपा को हर बूथ तक अपनी पहुंच बनाने के लिए नए सिरे से काम करना होगा। अखिलेश ने इसके लिए रैलियों और जनसंपर्क अभियानों की एक लंबी श्रृंखला तैयार की है जो दादरी से शुरू होकर पूरे पश्चिमी यूपी को कवर करेगी।भाजपा के लिए भी यह लड़ाई आसान नहीं होगी। किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दे जनता के मन में हैं। पश्चिमी यूपी के गन्ना किसानों का बकाया और सरकारी योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन बड़े सवाल हैं। सपा इन्हीं मुद्दों को हवा देकर अपना रास्ता बनाना चाहती है।2027 में पश्चिमी यूपी की लड़ाई तय करेगी कि उत्तर प्रदेश में सत्ता का रुख किस तरफ जाएगा।

# चुनावी टिकट यानी असंतुष्टों का समय



डॉ टी महादेव राव

असंतुष्टों को हम रुठने या खफा होने वाले भी कह सकते है। आपने उनके सहयोग के बदले, उससे अधिक कुछ नहीं किया, या अपने पिछलग्गू का आपने कुछ खास काम नहीं करवाया या फिर आपने अपने चम्चों को नजरअंदाज किया अथवा उसके क्रिया कलापों की समीक्षा कर अपने आपको पाक साफ साबित करने की कोशिशों में उसे नाराज कर गये- असंतुष्ट बस इसी न माने जाने वाली प्रक्रिया के तहत पैदा हो जाते हैं और इस बात को बेहतर महसूस कर सकते हैं कि दिन भर में आप ज्यादातर अस्वीकार की मुद्रा में ही रहते हैं, ऐसे में असंतुष्टों संख्या बढ़ेगी कि नहीं---- बोलिये।

यह तो एक आम आदमी की बात हुई। जैसे-जैसे आप खास से खासम-खास होते चले जायेंगे, असंतुष्ट निर्माता यंत्र के रुप में आपकी चर्चा जोरों पर होगी। कहने का अर्थ यही कि आप सभी को संतुष्ट नहीं कर पायेंगे और कहीं न कहीं कोई असंतुष्ट पड़ा रह ही जाएगा। आपने यह कहानी तो सुनी होगी कि एक बाप अपने बेटे के साथ अपने गधे को बेचने बाजार चला। तीनों पैदल चल रहे थे। किसी ने कहा- बेटे को गधे की सवारी कर लेनी चाहिए। बेटे को बाप ने गधे पर बिठाया। कुछ दूर जाने पर किसी ने कहा – बूढ़े बाप को गधे पर बैठना चाहिए, लड़के को नहीं। ऐसा ही किया गया। फिर कुछ दूर जाने पर लोगों ने दोनों को सवारी करने की सलाह दी। उन्होंने इसे मानकर सवारी की। कुछ दूर जाने पर गधा प्रेमी लोगों ने सलाह दी कि इस मरियल गधे पर मत लदो। तुम दोनों मिलकर इसे ढोओ----बस फिर क्या था। बाप-बेटे लकड़ी के सहारे गधे को ढोने लगे। अपनी असहज स्थिति के कारण गधा पुल से नीचे पानी में गिरकर मर गया। कितनों को संतुष्ट करने की कोशिश की गयी – कोई संतुष्ट नहीं हो सका और गधे से भी उन्हें हाथ धोना पड़ा।

अब आजकल कहानी कुछ बदलाव के साथ दोहरायी जा रही है। मुख्य पार्टी बाप है तो बेटा समर्थक और गधा---- कहना होगा कि आम जनता है। फर्क पुरानी और नयी कहानी में सिर्फ इतना है कि गधा बेचारा वहीं रहा, लेकिन बाप और बेटे बदलते रहे। सभी सफेद पोश राजा बाप था तो रामभक्त हनुमान उनके बेटे बने। कभी उन्हीं असंतुष्ट गुणी लोग बाप हैं तो बेचारे भूतपूर्व शक्तिमान उनके बेटे। दोनों स्थितियों में गधा पिसा जा रहा है। गधे पर बाप और बेटे दोनों के चढ़ने का समय चल रहा है। बेचारा गधा अपना रोना रो रहा है। इन सब बाप बेटों के बदलने, गधे के पिसने और रोने के पीछे व्यक्ति की संतुष्टि ही तो है। इसका, उससे, उसका इससे मिलना भले ही आपको मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति गलत लगता हो पर असंतुष्टि की पहली शर्त है जिस किसी से मिलकर अपनी संतुष्टि पायी जा सकती है, उससे मिलने में किसी तरह की नैतिक और मूल्यवादी बातों का प्रश्न ही नहीं उठता। तो इस तरह यह कहा जाये कि आज की राजनीति की पृथ्वी को यही असंतुष्टि रुपी शेष नाग सम्हाले हुए है, तो गलत न होगा। आप यह मत पूछिये कि गधा---आइ मीन आम आदमी के असंतुष्ट या संतुष्ट, होने का क्या होगा? जिसे बेचा जाना है, उससे उसकी मर्जी नहीं पूछी जाती। बस गधा रहे अपने में--- हमें उससे क्या लेना देना---। लेकिन असंतुष्टि की यही स्थिति रही तो कहानी के गधे का पुल में गिरकर मर जाना शायद नहीं होगा क्योंकि गधे को जहां बुद्धि के मामले में गधा या उल्लू कहा जा सकता है, वहीं उसकी जोरदार दुलत्ती को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता और आज का शक्तिमान इक्कीकसवीं सदी का गधा जब भी पूरी रह असंतुष्ट होगा, असंतुष्टों की सारी फौज शायद उसकी दुलत्तियों की मार से बच नहीं पायेगी। इसलिये असंतुष्ट प्रधान देश कि असंतुष्टों, सावधान। गधा अपने पैरों में शक्ति भर रहा है, उसका भी ख्याल करो तो शायद दुलत्ती और असंतुष्टि से बच जाओगे वरना-----ईश्वर ही मालिक है---।

# तेल-गैस संकट : थाली से ठेला तक बढ़ी चिंता



सुरेश गांधी

दुनिया की भू-राजनीति में कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं जिनका असर केवल सीमाओं या सेनाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सीधे आम आदमी के जीवन को प्रभावित करने लगती हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव इसी तरह का संकट बनता जा रहा है। यह संघर्ष हजारों किलोमीटर दूर मिडिल ईस्ट में भले चल रहा हो, लेकिन इसकी आंच भारत की रसोई तक महसूस की जा रही है। भारत में एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी, कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कमी, छोटे दुकानदारों की परेशानियां और होटल-रेस्तरां उद्योग की चिंताएं इस संकट के संकेत हैं। चाय-नाश्ते की दुकानों से लेकर बड़े रेस्तरां तक गैस संकट की चर्चा है। दरअसल यह युद्ध केवल तीन देशों के बीच की लड़ाई नहीं है। इसके पीछे तेल, डॉलर, वैश्विक ऊर्जा व्यापार और भू-राजनीतिक रणनीतियों का एक जटिल समीकरण छिपा हुआ है। यही कारण है कि मिडिल ईस्ट की जंग आज पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है। पश्चिम एशिया को लंबे समय से दुनिया की ऊर्जा राजनीति का केंद्र माना जाता है। दुनिया के सबसे बड़े तेल और गैस भंडार इसी क्षेत्र में हैं। सऊदी अरब, ईरान, इराक, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख स्रोत हैं। विश्व अर्थव्यवस्था अभी भी बड़े पैमाने पर तेल और गैस पर निर्भर है। परिवहन, उद्योग, बिजली उत्पादन और रोजमर्रा की जिंदगी के अधिकांश काम इन ऊर्जा स्रोतों से जुड़े हुए हैं। इसलिए जब भी मिडिल ईस्ट में युद्ध या राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, उसका असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर तुरंत दिखाई देने लगता है। मिडिल ईस्ट संकट को समझने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व समझना बेहद जरूरी है। यह समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी और अरब सागर को जोड़ता है और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। मतलब साफ है पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक तेल बाजार में पैदा हुई अनिश्चितता की आहट अब भारत के बाजारों में भी महसूस होने लगी है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की संभावित कीमतों को लेकर पैदा हुई चिंता ने रोजमर्रा के सामानों की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका को जन्म दे दिया है। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आती है तो इसका असर केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि घर की रसोई से लेकर सड़क किनारे लगने वाले ठेला-खुमचों और होटल-ढाबों की थाली तक दिखाई देगा। वाराणसी समेत कई शहरों में छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और ठेला संचालकों ने पहले ही इस संभावित संकट को लेकर चिंता जतानी शुरू कर दी है। उनका कहना है कि यदि गैस सिलेंडर और डीजल की कीमतें बढ़ती हैं तो चाय-नाश्ते से लेकर सब्जी और थाली तक के दाम बढ़ाना मजबूरी हो जाएगी।

महंगाई का पहला झटका अक्सर छोटे कारोबारों को ही झेलना पड़ता है। चाय की दुकानों, समोसा-कचौड़ी के ठेलों, नाश्ते के खोमचों और सड़क किनारे के ढाबों की पूरी व्यवस्था ईंधन और गैस पर निर्भर होती है। कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें पहले ही कई कारोबारियों के लिए चुनौती बन चुकी हैं। वाराणसी के सिगरा क्षेत्र में चाय का ठेला लगाने वाले राजेश कुमार बताते हैं, "सिलेंडर पहले से ही महंगा है। अगर इसमें और बढ़ोतरी हुई तो दस रुपये वाली चाय पंद्रह रुपये करनी पड़ेगी। नहीं तो दुकान चलाना मुश्किल हो जाएगा।" पिछले कुछ वर्षों में ही चाय-नाश्ते की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जहां कभी दस रुपये में मिलने वाली चाय आज कई जगह पंद्रह से बीस रुपये तक पहुंच चुकी है। नाश्ते की प्लेट और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। भेल-पूरी का ठेला लगाने वाले गुड्डू साहनी का कहना है कि बाजार में पहले ही आलू, खाद्य तेल और मसालों के दाम बढ़ चुके हैं। "अगर डीजल महंगा हुआ तो माल की ढुलाई भी महंगी हो जाएगी। ऐसे में हमें भी अपने रेट बढ़ाने पड़ेंगे।" व्यापारियों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे सीधा असर सब्जियों और खाद्यान्न की ढुलाई पर पड़ता है। मंडियों से बाजार तक सब्जियां ट्रकों और छोटे मालवाहक वाहनों के जरिए पहुंचती हैं। डीजल की कीमत बढ़ने पर परिवहन लागत भी बढ़ जाती है, जिसका सीधा प्रभाव खुदरा कीमतों पर दिखाई देता है। फल-सब्जी विक्रेता रामदास गुप्ता बताते हैं, "जैसे ही डीजल महंगा होता है, ट्रांसपोर्टर तुरंत किराया बढ़ा देते हैं। अंत में इसका बोझ ग्राहक पर ही पड़ता है। सब्जी के दाम बढ़ाना मजबूरी हो जाती है।" आर्थिक जानकारों का मानना है कि यदि ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि होती है तो इसका असर केवल सब्जियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दूध, आटा, दाल, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि देखने को मिल सकती है।

एलपीजी की संभावित कमी और बढ़ती कीमतों का असर होटल और रेस्तरां उद्योग पर भी दिखाई देने लगा है। कई छोटे रेस्तरां और ढाबा संचालक पहले से ही लागत बढ़ने की समस्या से जूझ रहे हैं। कुछ रेस्तरां संचालकों ने अपने मेनू में बदलाव करना शुरू कर दिया है। कहीं व्यंजनों की संख्या कम कर दी गई है तो कहीं थाली के दाम बढ़ा दिए गए हैं। कुछ स्थानों पर गैस की खपत कम करने के लिए इलेक्ट्रिक तंदूर और इंडक्शन चूल्हों का उपयोग भी बढ़ाया जा रहा है। ढाबा संचालक शिवकुमार यादव कहते हैं, "खर्च लगातार बढ़ रहा है।

# संजय दत्त ने फिल्म में पूजा भट्ट संग रोमांटिक सीन से किया इनकार तो भड़के पिता, एक्टर को कहा था 'ढोंगी'

पूजा भट्ट ने अपने पॉडकास्ट में 'सड़क' का एक वाकया बताया था, जिसमें संजय दत्त को उनके साथ रोमांटिक सीन करना था। लेकिन संजय दत्त ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वह उन्हें बचपन से देखते आ रहे हैं, जब बच्ची थीं। इस पर महेश भट्ट ने उनसे कहा था कि तुम अगर मेरी बेटी को नहीं चूम नहीं सकते, तो किसी और की बेटी को चूमने का भी हक नहीं है।

पूजा भट्ट ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत पिता महेश भट्ट की फिल्मों से की थी। उन्होंने 'सड़क', 'दिल है कि मानता नहीं' और 'जख्म' जैसी कई फिल्में कीं, लेकिन वह आज तक 'सड़क' का वह किस्सा नहीं भूलीं, जब संजय दत्त ने उनके साथ रोमांटिक सीन से इनकार कर दिया था। इस पर महेश भट्ट ने उन्हें 'ढोंगी' कह दिया था और साथ ही कहा था कि अगर तुम मेरी बेटी को नहीं चूम सकते तो किसी और की बेटी को भी फिल्मी पर्दे पर चूमने का हक नहीं है। पूजा भट्ट ने यह किस्सा अपने पॉडकास्ट में सुनाया।

पूजा भट्ट ने सुनाया था संजय दत्त संग रोमांटिक सीन का किस्सा

'सड़क' पूजा भट्ट के करियर की शुरुआती दिनों की एक फिल्म थी, और इसमें उनके ऑपोजिट संजय दत्त थे। फिल्म में उनका और संजय दत्त का एक रोमांटिक सीन था। महेश भट्ट ने जब इस सीन के बारे में संजय दत्त को बताया तो उन्होंने इनकार कर दिया। वहीं, बेटी पूजा को समझाया था कि रोमांटिक और अंतरंग सीन्स फिल्माते वक्त एक्ट नहीं बल्कि एटिट्यूड मायने रखता है। पूजा भट्ट बात को समझ गईं, पर संजय दत्त हिचक रहे थे क्योंकि वह पूजा भट्ट को बचपन में छोटी सी बच्ची के वक्त से देखते आ रहे थे।

**संजय दत्त ने किया इनकार, कहा- मैंने उसे बचपन से देखा है**

पूजा भट्ट ने बताया, 'मुझे संजय दत्त को चूमना था और मैं मन ही मन सोच रही थी कि कहीं छुप जाऊं। लेकिन संजय ने किसिंग वाला आइडिया कैंसिल कर दिया और कहा कि मैं उसे नहीं चूमने वाला क्योंकि मैंने उसे बचपन में देखा है।'

मुझे संजय दत्त को चूमना था और मैं मन ही मन सोच रही थी कि कहीं छुप जाऊं। लेकिन संजय ने किसिंग वाला आइडिया कैंसिल कर दिया और कहा कि मैं उसे नहीं चूमने वाला क्योंकि मैंने उसे बचपन में देखा है।

**महेश भट्ट ने संजय दत्त से कही थी यह बात**

पूजा के मुताबिक, महेश भट्ट ने यह सुना तो उन्होंने संजय दत्त को ढोंगी कह दिया और बोले, 'यह सरासर ढोंग है। अगर तुम उसे चूम नहीं सकते, तो तुम्हें किसी और की बेटी को चूमने का भी कोई हक नहीं है।'

**महेश भट्ट ने छोड़ दिया डायरेक्शन, फिर 2020 में किया था कमबैक**

पूजा भट्ट और महेश भट्ट की बात करें, तो बाप-बेटी ने 90 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। हालांकि, 1999 में आई फिल्म 'कारतूस' के बाद महेश भट्ट ने फिल्में डायरेक्ट करना बंद कर दिया था। साल 2020 में महेश भट्ट ने 'सड़क 2' से बतौर डायरेक्टर वापसी की। इसमें जहां पूजा भट्ट और संजय दत्त का कैमियो रोल था, वहीं आलिया भट्ट और आदित्य रॉय कपूर लीड रोल में नजर आए।

**पूजा भट्ट का एक्टिंग से ब्रेक, डायरेक्शन में एंट्री और फिर कमबैक**

वहीं, पूजा भट्ट की बात करें, तो उन्होंने भी बाद में एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बन गई थीं। साल 2004 में उन्होंने पहली फिल्म 'पाप' डायरेक्ट की। इसके बाद उन्होंने 'धोखा', 'कजरारे', 'जिस्म 2' और 'धोखा' डायरेक्ट कीं। साथ-साथ पूजा भट्ट ने एक्टिंग भी जारी रखी। साल 2022 में वह सनी देओल स्टारर 'चुपः द रिवेंज' और फिर 2024 में टीवी शो 'बिग गर्ल्स डोन्ट क्राय' में नजर आई थीं।

# मॉडल ने पति पर लगाए लव जिहाद के आरोप कहा- जबरदस्ती इस्लाम कबूल करवाया

**प्रताड़ना से तंग आकर हिंदू संगठनों की मदद से दोबारा हिंदू बनीं**

मिस इंडिया अर्थ 2019 रह चुकीं पॉपुलर मॉडल सयाली सुर्वे ने पति पर जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवाने और शारीरिक-मानसिक शोषण करने के कई गंभीर आरोप लगाए हैं। मॉडल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इन सभी आरोपों का खुलासा किया है। वो पिछले 10 सालों से इस स्थिति में थीं, हालांकि अब उन्होंने हिंदू संगठनों की मदद से पति से छुटकारा पाते हुए दोबारा हिंदू धर्म अपना लिया है। इसके लिए उन्होंने हवन और शुद्धिकरण करवाया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सयाली ने बताया कि उन्होंने लंबे समय तक आतिफ तासे के साथ रिलेशनशिप में रहने के बाद साल 2019 में उनसे शादी की थी। सयाली का परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था, इसके बावजूद वो परिवार के खिलाफ गईं और इस्लाम कबूल कर शादी की। धर्म बदलकर उनका नाम अतीजा कर दिया गया था।वीडियो में उन्होंने कहा कि उनका पति आतिफ जबरदस्ती और दबाव बनाकर उनसे स्ट्रिक्ट इस्लामिक चीजें करवाता था। वो उनका शोषण भी करता था।

**दोबारा करवाया धर्म परिवर्तन**

हिंदू संगठनों की मदद से सयाली अब दोबारा हिंदू बन चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी लव मैरिज हुई थी। शादी के लिए उन्हें धर्म बदलना पड़ा, जिसके बाद उनका निकाह हुआ। मॉडल का कहना है कि उन्होंने बच्चा होने के बाद रिश्ते में रहने की काफी कोशिश की, लेकिन उनके साथ दिन भर गाली गलौज की जाती थी और बेवजह मारपीट भी होती थी।

**मॉडल बोलीं- ये लव जिहाद है**

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मॉडल से पूछा गया कि क्या ये लव जिहाद का मामला है, तो जवाब में उन्होंने कहा, हां, बिल्कुल। लोग कहते हैं ये खुद मर्जी से शादी करने गई थी। लेकिन जब मैं गई थी, तब मुझे समझ नहीं थी। मैं भरोसे से गई थी। एक अच्छा इंसान है समझकर गई थी। इतना बड़ा फैसला लिया था।

मॉडल ने ये भी बताया है कि इस्लाम कबूल करने के बाद भी वो हिंदू धर्म का पालन करती थीं, लेकिन फिर खुलेआम उसका विरोध किया जाने लगा। वहां उन्हें कहा गया कि इस्लाम के आगे दूसरे धर्म की वैल्यू नहीं है। उन्हें नमाज पढ़ना सिखाया गया, लेकिन तब भी लोग उनके साथ इंसानियत से पेश नहीं आते थे।

**पति के खिलाफ दर्ज करवाई शिकायत**

मॉडल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया है कि उन्होंने मुंबई में पति आतिफ के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इसके बाद से ही वो पुणे में रह रही हैं। अपनी और बच्चों की सुरक्षा के लिए वो मुंबई नहीं जा रही हैं। ऐसे में पुलिस उनका बयान दर्ज करवाने पुणे आएगी। शादी से पहले मैं मॉडल थी, मास्टर्स किया हुआ है एविएशन में। मैं 20-21 साल की थी, जब मेरी शादी हुई। शादी से लेकर आज तक मैं हाउस वाइफ थी। शादी से उन्हें 4 बच्चे हुए, जिनके नाम भी मुस्लिम थे। बच्चों का नाम आरिस, फातिमा, खालिद और गाजी थे। लेकिन खुद हिंदू धर्म में वापसी करने के बाद मॉडल ने बच्चों के भी नाम बदलवाकर हिंदू कर दिए हैं।

# 'जूटोपिया 2' श्रद्धा कपूर ने जूडी हॉप्स के किरदार को बताया खास, किस किरदार को मिली थी एक्ट्रेस की आवाज

श्रद्धा कपूर की एक्टिंग को फैंस काफी पसंद करते हैं। मगर ये कम ही लोग जानते हैं कि एक्ट्रेस एक फिल्म को भी अपनी आवाज दे चुकी हैं। हाल ही में एक बातचीत में 'जूटोपिया 2'के खास अनुभव को शेयर किया।

जूटोपिया 2 के सिनेमा घरों में रिलीज होने के बाद अब फिल्म जल्द जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होने जा रही है। इस फिल्म के हिंदी भाषा वाले वर्जन में जूडी हॉप्स के लिए श्रद्धा ने अपनी आवाज दी थी। अब इसपर अभिनेत्री ने दर्शकों को उनकी आवाज को प्यार देने के लिए शुक्रिया कहा साथ ही यह भी बताया कि वो फिल्म को लेकर काफी खुश थीं। यह किसी किरदार को डब करने का उनका पहला अनुभव था। एक्ट्रेस के लिए यह जूडी हॉप्स जैसा खास किरदार डब करना काफी स्पेशल था।

**जूडी हॉप्स का किरदार खास**

श्रद्धा कपूर का यब पहला मौका था जब उन्होंने किसी किरदार को अपनी आवाज से सजाया था। खास कर जूटोपिया 2 की किरदार जूडी हॉप्स की एक्ट्रेस ने व्यक्तिकत रूप से तारीफ की। उन्होंने कहा कि जूडी का बहादुर, आशावादी, और सरल स्वाभाव काफी पसंद है। यह जानकर वह बहुत ज्यादा खुश हैं कि दुनिया भर के दर्शकों को यह पसंद आया। अब फिल्म के जियोहॉटस्टार पर आने से वह बेहद खुश हैं।

**जल्द नजर आएंगीं श्रद्धा**

हॉरर-कॉमेडी सीक्वल 'स्त्री 2' श्रद्धा की सबसे ज्यादा हिट होने वाली फिल्म थी। जिसके साथ एक्ट्रेस 'तू झूठी मैं मक्कार' में रणबीर कपूर के साथ नजर आईं। अब एक्ट्रेस के आने वाले प्रोजेक्टस में से फिल्म 'ईथा' सबसे महात्वपूर्ण है। वह इस फिल्म में रणदीप हुड्डा के साथ नजर आएंगीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रद्धा कपूर अब प्रोड्क्शन में भी कदम रख रहीं हैं।

# 'आपने हद पार कर दी'; आठ साल पुरानी चैट लीक होने पर भड़कीं रश्मिका, लीगल एक्शन लेने की दी धमकी

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच वह एक और मामले को लेकर चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने गुरुवार को इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी, जो आठ साल पहले की एक लीक हुई निजी बातचीत को फैला रहे हैं।

धरश्मिका का इल्जाम

एक्स पर एक लंबी पोस्ट में, एक्ट्रेस ने कहा कि पिछले आठ वर्षों से उनके खिलाफ गलत जानकारी फैलाने, उन्हें परेशान करने और उन पर जान-बूझकर हमले करने का एक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बातों को बार-बार संदर्भ से हटाकर पेश किया गया और व्यूज हासिल करने के लिए नफरत फैलाने वाली झूठी कहानियां गढ़ी गईं।

**बिना सहमति के रिकॉर्ड की गई बातचीत**

रश्मिका मंदाना ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जो ऑडियो वायरल किया जा रहा है, वह करीब आठ साल पुरानी एक प्राइवेट बातचीत का हिस्सा लग रहा है। इसे शायद उसमें शामिल लोगों की सहमति के बिना रिकॉर्ड और शेयर किया गया है।

**नजरअंदाज करना हुआ मुश्किल**

रश्मिका ने खुलासा किया कि पिछले आठ वर्षों से उन्होंने ऑनलाइन कुछ लोगों की तरफ से फैलाई गई गलत जानकारी और

उत्पीड़न को झेला है। दर्द सहने के बावजूद उन्होंने धैर्य और चुप्पी बनाए रखना चुना था, लेकिन पिछले 24 घंटों की घटनाओं ने उस सीमा को पार कर दिया जिसे वह अब नजरअंदाज नहीं कर सकती। उन्होंने इस बात पर भी निराशा जताई कि इस विवाद की वजह से उनके परिवार और करीबियों को बेवजह परेशानी हुई है, जबकि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

**रश्मिका ने दी 24 घंटे की मोहलत**

इस क्लिप को फैलाना भ्रामक और मानहानि वाला बताते हुए, रश्मिका ने इन्फ्लुएंसर्स और इस कंटेंट को शेयर करने वाले लोगों से इसे तुरंत हटाने का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मटेरियल को फैलाने वालों को 24 घंटे की मोहलत दी गई है, ऐसा न होने पर कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। आवाज उठाने और एक्शन लेने का फैसला हल्के में नहीं लिया गया है, बल्कि अपनी गरिमा, प्राइवेसी और शांति की रक्षा के लिए यह जरूरी है।

**रश्मिका ने अदा किया शुक्रिया**

रश्मिका ने आखिर में लिखा, 'उन सभी लोगों के लिए जिन्होंने इन वर्षों में मुझे दया, समझ और प्यार के साथ सपोर्ट किया है। मैं आपकी बहुत शुक्रगुजार हूं। मैं आपसे प्यार करती हूं और चाहती हूं कि आप ये जानें कि कोई भी अनजान व्यक्ति यह तय नहीं करेगा और न ही कर सकता है कि हमें कैसे जीना है। चुनाव हमारा है। हमें ही करना होगा।'

**किस बारे में ऑडियो क्लिप?**

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब कई साल पहले की, कथित तौर पर उनकी और उनकी मां के बीच हुई एक बातचीत ऑनलाइन लीक हो गई। लीक हुई बातचीत की ऑडियो कथित तौर पर 2018 की है। यह उस समय की बात है जब रश्मिका और कन्नड़ अभिनेता-फिल्म निर्माता रक्षित शेट्टी ने अपनी सगाई तोड़ी थी।

# अहान पांडे और अनीत पड्डा का नया प्रोजेक्ट, पहली झलक में ही उछले फैंस

'सैयारा' की सफलता ने इंडस्ट्री के दो उभरते स्टार्स, अहान पांडे और अनीत पड्डा को फिर से सुर्खियों में ला दिया। लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर बढ़ती लोकप्रियता ने इन दोनों एक्टर्स को बॉलीवुड की अगली पीढ़ी के उभरते चेहरों में से एक बना दिया। अब, दोनों ने एक और प्रोजेक्ट के साथ काम करने का हिंट दिया है। लेकिन शायद पूरी बात जानने के बाद फैंस का दिल टूट जाए।

अहान और अनीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में घोषणा की, 'इस गर्मी में कहानी में एक नया मोड़ आएगा। एक नया चैप्टर शुरू होगा। ट्रेलर जल्द आ रहा है।' घोषणा वीडियो में अहान और अनीत हल्के-फुल्के मजे करते, गर्मी के कपड़ों में पोज देते नजर आए, जिससे हिंट मिलता है कि वे किसी ब्रांड के साथ सहयोग कर सकते हैं।

**अहान और अनीत को देख चाहने वाले खुश**

फिर भी, उनके फैंस उन्हें दोबारा साथ काम करते देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। एक यूजर ने लिखा- बहुत-बहुत-बहुत खुश हूं। दूसरे ने कहा- ओह्ह्ह भाई, इंतजार नहीं कर सकती। एक और ने कहा- सबसे बड़ी घोषणा! वाह। किसी और ने कहा- मेरे पसंदीदा लोग साथ में

काम कर रहे हैं!

**फैंस हो सकते हैं मायूस**

एक कमेंट में लिखा था- चीख रही हूं। किसी और ने लिखा- बहुत एक्साइटेड हूं। एक फैन ने लिखा- ओह्ह्ह भगवान 13 मार्च का इंतजार नहीं कर सकती। एक फैन ने कहा- पूरे समाज में खुशी का माहौल। हालांकि, कुछ लोगों ने ये भी कहा कि अगर ये कोई ऐड हुआ तो उनका दिल टूट जाएगा क्योंकि वे दोनों को फिल्म में देखना चाहते हैं। पूरा कमेंट सेक्शन इसी से भरा हुआ है। बता दें कि ये क्लिप ज्यादा यही हिंट दे रही है कि ये कोई ऐड है, फिल्म नहीं।

**'सैयारा' में अहान पांडे**

अहान पांडे के लिए 'सैयारा' उनके अभिनय करियर में एक बहुत बड़ा मोड़ साबित हुई। जाने-माने पांडे परिवार से संबंध रखने वाले अहान, अपनी आधिकारिक सफलता से पहले ही सुर्खियों में थे। हालांकि, 'सैयारा' ने उन्हें पूरी दुनिया में फेमस कर दिया।

**अनीत पड्डा के लिए 'सैयारा' बड़ी फिल्म**

अनीत पड्डा के लिए भी 'सैयारा' एक बड़ा मोड़ साबित हुई। हालांकि उन्होंने इससे पहले छोटी-मोटी फिल्मों में काम किया था, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें बड़ी ऑडियंस के सामने पेश करने में मदद की। अहान पांडे और अनीत पड्डा के बीच पर्दे पर दमदार केमिस्ट्री ने भी फिल्म की लोकप्रियता में अहम भूमिका निभाई, और कई फैंस ने इस जोड़ी की खूब तारीफ की।

# मर्दाना कमजोरी की दवा बेचने वाले डॉक्टर का पैसा, लाहौर के पत्रकार का दिमाग और प्राण बने 'परदेसी बलम'

भारतीय सिनेमा में जब भी सबसे बेहतरीन एक्टर्स की लिस्ट गिनाई जाती है, प्राण कृष्ण सिकंद का नाम जरूर आता है। यह लिस्ट चाहे जिसके नाम से भी शुरू हो, खत्म उसे प्राण साहब के नाम से ही होना है। ठीक उसी तरह, जैसे फिल्मों के क्रेडिट में उनका नाम आखरि में आता था ...and PRAN. करीब 6 दशक के करियर में 362 से अधकि फिल्मों में काम करने वाले प्राण, इतिहास के सबसे सफल, सबसे सम्मानित और सबसे महंगे एक्टर थे। वह अधकितर विलेन के रोल में दिखे, लेकिन फीस कई बार हीरो से भी अधकि रहती थी। पर्दे के खलनायक प्राण साहब की ठसक ऐसी थी कि क्रेडिट में जहां हीरो का नाम सबसे पहले आता, वहीं अघोषति शर्त थी कि उनका नाम सबसे आखरि में आएगा, डायरेक्टर के भी बाद। लेकिन आज हम जो किस्सा बता रहे हैं, वह इन सबसे पहले के समय का है। तब प्राण हीरो बनना चाहते थे। यह कहानी है बतौर लीड एक्टर उनकी पहली फिल्म 'परदेसी बलम' की।

हिंदी सिनेमा के सबसे इंटेंस एक्टर्स में एक प्राण का जन्म 12 फरवरी 1920 को लाहौर में हुआ था। वह एक धनी पंजाबी हिंदू परिवार से थे। उनका पालन-पोषण पुरानी दिल्ली के बल्लीमारान में हुआ। पिता केवल कृष्ण सिकंद अहलूवालिया एक सिविल इंजीनियर और सरकारी सिविल ठेकेदार थे। मां रामेश्वरी के सात बच्चों में से एक प्राण ने लाहौर फिल्म इंडस्ट्री में पंजाबी फिल्म 'यमला जट' (1940) से एक्टिंग डेब्यू किया था। यह कहानी उसी दौर की है।

**साल 1920 में लाहौर में पैदा हुए प्राण, पिता थे सिविल इंजीनियर और ठेकेदार**

**आजादी से पहले रिलीज हो चुकी थीं प्राण की 18 फिल्में**

प्राण ने 1942 से 1946 तक लाहौर में 22 फिल्मों में काम किया। आजादी के साल 1947 तक उनकी 18 फिल्में रिलीज हो चुकी थीं। 1947 में बंटवारे की वजह से उनके करियर में ब्रेक लगा। हालांकि, 1944 से 1947 तक अविभाजित भारत में उनकी कई

फिल्में बनीं, लेकिन 'तराश' (1951) और 'खानबदोश' (1952) बंटवारे के बाद सिर्फ पाकिस्तान में रिलीज हुईं। उन्होंने लाहौर छोड़ दिया और बंबई आ गए।

**लाहौर में प्राण साहब के पत्रकार दोस्त वीएन नय्यर**

बन्नी रुबेन की लिखी प्राण साहब की बायोग्राफी '...एंड प्राण' में जिक्र किया गया है कि प्राण लाहौर में सफल एक्टर थे। लिहाजा, उनके दोस्त भी कई थे। असल जिंदगी में यारों के यार प्राण के उन्हीं दोस्तों में से एक थे वीएन नय्यर, जो लाहौर में एक फिल्म पत्रकार थे। नय्यर खुद का एक महीने वाला अखबार 'द क्रिटिक' निकालते थे, जो उन्होंने 1940 में शुरू किया था। लाहौर फिल्म इंडस्ट्री के बड़े लोगों से वीएन नय्यर की बड़ी दोस्ती थी। उनकी दोस्ती लेखक वली मोहम्मद वली और उनकी एक्ट्रेस पत्नी मुमताज शांति से भी थी। प्राण को फिल्मों में लाने का क्रेडिट वली मोहम्मद वली को ही जाता है। नय्यर की यहीं से प्राण से दोस्ती हुई।

**प्राण ने 362 फिल्मों में काम किया, वह अपने दौर के सबसे महंगे एक्टर थे**

लीड हीरो बनने की कसक और डॉ. आनंद प्रकाश पारकर

उन दिनों प्राण साहब के दिल में लीड हीरो बनने की कसक थी। उनकी इस चाह को पूरा करने में वीएन नय्यर का बड़ा योगदान था। नय्यर के एक दोस्त थे डॉक्टर आनंद प्रकाश पारकर, जो मर्दाना कमजोरी का इलाज करते थे। डॉक्टर साहब की मोटी कमाई होती थी। वीएन नय्यर के मुताबिक, उस दौर में डॉक्टर आनंद प्रकाश पारकर 30-40 हजार रुपये महीना कमाते थे। डॉ. पारकर की फिल्मों में दिलचस्पी थी और इसलिए वीएन नय्यर ने उन्हें फिल्म प्रोड्यूसर बनने की सलाह दी। हालांकि, फिल्म मेकिंग डॉ. पारकर के लिए नई चीज थी, इसलिए इसकी पूरी कमान थी वीएन नय्यर के हाथ में।

**नय्यर ने डॉ. पारकर को सुझाया प्राण का नाम**

खैर, डॉ. पारकर प्रोड्यूसर बनने के लिए तैयार हुए। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उत्सकुता थी कि इसमें हीरो कौन होगा? वीएन नय्यर ने झट से प्राण साहब का नाम आगे किया। डॉक्टर साहब ने पूछा- कौन प्राण? नय्यर ने तपाक से 'खानदान' और 'कैसे कहूं' जैसी हिट फिल्मों का जिक्र किया। प्राण ने इन दोनों फिल्मों में बहुत अच्छा काम किया था। फिर क्या था, तय हो गया कि प्राण ही फिल्म के हीरो होंगे। लगे हाथ नय्यर ने यह भी बताया कि प्राण उनके दोस्त हैं, ऐसे में काम करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

**डायलॉग से ज्यादा प्रभावी थीं प्राण साहब की आंखें**

साल 1945 में रिलीज हुई 'परदेसी बलम', प्राण ने खरीदी पहली कार

इस तरह आखिरकार, डॉक्टर आनंद प्रकाश पारकर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'परदेसी बलम', जो 1945 में रिलीज हुई। बतौर लीड हीरो यह प्राण साहब की पहली फिल्म थी। हालांकि, फिल्म कैसी चली, इसमें और कौन-कौन थे, आज 81 साल बाद इसके बारे में बहुत जानकारी नहीं है। लेकिन हां, वीएन नय्यर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि प्राण साहब ने इसी फिल्म की कमाई से अपनी पहली कार खरीदी थी। उस दौर में यह बड़ा स्टेटस सिंबल था।

मलंग चाचा और शेर खान ने बदल दी पर्दे पर प्राण की छवि

साल 1960 के दशक के अंत में प्राण ने मनोज कुमार की फिल्म 'उपकार' (1967) में मलंग चाचा की भूमिका निभाई। कल्याणजी आनंदजी का गाना 'कसमें वादे प्यार वफा' उन पर फिल्माया गया। इस फिल्म ने प्राण का इमेज मेकओवर कर दिया। इसके बाद वह नेगेटिव किरदारों में कम दिखने लगे। प्राण साहब ने 1971 से 1992 तक गिनी-चुनी फिल्मों में ही खलनायक की भूमिका ली। 1973 में आई 'जंजीर' में शेर खान के किरदार ने उन्हें पर्दे पर जान लुटा देने वाला दोस्त बना दिया।

**78 की उम्र में आया हार्ट अटैक, फिल्मों से बना ली दूरी**

साल 1998 में, 78 साल की उम्र में प्राण को दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद उम्र संबंधी कारणों से उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि, अमिताभ बच्चन ने प्राण से अपने होम प्रोडक्शन की फिल्म 'मृत्युदाता' (1997) में रोल करने के लिए कहा। वह मान गए।

**93 साल की उम्र में दुनिया छोड़ गए प्राण**

साल 2013 में 93 साल की उम्र में तबीयत बिगड़ने के बाद प्राण साहब को लीलावती अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां 12 जुलाई 2013 को उनका निधन हो गया। इससे एक महीने पहले भी उन्हें निमोनिया की वजह से अस्पताल में भर्ती किया गया था।

# क्या शाहरुख खान हैं 'लास्ट ऑफ द स्टार्स' क्यों खत्म हो रहा है बॉलीवुड में स्टारडम?

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अनुपम खेर के साथ एक इंटरव्यू में कहा था- आय एम द लास्ट ऑफ द स्टार्स। यानी कि स्टार सिस्टम में वो आखिरी शख्स हैं, इसके बाद एक्टर्स तो आएंगे मगर स्टार कोई नहीं बन पाएगा। क्या ये सच है और सच है तो ऐसा क्यों हो रहा है क्यों बॉलीवुड से स्टार सिस्टम खत्म हो रहा चलिए डिकोड करते हैं।

90s और 2000s में बॉलीवुड में कुछ ऐसे सुपरस्टार थे जिनके नाम से ही फिल्में हिट हो जाया करती थीं। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान की जब फिल्में लगती थीं तो उसके टिकट्स धड़ल्ले से बिक जाते थे।

**कंटेंट अब किंग है**

मगर अब दौर बदल चुका है। आज ऑडियंस सिर्फ स्टार नहीं कहानी को प्राथमिकता देती है। तभी कहा जाता है- कंटेंट इज़ किंग। अगर फिल्म की कहानी अच्छी नहीं है तो लोग उस फिल्म को रिजेक्ट कर देते हैं भले ही वो कितने ही बड़े स्टार की क्यों ना हो।

इसके साथ ही जो स्टार्स का फैनडम हुआ करता था वो अब कम हो गया है।

**अब फिल्मी सितारों को अपना भगवान नहीं मानते फैंस**

लोग फिल्मी सितारों को आइडियल मानना बंद कर चुके हैं और सपनों की दुनिया से दूर

रियलिस्टिक जीवन जीने लगे हैं। साउथ सिनेमा में भले ही अभी भी फैंस अपने पसंदीदा स्टार को भगवान की तरह पूजते हैं मगर बॉलीवुड में फिल्मी सितारों के लिए अब फैंस वैसी दीवानगी नहीं रखते हैं।

कभी उर्मिला मातोंडकर की 'मस्त' फिल्म आई थी जहां एक महिला सुपरस्टार और आम इंसान के प्रेम की कहानी दिखाई गई थी जो कहीं ना कहीं आम लोगों की फैंटसी हुआ करती थी वहीं बाद में शाहरुख खान की 'फैन' जैसी फिल्म भी आती है जहां दिखाया गया है कि स्टार इसलिए स्टार हैं क्योंकि उनके फैन हैं।

**दूर से चमकते सितारे लगते हैं अच्छे**

मगर अब वक्त बदल रहा है सोशल मीडिया ने फैंस और स्टार्स के बीच की दूरियां कम कर दी हैं। पहले फिल्मी सितारे आसमान के चमकते सितारों की तरह होते थे- दूर से चमकते हुए मगर पहुंच से दूर।

मगर अब वो हमारे मोबाइल स्क्रीन में हर वक्त रहते हैं- जिम लुक या एयरपोर्ट लुक। इतना ही नहीं अब लोग सीधा अपने पसंदीदा सेलेब्स तक अपनी बात पहुंचा देते हैं, मगर इसका निगेटिव साइड ये भी है कि लोग सेलेब्स को ट्रोल करना शुरू कर चुके हैं मतलब पहले जहां स्टार्स फैंस की दीवानगी से परेशान हो जाया करते थे आज ट्रोल्स ने उनकी नाक में दम करके रखा है।

**OTT भी है एक वजह**

ओटीटी ने स्टार्स को 'एक्टर' बना दिया है और दर्शकों को चॉइस की ऐसी लत लगा दी है कि अब कोई भी सुपरस्टार उन्हें घर से थिएटर तक खींचने के लिए काफी नहीं है, जब तक कि वह फिल्म 'लार्जर दैन लाइफ' न हो फैंस फिल्में देखने के लिए घर से बाहर नहीं निकलते हैं।

**शाहरुख खान क्यों आज भी हैं कनेक्टिंग**

शाहरुख खान की खासियत ये है कि समय के साथ वो खुद को बदलते गए उनका कल्चरल इम्पैक्ट भी बहुत बड़ा रहा है। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, माय नेम इज खान से लेकर जवान और पठान तक किंग खान ने कई पीढ़ियों पर असर डाला है। अपने इमोशनल इंटलिजेंस की वजह से शाहरुख खान की फीमेल फैन फॉलोइंग भी काफी बड़ी है।

इसी वजह से कहा जाता है कि शाहरुख खान शायद आखिरी सुपरस्टार हैं जिनके नाम से फिल्में चलती थीं। इसका ये मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि नए कलाकार टैलेंटेड नहीं हैं। रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, कार्तिक आर्यन जैसे तमाम सितारे हैं जो अच्छा काम कर रहे हैं। मगर ये साफ है कि इनकी दीवानगी सुपरस्टार वाली नहीं है।इसलिए जब शाहरुख खान कहते हैं कि वो लास्ट ऑफ द स्टार्स हैं तो हम इससे बिल्कुल सहमत होते हैं किंग खान।

# 85-90 बार रिजेक्ट होने के बाद निम्रत कौर को मिला था पहला काम

निजी जिंदगी में बड़े हादसों को झेलने के बाद पर्दे पर पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना हिम्मतवालों का काम है और ऐसी हिम्मत व जज्बा कम ही अभिनेत्रियों में देखने को मिलता है। ऐसी ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी अभिनेत्री हैं निम्रत कौर, जिन्होंने 'द लंचबॉक्स,' 'पेडल्स,' और 'होमलैंड' जैसी फिल्मों से हॉलीवुड और बॉलीवुड में दर्शकों का दिल जीता, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अभिनेत्री की निजी जिंदगी और करियर दोनों ही मुश्किलों से भरे थे। राजस्थान के गांव में 13 मार्च को जन्मी निम्रत कौर आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता मेजर भूपिंदर सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे लेकिन कश्मीर में हुए एक विद्रोह में कुछ लोगों ने उन्हें किडनैप करके मौत के घाट उतार दिया था और उस वक्त निम्रत 12 साल की थी। अपने पिता को खोने का गम साथ लिए वह परिवार के साथ नोएडा शिफ्ट हो गईं, जहां उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी की।

निम्रत को पहले से ही बॉलीवुड की चमक पसंद थी और अपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए न सिर्फ मुंबई का रुख किया बल्कि थिएटर भी किया। पहले अपनी कला को निखारने के लिए अभिनेत्री ने

कई नाटकों में भाग लिया लेकिन फिल्मों में आने की राह आसान नहीं थी। पैसे कमाने के लिए प्रिंट मॉडलिंग की और लेकिन काम की तलाश में उन्हें बॉलीवुड की तरफ से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अभिनेत्री के रंग, हाइट और शारीरिक बनावट पर सवाल उठाए गए लेकिन निम्रत ने कभी हार नहीं मानी और परेशानी का सामना मजबूती से किया।

उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि काम की तलाश में रोज कई जगह भटकना पड़ता था और पहला काम 85-90 बार ऑडिशन में रिजेक्ट होने के बाद मिला था। निम्रत ने फिल्म से पहले साल 2004 में एल्बम सॉन्ग में काम किया था। उन्हें तेरा मेरा प्यार और ये क्या हुआ गानों में बतौर लीड देखा गया, जिसके बाद अनुराग कश्यप की वजह से उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला। उन्हें साल 2012 में दमदार फिल्म 'पेडलर्स' में देखा गया लेकिन असली लोकप्रियता 'द लंचबॉक्स' से मिली थी। आज निम्रत बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी पर अपनी एक्टिंग का दम दिखा रही हैं। उनकी 'द फैमिली मैन', 'एयरलिफ्ट', 'स्काईफोर्स' और 'दसवीं' दर्शकों की फेवरेट क्राइम थ्रिलर सीरीज है।

# ममता कुलकर्णी ने प्रशंसकों को दिखाया अपना नया परिवार

हिंदी सिनेमा के 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री और मॉडल ममता कुलकर्णी आए दिन सुर्खियों में बनी रहती है। हाल ही में अभिनेत्री लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन-3 शो में गेस्ट के रूप में नजर आईं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने 25 सालों के लंबे गैप के बाद टीवी पर वापसी की। ममता कुलकर्णी ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जहां वह प्रशंसकों को नमस्ते करने के साथ वीडियो की शुरुआत करती हैं और लोगों को अपने परिवार से मिलाती हैं।

वीडियो में अभिनेत्री अपने घर में बैठी नजर आ रही हैं, जहां उनके बालकनी में कौआ खाना खा रहा है। एक्ट्रेस ने उन्हें दिखाते हुए कहा, अभी हम सब मिलकर सुबह का नाश्ता कर रहे हैं, बस यही मेरी दुनिया है। वीडियो में ममता बाल खोली काले रंग के कपड़े में नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री के इस पोस्ट पर कुछ ही देर में हजारों व्यू और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस लगातार कमेंट्स के माध्यम से एक्ट्रेस के पोस्ट पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जहां एक यूजर लिखता है, आर्यावर्त के ऋषि-मुनि आज से हजारों साल पहले भविष्यवाणी कर चुके थे कि कलयुग में नारी जाति अपने बाल खुले रखेगी। जय सियाराम,

वहीं, दूसरे यूजर का कमेंट आता है, आप अच्छी लग रही हैं, हमेशा की तरह। एक और यूजर कमेंट करते हैं, नमस्ते नहीं, जय श्री राम। जय मां भद्रकाली मातेश्वरी नारायणी। योगी हैं आप। नारायण से नाम लो। जय श्री राम। कुछ यूजर कमेंट्स के माध्यम से यह सवाल भी पूछ रहे हैं कि क्या आप अकेली रहती हैं?

बता दें, ममता कुलकर्णी बीते कुछ समय में काफी विवादों में रही हैं। जनवरी 2025 में प्रयागराज महाकुंभ के दौरान वो किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनी थीं लेकिन कुछ ही समय बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर टिप्पणी करने के कारण वो विवादों में आ गईं। इसके बाद किन्नर अखाड़ा ने उन्हें पद से निष्कासित कर दिया।

# पति आदित्यधर के जन्मदिन पर यामी गौतम ने लुटाया प्यार

उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'धुरंधर' जैसी दमदार फिल्में बनाने वाले मशहूर निर्देशक आदित्य धर गुरुवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री यामी गौतम ने जन्मदिन की बधाई दी। यामी गौतम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर आदित्यधर के साथ तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में दोनों रेगिस्तान में रेत के टीलों के बीच खड़े हैं, तो दूसरी तस्वीर में दोनों सेल्फी लेते दिख रहे हैं। यामी ने पोस्ट कर लिखा, काश मेरे पास इतने शब्द होते कि मैं बता पाती कि तुम मेरे लिए कितने खास हो। मेरे प्रिय आदित्य, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, आदित्य। यामी गौतम और आदित्य धर ने एक-दूसरे-दूसरे को तीन साल तक डेट करने के बाद 4 जून 2021 'कोइंटिमेट वेडिंग' की, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग शामिल हुए। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में अपने पैतृक घर पर पारंपरिक तरीके से शादी की थी।

बता दें कि दोनों की पहली मुलाकात फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के सेट पर हुई थी, जिसमें आदित्य धर निर्देशक थे और और अभिनेत्री मुख्य भूमिका में थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर वह प्यार में बदल गई। दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम वेदविद है।

आदित्य धर एक जाने-माने फिल्ममेकर हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स में बीटेक करने के बाद रेडियो जॉकी के तौर पर करियर की शुरुआत की। इसके बाद स्क्रीनराइटर के तौर पर काम किया। आक्रोश और तेज जैसी फिल्मों के वह लेखक रह चुके हैं।

इसके बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने का मन बनाया। पहले तो वो फिल्मों के लिए गाने लिखा करते थे। उन्होंने हाल-ए-दिल, काबुल एक्सप्रेस और डैडी कूल जैसी फिल्मों के लिए गाने लिखे थे।

गाने लिखने के साथ ही उन्होंने स्क्रीनराइटिंग भी शुरू कर दी थी। इसके बाद आदित्य ने 2019 में फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' रिलीज की थी। इस फिल्म ने उन्हें काफी लोकप्रियता दी थी। साथ ही, इस फिल्म के लिए आदित्य को नेशनल अवॉर्ड से भी नवाजा गया। इसके बाद निर्देशक ने साल 2025 में धुरंधर रिलीज की, जिसने बॉक्स ऑफिस में जोरदार सफलता के साथ वर्ल्डवाइड लोकप्रियता हासिल की।

# तुमने मेरी कमजोरियों को संभाला... अंकिता कोंवर ने मिलिंद सोमन के लिए लिखा इमोशनल नोट

मॉडल और अभिनेता मिलिंद सोमन और उनकी पत्नी अंकिता कोंवर अक्सर अपनी लव स्टोरी को लेकर चर्चा में रहते हैं। दरअसल, दोनों की उम्र में 26 साल का अंतर है, जिसके चलते शादी के बाद दोनों को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब दोनों की शादी को 13 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अंकिता ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट के जरिए को सालगिरह की बधाई दी। उन्होंने लिखा, 13 साल पहले, प्यार धीरे-धीरे मेरी जिंदगी में आया और वहीं ठहर गया। उसी प्यार ने मुश्किल वक्तों में, लंबी दूरी में, और उन दिनों में भी मेरा साथ दिया, जब सब कुछ बहुत भारी लगता था। उन्होंने आगे लिखा, तुमने मेरे हर रूप को अपनाया, मेरी ताकत को समझा और कमजोरियों को बहुत प्यार से संभाला। तुम मेरी हर जीत पर खुश हुए और उन चुनौतियों में भी मेरे साथ खड़े रहे, जो नामुमकिन लगती थीं। इन 13 सालों में बहुत सारी हंसी, बातें, तरक्की, माफी मांगना, रोमांच और वो प्यार रहा, जो हर दिन बदलता और मजबूत होता गया। खूबसूरत बात ये है कि आज भी मैं हर रोज इस प्यार के लिए बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं, जो हम दोनों साथ मिलकर जीते हैं।

मिलिंद और अंकिता की जोड़ी फिटनेस, एडवेंचर और एक-दूसरे के प्रति गहरे सम्मान के लिए जानी जाती है। वे अक्सर साथ ट्रेकिंग करते हैं, मैराथन दौड़ते हैं और जिंदगी को सकारात्मक तरीके से जीते हैं। मिलिंद सोमन और अंकिता कोंवर ने साल 2018 में शादी की थी उस वक्त मिलिंद की उम्र 52 और अंकिता की उम्र मात्र 26 साल थी।

मिलिंद सोमन ने ग्लैमर वर्ल्ड में अपनी शुरुआत मॉडलिंग से ही की थी लेकिन उन्हें पहचान फेमस पॉप सिंगर अलीशा चिनॉय के म्यूजिक वीडियो से ही मिली थी। इसके बाद उन्होंने अभिनय की तरफ भी रुख किया। मिलिंद ने साल 2000 में आई फिल्म 'तरकीब' की थी, जो बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी थी। इसके बाद वो दो साल तक फिल्मों से दूर रहे।

# कौन है फरमान खान? महाकुंभ वाली मोनालिसा के पति का टीवी से नाता, 6 महीने पहले फेसबुक पर हुई थी मुलाकात

महाकुंभ मेले के दौरान माला बेचकर फेमस हुई मोनालिसा ने फरमान खान से शादी कर ली है। जब से दोनों की शादी की फोटोज और वीडियोज वायरल हो रहे हैं, लोग यही जानना चाहते हैं कि फरमान हैं कौन! आइए बताते हैं मोनालिसा के पति के बारे में।

**मोनालिसा का पति फरमान कौन है**

महाकुंभ मेले के दौरान सुर्खियों में आने वाली मोनालिसा भोसले अब अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में केरल के एक मंदिर में एक्टर और मॉडल फरमान खान से शादी की। दोनों की शादी चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि खबरों के मुताबिक उनके परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ थे। शादी के बाद उन्होंने सुरक्षा के लिए केरल पुलिस से भी संपर्क किया।

शादी की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन खूब शेयर किए गए हैं। तस्वीरों में मोनालिसा लाल साड़ी और सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं, वहीं फरमान सफेद धोती और कुर्ते में दिख रहे हैं। फरमान ने मोनालिसा को लेकर कह दिया है कि वो भले ही उनसे 6 महीने पहले मिले हों, लेकिन उन्हें ये प्यार 60 साल का लग रहा है।

**कौन हैं मोनालिसा के पति फरमान खान?**

फरमान खान महाराष्ट्र के एक एक्टर और मॉडल हैं। उन्होंने मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स में काम किया

है और क्षेत्रीय सिनेमा से भी जुड़े रहे हैं। खबरों के मुताबिक, उनकी मुलाकात मोनालिसा से करीब डेढ़ साल पहले फेसबुक के जरिए हुई थी। एक साधारण ऑनलाइन बातचीत से शुरू हुआ यह रिश्ता धीरे-धीरे गहरी दोस्ती में बदल गया और बाद में लव अफेयर में परिवर्तित हो गया।

**परिवार को मंजूर नहीं रिश्ता**

हालांकि, उनके रिश्ते को उनके परिवारों से कड़ा विरोध झेलना पड़ा। इसका मुख्य कारण यह था कि दोनों अलग-अलग धर्मों से थे। खबरों के अनुसार, मोनालिसा के पिता इस रिश्ते को मंजूर नहीं करते थे और उन्होंने तो किसी और से उनकी शादी कराने की कोशिश भी की थी। दबाव के बावजूद, दोनों ने साथ रहने का फैसला किया और अपना रिश्ता जारी रखा।

**केरल जाकर कर ली शादी**

घर पर हालात बिगड़ने के बाद, मोनालिसा और फरमान कथित तौर पर केरल के तिरुवनंतपुरम चले गए। वहां उन्होंने सुरक्षा के लिए पुलिस से संपर्क किया। इसके कुछ ही समय बाद, पूवर के अरुमानूर नैनार मंदिर में एक सादे समारोह में उनकी शादी भी हो गई। खबरों के अनुसार, कुछ स्थानीय नेता और सार्वजनिक हस्तियां भी इस समारोह में शामिल हुईं और दोनों को आशीर्वाद दिया।

**मोनालिसा ने ही फरमान को किया प्रपोज**

फरमान ने बाद में बताया कि मोनालिसा ने ही पहले उन्हें प्रपोज किया था। उन्होंने कहा कि वह तुरंत सहमत नहीं हुए और शुरू में उन्होंने प्रपोजल ठुकरा दिया था। लेकिन समय के साथ, उन्होंने मोनालिसा की भावनाओं को स्वीकार कर लिया और दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी, जिसके बाद अंत में शादी करने का फैसला किया। अपनी शादी से पहले ही मोनालिसा प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान एक घटना के कारण चर्चा में आ गई थीं। मेले में रुद्राक्ष की माला बेचते समय लोगों की नजर उस पर पड़ी।

**कौन हैं मोनालिसा?**

ऑनलाइन कई लोगों को उनकी भूरी आंखें बहुत पसंद आईं, जो देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गईं। इस अचानक मिली प्रसिद्धि ने उन्हें रातोंरात इंटरनेट पर फेमस बना दिया। तब से मोनालिसा लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। ऐसी भी खबरें थीं कि शादी से पहले वह एक फिल्म की शूटिंग के लिए केरल गई थीं।

# 'मेरी बेटी नाना-नानी की तरह स्टाइलिश होगी' : मसाबा गुप्ता

## पोस्ट पर उर्मिला मातोंडकर ने भी दी प्रतिक्रिया

इंडस्ट्री में जब बात किसी ऐसे परिवार की होती है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुका हो, तो लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ जाती है। फिल्म इंडस्ट्री और क्रिकेट की दुनिया से जुड़ा ऐसा ही एक परिवार है, जिसमें एक तरफ दमदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली नीना गुप्ता हैं, तो दूसरी ओर क्रिकेट इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में गिने जाने वाले विव रिचर्ड्स हैं। इन दोनों की बेटी मसाबा गुप्ता भी फैशन की दुनिया में अपना खास नाम बना चुकी हैं। हाल ही में मसाबा ने सोशल मीडिया पर अपने पिता का एक पुराना वीडियो साझा किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। मसाबा गुप्ता ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विव रिचर्ड्स पुराने दिनों की यादों को ताजा करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह एक महिला से बातचीत करते हुए अपने क्रिकेट करियर के कुछ खास पलों के बारे में बताते दिखाई देते हैं। मसाबा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, "मेरे माता-पिता बहुत ही ज्यादा कूल हैं और मैं खुद उनके साथ कदम नहीं मिला पातीं।"

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मेरी बेटी जरूर अपने नाना-नानी की तरह बेहद स्टाइलिश और शानदार होगी।"

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने कमेंट्स बॉक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट में हार्ट और राइजिंग हैंड वाले इमोजी का इस्तेमाल किया।

वीडियो में विव रिचर्ड्स अपने करियर की एक यादगार पारी को याद करते नजर आते हैं। वे बताते हैं कि 1976 में लंदन में खेले गए एक मैच में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 291 रन बनाए थे। ये पुराने दिन याद करते हुए उन्हें अच्छा लगता है।

बातचीत के दौरान उनसे क्रिकेट की लोकप्रियता के बारे में भी सवाल किया गया। इस पर विव रिचर्ड्स ने कहा, "क्रिकेट दुनिया के सबसे शानदार खेलों में से एक है। यह करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ एक बड़ा मंच है। खासतौर पर कॉमनवेल्थ देशों में इसकी लोकप्रियता बहुत ज्यादा है। मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर हमेशा गर्व महसूस होता है।"

# रोहिणी बोलीं- प्रधानमंत्री जी, सिलेंडर की किल्लत का जश्न कब होगा

## कांग्रेस का सीएम को लेटर- चूल्हा-चौका संकट में है, कई शहरों में आज भी लंबी लाइन

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल जंग के असर से बिहार में 3 दिन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग बंद कर दी गई है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं होने की वजह से होटल, रेस्टॉरेंट पर काफी असर पड़ रहा है।

घरेलू गैस को लेकर भी बिहार के कई जिलों में तीसरे दिन भी लोगों की लंबी कतार दिख रही है। भागलपुर के हबीबपुर थाना क्षेत्र के सरदारपुर में एजेंसी के बाहर सिलेंडर के लिए करीब 500 मीटर लंबी लाइन लगी है।

एजेंसी खुलने का समय सुबह 9 बजे है, लेकिन उससे पहले ही गैस लेने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। गोपालगंज, खगड़िया,

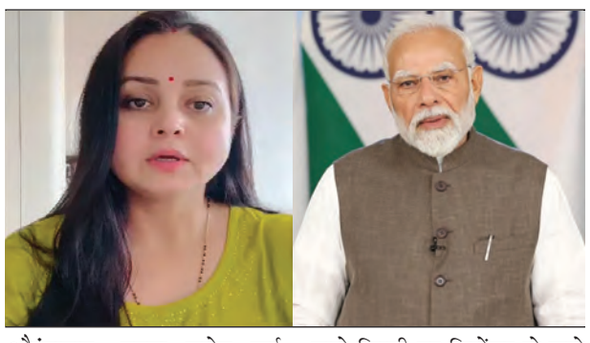

औरंगाबाद, पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंचने लगे।

इधर, लालू यादव की बेटी रोहिण आचार्य ने पीएम मोदी पर तंज कसा है।

उन्होंने एक्स पर लिखा है कि, सिलेंडर की किल्लत का जश्न कब मनेगा। नालंदा में पुलिस वाले जिप्सी पर सिलेंडर ले जाते दिखे। वहीं, गैस की किल्लत को लेकर बिहार कांग्रेस ने सीएम नीतीश को लेटर लिखा है। प्रवक्ता आसित नाथ तिवारी ने लिखा- 'यह समस्या सीधे बिहार के लोगों के पेट से जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री जी, चूल्हा-चौका संकट में आ गया है।'

# एलपीजी सिलेंडर की काला बाजारी पर गाजियाबाद जिलाधिकारी सख्त

## अब सीधे होगी एफआईआर

गाजियाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका, इजराइल और इराक के बीच चल रहे युद्ध के चलते पेट्रोल, डीजल और एलपीजी को लेकर तमाम तरह की बातें रह-रहकर सामने आ रही हैं। जिससे पेट्रोल, डीजल और गैस उपभोक्ताओं की चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में इन पेट्रोलियम उत्पादों की कालाबाजारी की भी सूचनाएं मिल रही हैं।

सबसे ज्यादा शोर घरेलू गैस सिलेंडरों को लेकर है। एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लाइन लगी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए गैस की कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है।

जिलाधिकारी रवींद्र मांदड़ ने स्पष्ट किया है कि बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस भरकर किलो के हिसाब से बेचने वालों, सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वाले और पेट्रोल-डीजल का अवैध स्टॉक करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए प्रशासन ने चार विशेष टीमों का गठन किया है, जो ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

इसी कड़ी में डीएम ने इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की।

बैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी पेट्रोल पंप संचालक या गैस एजेंसी मालिक अनैतिक स्टॉकिंग न करे और न ही पेट्रोल-डीजल या गैस की ब्लैक में बिक्री करे। गठित चारों टीमें जिले के पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर नजर रखेंगी और किसी भी शिकायत पर तुरंत जांच करेंगी।

डीएम रवींद्र मांदड़ ने कहा

कि कई स्थानों पर बड़े कमर्शियल सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों या अन्य कंटेनरों में गैस निकालकर किलो के भाव में बेचने की शिकायतें मिलती रही हैं।

यह पूरी तरह अवैध होने के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से भी खतरनाक है। इसलिए बनाई गई टीमें ऐसे स्थानों और लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी। हाल ही में प्रशासन की टीमों ने जांच के दौरान कुछ ऐसे लोगों को चिन्हित भी किया था, जो गैस की अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी में लिप्त पाए गए, जिन पर कार्रवाई की गई है।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति व्यवस्था पर भी प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है। यदि कोई पेट्रोल पंप संचालक तेल का अनावश्यक भंडारण कर उसे ब्लैक में बेचने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण टीमें पेट्रोल पंपों की भी नियमित जांच करेंगी। डीएम ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और घबराकर पेट्रोल, डीजल या गैस की अतिरिक्त खरीदारी न करें।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में पेट्रोल, डीजल और गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

यदि कोई व्यक्ति गैस, पेट्रोल या डीजल की कालाबाजारी करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ जिला प्रशासन सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा।

# सीने से लगाकर 4 बेटियों को बारी-बारी से कुएं में फेंका

## डूबने के बाद मां ने लगाई फांसी, सागर में रूह कंपा देने वाली घटना

सागर, 12 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक ही परिवार के पांच सदस्यों के लिए खेत का कुआं काल बन गया। एक महिला ने पहले अपनी 4 मासूम बेटियों को कुएं में फेंका और बाद में खुद भी पेड़ पर फंदा बनाकर झूल गई। जिसने भी इस घटना को के बारे में सुना दहल उठा। मामला केसली थाना क्षेत्र के टाडा चौकी के खमरिया गांव का है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार खमरिया निवासी 30 वर्षीय सविता लोधी ने पारिवारिक कलह से अपनी चार बेटियों को कुएं में फेंककर खुद ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बेटियों में सबसे बड़ी की उम्र 7 साल है और सबसे छोटी बेटी की उम्र 5 महीने थी। सविता ने कलेजे पर पत्थर रखकर पहले मासूमों को खेत पर कुएं में फेंका, जब उसने देखा कि सभी डूब गईं तो फिर, खुद भी जान दे दी। घटना की जानकारी लगते ही इलाके में सनसनी फैल गई। पूरे इलाके में गमगीन माहौल बन गया है।

फिलहाल इस मामले में प्रारंभिक तौर पर जो जानकारी सामने आई है, उसमें स्पष्ट रूप से कोई कारण सामने नहीं आ सका, लेकिन ग्रामीणों ने जो कहानी सुनाई उसमें सविता का पति चंद्रभान लोधी ट्रक चलाता है और वह महीनों तक वह घर नहीं आता है। जिसकी वजह से महिला परेशान रहती थी। घरेलू कलह इसमें बड़ी वजह मानी जा रही है, फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बता दें जैसे ही गुरुवार की दोपहर यह खबर सामने आई तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया। मामले में गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी थी। तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और गांव वालों की मदद से बच्चियों के शव निकलवाएं। ग्रामीणों ने कई दफा गोता लगाकर बच्चियों के शव को खोज कर बाहर निकाला। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची थी। पुलिस मामले में जांच कर रही है। थाने को सूचना मिली थी कि टाडा चौकी क्षेत्र के खमरिया में सविता लोधी ने अपनी चार बेटियों को कुएं में फेंक दिया और बाद में खुद आत्महत्या कर ली है। एमपी के खरगोन जिले के सनावद में ठीक एक दिन पहले बुधवार को भी ऐसी ही घटना सामने आई थी। इसमें मलगांव और भोमवाड़ा गांव के बीच स्थित एक खेत में यह घटना हुई। इसमें महिला नानी बाई ने अपने दो वर्षीय पुत्र अर्जुन और चार वर्षीय पुत्र करण को खेत में बने कुएं में फेंक दिया। इसके बाद वह स्वयं भी अपने लगभग 15 दिन के शिशु को लेकर कुएं में कूद गई। हालांकि वह तैरना जानती थी, इस कारण बच गई, लेकिन बच्चों की मौत हो गई थी।

# रेड पड़ते ही खिड़की से फेंके नोटों के बंडल

## अधिकारियों ने कचरे से निकाले 5 लाख, पटना में स्वास्थ्य अधिकारी के घर से 15 लाख मिले

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। पटना में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पंकज कुमार के 3 ठिकानों पर विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) की रेड चल रही है। टीम जैसे ही पंकज कुमार के घर में दाखिल हुई वो खिड़की से नोटों के बंडल फेंकने लगे। टीम ने कचरे के ढेर से 5 लाख रुपए जब्त किए हैं। अब तक की कार्रवाई में 15 लाख कैश जब्त किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि रेड जारी है ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है। पंकज कुमार मूल रूप से मुजफ्फरपुर के कांटी इलाके के रहने वाले हैं। वो बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के डीजीएम (प्रोजेक्ट) हैं।

आय से अधिक संपत्ति मामले में गुरुवार को उनके 2 घरों और ऑफिस पर छापेमारी की गई है।

# बाराबंकी में बीएसए और प्रतापगढ़ में एनएमए के पद पर एक आदमी करता रहा 17 साल नौकरी

## अब 7 साल की हुई जेल

बाराबंकी, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी और प्रतापगढ़ जिले में एक साथ एक ही दस्तावेजों से सरकारी नौकरी करने वाले शख्स का कोर्ट के आदेश पर चौंकाने वाला मामला समाने आया है। सतरिख थाना क्षेत्र नरौली गांव के निवासी जयप्रकाश सिंह ने कथित तौर पर एक ही शैक्षिक प्रमाणपत्र और दस्तावेजों का उपयोग कर दो अलग-अलग सरकारी विभागों में नौकरी हासिल कर ली थी। आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों की मदद से शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति पाई और वर्षों तक दोनों जगहों से वेतन और भत्ते लेते रहे।

**17 साल तक चलाई दो नौकरियां**

जांच में पता चला कि जयप्रकाश सिंह की पहली नियुक्ति 26 दिसंबर 1979 को प्रतापगढ़ जिले के स्वास्थ्य विभाग में नॉन-मेडिकल असिस्टेंट (एनएमए) के रूप में हुई थी। इसके बाद जून 1993 में उन्होंने बाराबंकी जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक पद पर भी नौकरी प्राप्त कर ली। हैरानी की बात यह रही कि दोनों नियुक्तियों में लगभग एक जैसे दस्तावेजों का उपयोग किया गया और लंबे समय तक वे दोनों विभागों में कर्मचारी के रूप में दर्ज रहे।

सरकारी नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति एक समय में केवल एक ही सरकारी पद पर कार्य कर सकता है। इसके बावजूद जयप्रकाश सिंह लगभग 17 वर्षों तक दोनों जिलों में सरकारी कर्मचारी बने रहे। इस दौरान उन्हें दोनों विभागों से नियमित रूप से वेतन और अन्य भत्ते मिलते रहे। यह सवाल भी उठता रहा कि इतने लंबे समय तक यह मामला अधिकारियों की नजर से कैसे छिपा रहा।

**आरटीआई से हुआ मामले का खुलासा**

बाराबंकी शहर के आवास विकास कॉलोनी निवासी प्रभात सिंह ने 20 फरवरी 2009 को मामले में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से दोनों विभागों से जानकारी मांगी गई। रिकॉर्ड की जांच में यह सामने आया कि जयप्रकाश सिंह एक ही समय में प्रतापगढ़ के स्वास्थ्य विभाग और बाराबंकी के शिक्षा विभाग में कार्यरत थे और दोनों जगह से वेतन ले रहे थे। जांच के बाद उनके खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचना के आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई।

**अदालत ने सुनाई सात साल की सजा**

सुनवाई के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधा सिंह की अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया। अदालत ने जयप्रकाश सिंह को सात वर्ष के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। साथ ही सरकारी खजाने से प्राप्त किए गए वेतन की वसूली का भी आदेश दिया गया। अभियोजन अधिकारी अनार सिंह के अनुसार, मामले की जांच और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया, जिसने सरकारी व्यवस्था में निगरानी की कमी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

# आदि कैलाश यात्रा 1 मई से शुरू करने की तैयारी

पिथौरागढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड में आदि कैलाश यात्रा 1 मई से शुरू करने की तैयारी है। मौसम अनुकूल रहा तो प्रशासन अप्रैल के आखिरी सप्ताह से इनर लाइन परमिट जारी कर सकता है। पिछले साल यहां 30 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे, ऐसे में इस बार और बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की उम्मीद है।

आदि कैलाश पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र की व्यास घाटी में स्थित है। नवंबर से मार्च तक यहां भारी बर्फबारी के कारण आवागमन बंद रहता है। सुरक्षा कारणों के चलते व्यास घाटी में छियालेख से आगे जाने के लिए इनर लाइन

परमिट अनिवार्य होता है, जिसे तहसील प्रशासन जारी करता है। पिथौरागढ़ के डीएम आशीष भटगांई ने बताया, यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जल्द ही आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी। आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट धारचूला स्थित एसडीएम कार्यालय से ऑफलाइन लिया जा सकता है।

आवेदन के लिए आधार कार्ड, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और पासपोर्ट साइज फोटो जरूरी होते हैं। यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन की भी सुविधा है।

# यूपी में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 2 अफसरों की हत्या

## ठेकेदार ने ऑटोमैटिक गन से डीजीएम और मैनेजर को मारी गोलियां

बदायूं, 12 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के बदायूं में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के डीजीएम यानी उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता (55 साल) और असिस्टेंट मैनेजर सेल्स हर्षित मिश्रा (40 साल) की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

गोली मारने का आरोप ठेकेदार अजय प्रताप सिंह उर्फ रामू सिंह पर है। अजय प्लांट में पराली वेंडर था। तीन महीने पहले उसकी फर्म को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया था। इससे वह खुन्नस मान रहा था।

हर्षित मिश्रा ने 2 फरवरी को अजय के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कराया था। सिक्योरिटी मांगी थी। बावजूद इसके आरोपी पर कोई एक्शन नहीं लिया गया।

अजय गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे बोलेरो से प्लांट पर पहुंचा। बोलेरो में अजय समेत 6 लोग बैठे थे। इनमें प्लांट के 4 कर्मचारी और ड्राइवर था। कर्मचारियों की 2 बजे से शिफ्ट थी। प्लांट में एंट्री के समय बोलेरो चेक नहीं की गई। अजय ऑटोमैटिक गन लेकर पहुंचा था। उसने सुधीर और हर्षित पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इससे दोनों की मौत हो गई।

वारदात के बाद प्लांट में एंट्री रोक दी गई। आरोपी अजय प्रताप सिंह सैंजनी गांव के प्रधान का चाचा है। उसकी मां किरन देवी कोटेदार हैं। प्लांट भी उसके गांव में है।

एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा, डीआईजी अजय साहनी ने स्टाफ से पूछताछ की। एसएसपी ब्रजेश सिंह ने बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का सैंजनी गांव में कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट है। यहां पराली से हर दिन 14 मीट्रिक टन ईंधन का उत्पादन किया जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब एक बजे सैंजनी निवासी अजय प्रताप सिंह कुछ लोगों के साथ जबरन प्लांट पर घुस आया। उसने सुधीर और हर्षित के साथी गाली गलौज शुरू कर दी। दोनों अधिकारियों ने उसका विरोध किया। इसी बीच अजय ने फायरिंग शुरू कर दी। जिससे सामने खड़े दोनों अधिकारियों को गोली लग गई और वे घायल होकर गिर पड़े। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला। दोनों अधिकारियों को घायल अवस्था में दातागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद एचपीसीएल प्लांट, दातागंज सीएचसी और जिला अस्पताल में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्लांट के अंदर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। अजय ने एक महीने पहले सबक सिखाने की धमकी दी थी

हत्या की वजह 2 फरवरी का विवाद बताया जा रहा है। फरवरी में अजय प्रताप सिंह ने प्लांट में उत्पात मचाया था। वह सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए अंदर घुस गया था। इस पर उसका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया। फर्म भी ब्लैक लिस्टेड कर दी गई थी।

इस पर उसने डीजीएम सुधीर गुप्ता को जान से मारने की धमकी दी थी। उस वक्त अजय प्रताप सिंह ने खुद को नोएडा और शाहजहांपुर के कुख्यात गैंगस्टर गिरोहों से जुड़ा हुआ बताया। अपने शरीर पर चाकुओं के निशान दिखाते हुए कहा था- वह सबको सबक सिखा देगा।

# एलपीजी सिलेंडर की कमी के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

रायपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा के बजट सत्र में एलपीजी सिलेंडर की कमी का मुद्दा उठते ही सदन में जोरदार हंगामा हो गया।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि प्रदेश में सिलेंडर नहीं मिलने से लोग और होटल संचालक परेशान हैं। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने इसे सदन के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया, जिस पर पक्ष-विपक्ष में तीखी नारेबाजी शुरू हो गई।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जनहित को देखते हुए स्थगन प्रस्ताव स्वीकार कर इस मुद्दे पर चर्चा कराई जानी चाहिए, लेकिन सभापति ने यह कहते हुए स्थगन प्रस्ताव खारिज कर दिया कि यह विषय केंद्र सरकार से जुड़ा है। इसके बाद विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल तक पहुंच गए जिन्हें बाद में सस्पेंड कर दिया गया।

# 13-14 साल की लड़कियां अफीम उगाने में लगाई गई

## 300 में कराई जाती थी मजदूरी, झारखंड में एक्शन के बाद छत्तीसगढ़ का रुख किया

बलरामपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के जिस त्रिपुरी पंचायत के सरनाटोली मोहल्ले में अफीम की खेती पकड़ी गई, उसका खुलासा उसी गांव की एक नाबालिग मजदूर लड़की को रांची भगाकर ले जाने से जुड़ा है।

ग्रामीणों का कहना है कि लड़की अफीम के खेत में मजदूरी करने के लिए जाती थी। कुछ और नाबालिग वहां काम करने जाते थे और बदले में उन्हें 300 रुपए मजदूरी दी जाती थी।

गांव के कुछ लोग खेत में काम करने के लिए नाबालिग मजदूर उपलब्ध करवाते थे। इधर, खजूरी के तुर्रीपानी में भी डेढ़ एकड़ जमीन में अफीम की खेती मिली है।

जानकारों का कहना है कि झारखंड में अफीम की खेती के खिलाफ सख्ती बढ़ने के बाद अफीम नेटवर्क छत्तीसगढ़ में पैर

फैला रहा है। बलरामपुर के त्रिपुरी ग्राम पंचायत के सरनाटोली मोहल्ले में 3.67 एकड़ में अफीम की फसल मिली थी। बुधवार (11 मार्च) को मजिस्ट्रेट आशीष कुमार चंदोहे की मौजूदगी में अफीम की फसल को उखड़वाया गया और उसे जब्त किया गया।

जब्त अफीम की कीमत 2 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने दो महीने पहले अफीम की फसल देखी थी। यदि उन्हें पता होता कि अफीम की खेती हो रही है तो पुलिस को जरूर बताते।

ग्रामीणों ने बताया कि झारखंड से आए चौकीदार कुछ लोगों के संपर्क में थे और वे मजदूरों को बुलवाते थे। वे कम उम्र के लोगों से मजदूरी करवाते थे। बदले में उन्हें एक दिन के 300 रुपए मजदूरी देते थे। एक ग्रामीण ने बताया कि उसका बेटा रामपाल और नेहरू कुछ दिन खेत पर मजदूरी किए हैं।

वहीं, एक लड़की जो 13-14 साल की है, वह भी अफीम के खेत में काम करने जाती थी। एक दिन वह अचानक गायब हो गई, फिर पता चला कि वह अफीम के खेत के ही एक चौकीदार के पास है। यह मालूम हुआ कि उसे चौकीदार भगाकर रांची ले गया है। वहां आरपीएफ ने संदेह के आधार पर चौकीदार और लड़की से पूछताछ की।

चौकीदार वहां से भाग गया। लड़की ने फोन पर अपने पिता को इस बारे में बताया। पिता उसे गांव लेकर पहुंचे और पंचायत बैठी। इसमें ग्रामीणों ने अजीबोगरीब खेती की बात भी बताई।

# एनकाउंटर में ढेर अमित जोश के जीजा ने की छेड़छाड़

दुर्ग, 12 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग में अमित जोश के जीजा ने एक युवती को मीटिंग के बहाने लॉज में बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकतें की।

युवती के विरोध करने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। अब शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर इलाके में जुलूस निकाला। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड मांगा है।

आरोपी लक्की जॉर्ज उर्फ सोनू, अमित जोश का जीजा है। पुलिस ने 2024 में अमित जोश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। अमित जोश पर कई अपराधिक मामले थे। लक्की जॉर्ज भी पुराना अपराधी है। इसके खिलाफ भी कई मामले दर्ज हैं। पीड़िता पिछले कुछ समय से अकाउंट से जुड़ा काम कर रही थी। वी. लक्की जार्ज उर्फ सोनू व्यापार से जुड़ी बातों को लेकर उससे हफ्ते में एक-दो बार होटल में मीटिंग करता था। इसी सिलसिले में 5 मार्च को आरोपी ने उसे पावर हाउस इलाके के एक लॉज में मीटिंग के लिए बुलाया।

पीड़िता ने अनुसार, वह शाम करीब 4 बजे होटल पहुंची। वहां पहुंचने पर उसने देखा कि कमरे के अंदर आरोपी अकेले बैठकर शराब पी रहा है। इसके बाद वो बाहर जाने लगी। इसी बची आरोपी लक्की ने उसे जबरदस्ती कमरे में बंद कर लिया। आरोपी ने युवती के साथ अश्लील हरकतें की। पीड़िता किसी तरह धक्का देकर बाहर निकलने में कामयाब रही।

# स्वाति अघोरी ने नगीना सांसद चंद्रशेखर को दी धमकी

## लिखा-मेरा शिकार है, कोई बीच में नहीं आएगा, अगला हमला इसपर होगा

प्रयागराज, 12 मार्च (एजेंसियां)। प्रयागराज में आशुतोष ब्रह्मचारी पर हुए हमले के मामले में सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने वाली स्वाति अघोरी ने एक और पोस्ट किया है। इस बार भीम आर्मी प्रमुख नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को धमकी दी है। उसने कहा- अगला हमला इस पर होगा, मेरा शिकार है, कोई बीच में नहीं आएगा।

अपनी पोस्ट में उसने लिखा है- सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वाला चंद्रशेखर आजाद उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में आ रहा है। अगला हमला इस पर होगा, बीच में न करनी सेना आए, न कोई संगठन, ये मेरा शिकार है।

आशुतोष महाराज को धमकी देने के बाद सबसे बड़ा सवाल उठ रहा है कि अब तक स्वाति अघोरी से पुलिस की पकड़ से दूर क्यों? फेसबुक आईडी अब तक एक्टिव कैसे? कौन है स्वाति अघोरी? हमले में जांच से दूर क्यों स्वाति अघोरी? ऐसे कई सवाल अब खड़े हो रहे, क्योंकि उसी फेसबुक प्रोफाइल से धमकियां मिल रही हैं। आशुतोष महाराज पर हमला मामले में कैसे हुई स्वाति अघोरी की एंट्री रविवार (8 मार्च) सुबह 5 बजे चलती ट्रेन में आशुतोष महाराज पर जानलेवा हमला हुआ था। उनकी नाक काटने की कोशिश की गई थी। खून से लथपथ आशुतोष महाराज ने ट्रेन के बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई थी।

हमले के 5 घंटे बाद करीब 10 बजे डॉ. स्वाति अघोरी नाम के फेसबुक अकाउंट से हमले की जिम्मेदारी ली गई थी। इसी पर थोड़ी देर बाद दूसरा पोस्ट आया। लिखा- सत्य सनातन धर्म की जय हो। गोमाता राष्ट्र माता का संकल्प पूरा होकर रहेगा। जो बीच में आएगा, आदिशक्ति के क्रोध से नहीं बचेगा।

बाद में हमले की जिम्मेदारी वाला पोस्ट डिलीट कर दिया गया था। इसके बाद रात करीब 8 बजे एक और पोस्ट की गई।

# ईरान ने भारतीय जहाजों के लिए खोला रास्ता

## क्या यह बारूदी सुरंग बने होर्मुज में हमारा कूटनीतिक पंच है?

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में भड़के युद्ध के बीच पूरी दुनिया की ऊर्जा सप्लाई लाइन खतरे में है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पश्चिमी देशों के विदेशी जहाजों के लिए लगभग 'नो-गो जोन' बन चुका है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में, ईरान की ओर से भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने देने की बात कही गई। हालांकि कई रिपोर्ट्स में ईरानी सूत्रों के हवाले इन रिपोर्ट्स को खारिज भी किया जा रहा है। इस बीच इस खबर पर पूरी दुनिया की नजर इस पर बनी हुई है। निश्चित तौर पर अगर भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने की इजाजत मिली है तो इससे देश में ऊर्जा संकट की संभावित आशंका को दूर करने में मदद मिलेगी।

देश के लिए यह महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की एक कॉल ने वह कर दिखाया है जो पश्चिमी देशों के जंगी बेड़े नहीं कर सके।

ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे भीषण युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव चरम पर है। विदेशी जहाजों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले हो रहे हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसी बीच, भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास आराघची के बीच एक उच्च-स्तरीय कूटनीतिक वार्ता हुई। इस बातचीत का सीधा और त्वरित असर यह हुआ कि ईरान ने 'भारत के झंडे वाले' टैंकरों को इस क्षेत्र से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी। कूटनीतिक सहमति बनते ही इसके नतीजे समुद्र में दिखने लगे। समझौते के तुरंत बाद दो भारतीय तेल टैंकर, 'पुष्पक' और 'परिमल', इस संवेदनशील जलडमरूमध्य से बिल्कुल सुरक्षित गुजरते हुए देखे गए। यह ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका, यूरोप और इस्राइल के जहाज अब भी प्रतिबंधों और हमलों के गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं। ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को एक रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ईरान ने खुली चेतावनी दी है कि वह 'अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए एक लीटर तेल भी यहां से नहीं गुजरने देगा'। उसका मुख्य मकसद इस महत्वपूर्ण चोकपॉइंट को नियंत्रित करके दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था को झकझोरना और पश्चिमी देशों पर दबाव बनाना है। होर्मुज का रास्ता कच्चे तेल की सप्लाई के लिए दुनिया की जीवनरेखा है। युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने के डर से तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ऐसे में, जब दुनिया भर के टैंकर निशाने पर हैं, केवल भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिलने से देश की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला मजबूत बनी रहेगी। इससे भारत में तेल की किल्लत और महंगाई का खतरा काफी हद तक कम हो गया है।

# रोटी-डोसा रेस्तरां के मेनू से गायब

**चाय की जगह नींबू पानी; रसोई तक कैसे पहुंचा पश्चिम एशिया का तनाव?**

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। अगर आप आज अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट में गर्मागर्म डोसा, पूरी या अपनी पसंद की चाय पीने जा रहे हैं, तो शायद ऐसा करने में देश के कुछ हिस्सों में आपको निराशा हाथ लग सकती है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने भारत में वाणिज्यिक रसोई गैस का भारी संकट पैदा कर दिया है। हालात इतने गंभीर हैं कि मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई और दिल्ली-एनसीआर में बड़े पैमाने पर होटल और रेस्तरा कमर्शियल गैस सिलिंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से संकट में हैं। कई जगहों पर मेनू छोटे किए जा रहे हैं। खाना पकाने वाली गैस की सप्लाई घटने से राशनिंग की नौबत आ गई है। आइए एक आम उपभोक्ता के नजरिए से समझते हैं खाड़ी में चल रहा यह युद्ध हमारी थाली अब कैसे प्रभावित करने लगा है?

गैस बचाने के लिए कुक अब ऐसा खाना बना रहे हैं जिसमें कम ईंधन की खपत हो ताकि गैस का स्टॉक लंबे समय तक चल सके।

**मेनू में बदलाव:** चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों में रेस्टोरेंट ने डोसा और पूरी जैसे ज्यादा गैस खपत वाले व्यंजन बनाना बंद कर दिया है। नई दिल्ली के एक ढाबे के बाहर तो बकायदा बोर्ड लगा दिया गया कि 'आज सिर्फ दाल-चावल मिलेंगे'।

चाय-कॉफी पर संकटः गुजरात की एक ऑटोमोबाइल फैक्ट्री की कैंटीन ने तली हुई चीज बंद कर दी हैं और चाय की जगह नींबू पानी और गर्म सूप की जगह छाछ देना शुरू कर दिया है।

**हॉस्टल और पीजीः** हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर में हॉस्टल वालों ने राजमा और छोले जैसी चीजें बनानी बंद कर दी हैं, जिससे उत्तर भारतीयों को खासी परेशानी हो रही है। दिल्ली हाईकोर्ट की कैंटीन में भी मुख्य भोजन हटाकर केवल सैंडविच, सलाद और फ्रूट चाट दिए गए। इस संकट की जड़ें पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से जुड़ी हैं। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक होने के नाते भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ा है। इस संकट से छोटे कारोबारियों और टूरिज्म पर क्या असर पड़ रहा है?

इस गैस किल्लत से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर और छोटे व्यवसायों पर दोहरी मार पड़ी है। पुणे का मशहूर 'मॉडर्न कैफे' गैस खत्म होने के कारण लगातार दो दिन बंद रहा।

पर्यटन पर खतरा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे पर्यटन राज्यों में होटल मालिक डरे हुए हैं। धर्मशाला होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्वनी बाम्बा के मुताबिक, गैस की अनिश्चितता के कारण होटल वाले एडवांस बुकिंग लेने से कतरा रहे हैं।

**फूड डिलीवरीः** एलारा सिक्योरिटीज के विश्लेषक करण तौरानी का मानना है कि इस ईंधन संकट से रेस्टोरेंट की क्षमता घटेगी और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स पर भी असर पड़ेगा। लोग अब इलेक्ट्रिक ओवन और फ्रायर का इस्तेमाल करने वाले 'क्विक सर्विस चेन' की तरफ रुख कर सकते हैं।

संकट से बचने के लिए कारोबारी और सरकार अलग-अलग तरह के विकल्प आजमा रहे हैं।

**इलेक्ट्रिक और माइक्रोवेवः** आईआरसीटीसी ने रेलवे स्टेशनों पर अपनी कैटरिंग यूनिट्स को इंडक्शन और माइक्रोवेव का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है।

लकड़ी और कोयलाः भुवनेश्वर नगर निगम ने सड़क किनारे के ढाबों के लिए कोयले और जलाऊ लकड़ी पर लगा प्रतिबंध फिलहाल हटा लिया है। वहीं मुंबई की बेकरियां भी अपने पुराने लकड़ी वाले ओवन फिर से चालू करने की अनुमति मांग रही हैं।

**बायोगैस का उपयोगः** बेंगलुरु की 'एम्पायर रेस्टोरेंट चेन' ने बायोगैस प्लांट के ईंधन से काम चलाना शुरू कर दिया है। इसके सीईओ शाकिर हक का कहना है कि भविष्य के लिए डुअल-फ्यूल (दोहरे ईंधन) सिस्टम पर विचार किया जा रहा है।

स्थिति अभी चुनौतीपूर्ण है। बेंगलुरु पीजी ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुणकुमार डीटी के अनुसार, पीजी के पास मुश्किल से 4-5 दिन का गैस स्टॉक बचा है। कम ऊर्जा वाले व्यंजन बनाकर इसे दो दिन और खींचा जा सकता है। जब तक गैस की आपूर्ति स्थिर नहीं हो जाती, तब तक सामान्य मेनू का वापस आना मुश्किल है।

पश्चिम एशिया के इस भू-राजनीतिक संकट ने यह साबित कर दिया है कि हमारी रसोई भी ग्लोबल सप्लाई चेन से गहराई से जुड़ी है। जब तक हालात सामान्य नहीं होते, तब तक आम आदमी को बाहर खाने में सीमित विकल्पों से ही काम चलाना पड़ेगा। यह स्थिति रेस्तरां और कारोबारियों के लिए एक बड़ा सबक है कि किसी एक तरह के ईंधन पर निर्भर रहना कितना जोखिम भरा हो सकता है।

# लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

## सेंसेक्स 829 अंक टूटा, निफ्टी 23700 के नीचे

मुंबई 12 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 829.29 अंक या 1.08 प्रतिशत गिरकर 76,034.42 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 227.70 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 23,639.15 पर बंद हुआ।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों ने बाजार को कमजोर क्षेत्र में धकेल दिया है। युद्ध के जारी रहने और थमने के कोई संकेत न दिखने के साथ-साथ ब्रेंट क्रूड के एक बार फिर 100 डॉलर के स्तर पर पहुंचने से यह कमजोरी बनी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भले ही डीआईआई लगातार बाजार में खरीदारी कर रहे हैं, लेकिन डीआईआई की खरीदारी बाजार को उबरने में मदद नहीं कर रही है क्योंकि एफआईआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं और इस अनिश्चित वैश्विक माहौल में अपनी रणनीति बदलने के कोई संकेत नहीं दिखा रहे हैं।

**ब्रेंट क्रूड का कीमतों में आई तेजी**

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। आज सुबह वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। इससे कुछ दिन पहले ही यह कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के करीब पहुंच गई थी, जिससे वैश्विक वित्तीय बाजारों और अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है।

तेल की कीमतों में 9% से ज्यादा की तेजी तब आई जब हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास व्यावसायिक जहाजों पर ईरान के हमलों के बाद आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई। वहीं अमेरिकी मानक डब्ल्यूटीआई क्रूड भी उछलकर करीब 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

## दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

शुक्र १२ शनि, १० | सूर्य राहु ११ बुध मंगल | १ | चंद्र ९ | २ | ८ | गुरु ३ | ४ | केतु ५ | ६ | ७

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ | मे |
| चंद्र | धनु | मे |
| मंगल | कुंभ | मे |
| बुध | कुंभ | मे |
| गुरु | मिथुन | मे |
| शुक्र | मीन | मे |
| शनि | मीन | मे |
| राहु | कुंभ | मे |
| केतु | सिंह | मे |

| लग्नारंभ समय | | |
|---|---|---|
| कुंभ.... | 04-52 | बजे |
| मीन.... | 05-31 | बजे |
| मेष..... | 08-07 | बजे |
| वृष.... | 09-51 | बजे |
| मिथुन.. | 11-53 | बजे |
| कर्क... | 14-04 | बजे |
| सिंह--- | 16-16 | बजे |
| कन्या-- | 18-23 | बजे |
| तुला---- | 20-28 | बजे |
| वृश्चिक.. | 22-39 | बजे |
| धनु..... | 00-52 | बजे |
| मकर... | 02-58 | बजे |

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-29**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874** सूर्यास्त. **18 -22**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885126**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष शुक्रवार **13 March 2026**
तिथि - नवमीं **06-29** तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - पूर्वाषाढा **03-03** रात तक उप उत्तराषाढ़
योग - व्यतिपात **10-31** तक उप वरियान
करण - गर **06-29** तक उप वणिज

**दशामाता व्रत**

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

**राहुकाल 10-56 से 12-26 तक**

**पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710**

| दिन का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| चंचल | 06-29 - 07-57 | शुभ |
| लाभ | 07-57 - 09-26 | शुभ |
| अमृत | 09-26 - 10-56 | शुभ |
| काल | 19-56 - 12-26 | अशुभ |
| शुभ | 12-26 - 13-55 | शुभ |
| रोग | 13-55 - 15-26 | अशुभ |
| उत्पात | 15-26 - 16-55 | अशुभ |
| चंचल | 16-55 - 18-22 | शुभ |

| रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| रोग | 18-22 - 19-55 | अशुभ |
| काल | 19-55 - 21-25 | अशुभ |
| लाभ | 21-25 - 22-55 | शुभ |
| उत्पात | 22-55 - 00-25 | अशुभ |
| शुभ | 00-25 - 01-56 | शुभ |
| अमृत | 01-56 - 03-26 | शुभ |
| चंचल | 03-26 - 04-55 | शुभ |
| रोग | 05-55 - 06-29 | अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र**

# 10 वाली चाय 15 की, 100 वाली मोमोज प्लेट 200 की

**घरेलू सिलेंडर 4000 रुपये का, एलपीजी की कमी ने बढ़ाई महंगाई**



नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के कारण मिडिल ईस्ट में भी युद्ध शुरू हो गया है। इसका असर तेल और गैस सप्लाई पर पड़ रहा है। भारत में भी एलपीजी की किल्लत शुरू हो गई है। कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर के लिए मारामारी हो रही है। वहीं दूसरी ओर सरकार के लाख प्रयास के बाद भी गैस सिलेंडरों की बाजार में कालाबाजारी हो रही है, जिससे खाने-पीने की चीजों के भी दाम बढ़ गए हैं।

गैस का सिलेंडर न मिलने से सबसे ज्यादा परेशानी रेस्टोरेंट और फूड स्टॉल लगाने वालों को हो रही है। देश के अलग-अलग हिस्सों से खबरें सामने आ रही हैं कि उन्हें ज्यादा कीमत में सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। इसकी भरपाई के लिए उन्होंने खाने-पीने के चीजों के दाम दोगुने तक बढ़ा दिए हैं। वहीं एलपीजी गैस की किल्लत के चलते कई फूड स्टॉल बंद हो चुके हैं।

एलपीजी की किल्लत के कारण घरेलू और कमर्शियल, दोनों तरह के सिलेंडर की कमी हो गई है। जिस डिस्ट्रिब्यूटर के पास सिलेंडर हैं, वे उन्हें ऊंचे दाम पर बेच रहे हैं। स्थिति यह है कि इनकी कीमत चार गुना तक पहुंच चुकी है। इसके लिए भी काफी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

नोएडा एक्सटेंशन में चाय बेचने वाले एक दुकानदार ने बताया कि उसने घर के लिए घरेलू सिलेंडर 4000 रुपये में खरीदा है। वहीं दुकान के लिए कमर्शियल सिलेंडर के लिए उसने 5000 रुपये से ज्यादा चुकाए हैं। इसके लिए भी उसे काफी लंबा इंतजार करना पड़ा। वहीं एक शख्स ने कहा कि उसे घरेलू सिलेंडर करीब 4800 रुपये का मिला।

**खाने-पीने की चीजें हुई महंगी**

10 रुपये में मिलने वाली चाय 15 रुपये की हो गई है। वहीं 15 रुपये की चाय के लिए दुकानदार 20 रुपये ले रहे हैं। 15 रुपये में मिलने वाला समोसा काफी दुकानों में 20 रुपये में मिल रहा है। यही नहीं, 20 रुपये वाला ब्रेड पकोड़ा की भी कीमत कई जगह 25 से 30 रुपये हो गई है। मोमोज बेचने वालों ने भी इसकी कीमत बढ़ा दी है। मोमोज की जो प्लेट 100 रुपये की मिलती थी, उसकी कीमत दोगुनी होकर 200 रुपये हो गई है। बिरयानी बेचने वाले कई दुकानदारों ने भी इसकी कीमत बढ़ा दी है। 100 रुपये वाली चिकन बिरयानी प्लेट कई जगह 150 रुपये की मिल रही है।

**होटल इंडस्ट्री पर बुरा असर**

गैस की किल्लत के कारण होटल इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ा है। देश के कई छोटे-बड़े शहरों में कई रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं। वहीं कई ने अपने मेन्यू में बदलाव किया है। सड़क किनारे लगने वाले काफी फूड स्टॉल भी बंद हो गए हैं। उन्हें पता नहीं है कि कब से गैस की सप्लाई सामान्य होगी। काफी लोगों का रोजगार भी चला गया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को कहा कि एलपीजी संकट से निपटने के प्रयास जारी हैं और भारत के लिए अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के रास्ते खुल रहे हैं। गोपी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को संसद में एलपीजी संकट से जुड़े सवालों के जवाब दिए थे। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के तौर पर हमें लगता है कि स्थिति नियंत्रण में है लेकिन देश के बाहर के कई तकनीकी पहलुओं को नियंत्रित करना हमारे अधिकार में नहीं है।

## डॉलर के मुकाबले रुपया टूटकर 92.36 तक गिरा

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच गुरुवार को भारतीय रुपये पर भारी दबाव देखने को मिला। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर 92.36 पर पहुंच गया। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.25 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन दिन के कारोबार के दौरान लगातार गिरते हुए 92.36 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर के मुकाबले 35 पैसे की गिरावट है और अब तक का रिकॉर्ड निचला इंट्रा-डे स्तर है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर की मजबूती ने रुपये पर दबाव बढ़ाया है। इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजार में कमजोर सेंटीमेंट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की भारी बिकवाली ने भी रुपये को और कमजोर किया।

## पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारत की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। दिग्गज जापानी निवेश बैंक नोमुरा ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की अर्थव्यवस्था करीब सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। हालांकि बैंक ने चेतावनी दी है कि क्षेत्रीय संघर्ष भारत के तथाकथित गोल्डीलॉक्स आर्थिक दौर के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। नोमुरा की भारत और एशिया (जापान को छोड़कर) की मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा और अर्थशास्त्री ऑरोदीप नंदी की रिपोर्ट के अनुसार, अगर पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है तो ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

जीडीपी ग्रोथ को लेकर क्या है अनुमान?

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 के लिए चालू खाता घाटा (CAD) के अनुमान को 0.4 प्रतिशत बढ़ाकर जीडीपी के 1.6 प्रतिशत तक किया गया है।

वहीं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) आधारित महंगाई का अनुमान 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया गया है।

इसके साथ ही जीडीपी वृद्धि अनुमान में मामूली कटौती करते हुए इसे 7.1 प्रतिशत से घटाकर 7.0 प्रतिशत कर दिया गया है।

भू-राजनीतिक तनाव का क्या पड़ रहा असर? नोमुरा के अनुसार, 2026 की पहली तिमाही के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि भारत में निजी उपभोग और औद्योगिक गतिविधियों में गति बनी हुई है। हालांकि निर्यात और सरकारी खर्च अपेक्षाकृत कमजोर रहने की संभावना है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण ऊर्जा आपूर्ति, विशेषकर प्राकृतिक गैस की कमी, घरेलू उद्योग और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों को प्रभावित कर सकती है।

इसके बावजूद रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले किए गए नीतिगत कदमों में ढील, संरचनात्मक सुधार, वेतन वृद्धि और अमेरिका के साथ व्यापार तनाव में कमी जैसे कारक भारत में चक्रीय आर्थिक सुधार को समर्थन दे सकते हैं। नोमुरा ने यह भी कहा कि ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से एशिया की कई अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है, जो फिलहाल अपेक्षाकृत निम्न स्तर पर है।

## चांदी 6000 महंगी हुई सोने ने भी लगाई छलांग

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच गुरुवार को सोना-चांदी में जबरदस्त उछाल आया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर दोपहर सोना 100 रुपये से ज्यादा और चांदी 4000 रुपये से ज्यादा की तेजी पर कारोबार कर रही थी। वहीं गुरुवार सुबह इनकी शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। 11 बजे के बाद दोनों धातुओं ने जबरदस्त छलांग लगाई। गुरुवार दोपहर 2 बजे अप्रैल डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 71 रुपये उछलकर 1,61,860 रुपये पर था। वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी प्रति किलोग्राम 4669 रुपये की तेजी के साथ 2,73,160 रुपये पर कारोबार कर रही थी। इस समय तक कारोबार के दौरान सोने में करीब 1200 रुपये तक की तेजी आ गई थी। वहीं चांदी करीब 6170 रुपये तक उछल चुकी थी।

इंटरनेशनल मार्केट में क्या स्थिति?

इंटरनेशनल मार्केट में गुरुवार को सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी की कीमत में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्पॉट गोल्ड 0.39% टूटकर 5,159 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। स्पॉट चांदी 0.12% की बढ़त के साथ 85.65 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

# विधानसभा में होगा ऐतिहासिक बदलाव

## 49 साल बाद बढ़ सकती है विधायकों की संख्या

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में आने वाले समय में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है। पिछले 49 सालों से स्थिर रही विधानसभा सीटों की संख्या में अब भारी इजाफा होने की संभावना है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अनुसार, आगामी जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन के बाद प्रदेश में विधायकों की संख्या 200 से बढ़कर 270 हो सकती है। जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान स्पीकर देवनानी ने बताया कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विधानसभा में 280 विधायकों के बैठने की क्षमता वाला हॉल तैयार करने की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में सदन में केवल 200 विधायकों के बैठने की व्यवस्था है।

जल्द ही देश में जनगणना होने वाली है, जिसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी। राजस्थान में लगभग 70 नई सीटें जुड़ने की

संभावना है। हमने भविष्य को देखते हुए स्ट्रक्चर तैयार कर लिया है, ताकि सदन छोटा न पड़े।

राजस्थान में आखिरी बार सीटों का विस्तार 1977 में हुआ था। तब से लेकर अब तक जनसंख्या में भारी वृद्धि हुई है, लेकिन सीटों की संख्या 200 पर ही टिकी रही।

**विधान परिषद हॉल का उपयोग**

विधानसभा परिसर में पहले से ही विधान परिषद के लिए एक ढांचा (स्ट्रक्चर) मौजूद है। सीटों की संख्या बढ़ने पर इस हॉल को मुख्य सदन की तरह विकसित कर उपयोग में लाया जाएगा।

परिसीमन से कैसे बदलेगा सियासी नक्शा?

सीटों की संख्या बढ़ने का सीधा असर राजस्थान की राजनीति और भूगोल पर पड़ेगा। 70 नई सीटें बनने से प्रदेश के कई युवा और नए नेताओं के लिए विधानसभा पहुंचने की राह आसान होगी। परिसीमन के दौरान जनसंख्या के आधार पर कई सामान्य सीटें SC/ST के लिए आरक्षित हो सकती हैं, जबकि कुछ वर्तमान आरक्षित सीटें सामान्य हो सकती हैं। कई बड़े विधानसभा क्षेत्रों को काटकर दो हिस्सों में बांटा जाएगा, जिससे प्रशासनिक और राजनीतिक पकड़ में बदलाव आएगा।

**अगला कदम क्या है?**

परिसीमन की प्रक्रिया परिसीमन आयोग के गठन और जनगणना की रिपोर्ट आने के बाद ही शुरू होगी। माना जा रहा है कि 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

# फारूक पर हमले पर अशोक गहलोत ने कहा : कड़ी सुरक्षा के बीच हमला होना बेहद गंभीर, सचिन पायलट की प्रतिक्रिया

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला एक हमले में बाल-बाल बच गए। इस पर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने कहा कड़ी सुरक्षा के बीच हमला होना बेहद गंभीर बात है। इस मामले में सचिन पायलट ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी।

फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमले पर अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया अकाउंट X पर लिखा कि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमले का समाचार सुनकर चिंतित हूं। पुलिस की मौजूदगी एवं कड़ी सुरक्षा के बीच हमला होना बेहद गंभीर बात है।

अशोक गहलोत ने कहाकि इस मामले की पूरी जांच की जानी

चाहिए और फारूक अब्दुल्ला की सुरक्षा को और अधिक कड़ा किए जाने की आवश्यकता है।

**इस गंभीर चूक की जांच होनी चाहिए - सचिन पायलट**

इस मामले में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट X के जरिए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला एक शादी समारोह में जानलेवा हमले से बाल-बाल बच गए। यह एक बेहद चिंताजनक घटना है। सौभाग्य से, वे सुरक्षित हैं और स्वस्थ हैं। सुरक्षा में हुई इस गंभीर चूक की पूरी और गहन जांच होनी चाहिए।

**फारूक अब्दुल्ला के दामाद थे सचिन पायलट**

कांग्रेस नेता सचिन पायलट का जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला की बेटी सारा अब्दुल्ला से विवाह (2004) हुआ था। पर अब उनका तलाक हो चुका है।

**फायरिंग में बाल-बाल बचे फारूक अब्दुल्ला**

जम्मू के ग्रेटर कैलाश इलाके में शादी समारोह में फायरिंग की घटना के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला बाल-बाल बच गए। अब्दुल्ला एक वकील की शादी में शामिल होने गए थे, जहां जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी भी मौजूद थे। घटना रॉयल पार्क के पास हुई, जहां एक व्यक्ति ने अचानक गोली चलाई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। गोली से फारूक अब्दुल्ला को कोई चोट नहीं आई।

# मशहूर सूफी गायक सावन खां का निधन

## 50 देशों में गूंजी थी जिनकी आवाज, फिल्म में भी बिखेरा था जादू

जैसलमेर, 12 मार्च (एजेंसियां)। जैसलमेर की माटी के लाल और सूफी गायन को अपने मजबूत कंठ के सहारे दुनिया भर के मंचों तक पहुंचाने वाले सावन खां दबड़ी की मृत्यु ने लोकगीत-संगीत की महफिल में एक बड़ा शून्य पैदा कर दिया है। वे कोक स्टूडियो से जुड़ने वाले पहले लोक कलाकार थे और उन्होंने करीब 50 देशों में आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी कर मरु गीत-संगीत की मिठास का परचम फहराया था।

गौरतलब है कि सावन खां पिछले दो वर्षों से लीवर की असाध्य बीमारी से जूझ रहे थे। गत सोमवार को जैसलमेर में उनका निधन हुआ और पैतृक गांव में गमगीन माहौल में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। कोक स्टूडियो के लिए गाए गए उनके गीत साथी सलाम ने उन्हें वैश्विक

स्तर पर पहचान दिलाई।

इसके साथ ही हिंदी फिल्म 'हाईवे' में उन्होंने तकदीर तख्त चढ़ायो गीत गाकर लोकप्रियता अर्जित की। सावन खां के पिता रोजे खां स्वयं एक गायक कलाकार थे और उनकी छाया में बचपन से ही सावन खां ने सुर-साधना शुरू कर दी।

वे अपने पीछे तीन बेटों और एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को छोड़ गए। सावन खां उन चुनिंदा कलाकारों में थे, जिन्होंने सिंधी कलाम और राजस्थानी लोक संगीत को नई ऊंचाई दी।

# विधायक भाटी का सरकार पर निशाना, खेल और पानी के मुद्दे उठाए

बाड़मेर, 12 मार्च (एजेंसियां)। महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय, जयपुर विधेयक पर चर्चा के दौरान रवींद्र सिंह भाटी ने खेलों और खिलाड़ियों से जुड़े कई मुद्दों को सदन में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सभापति का धन्यवाद देते हुए कहा कि यह विधेयक महत्वपूर्ण है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन इसके नाम को लेकर पुनर्विचार की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि खेलकूद विश्वविद्यालय के स्थान पर इसे स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी या खेल विश्वविद्यालय कहा जाना चाहिए, ताकि इसके उद्देश्य और स्वरूप को स्पष्ट रूप से समझा जा सके।

उन्होंने राजस्थान में खेलों की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल ही में ओलंपिक में लगभग 117 भारतीय खिलाड़ी भाग लेने गए थे, लेकिन उनमें राजस्थान के केवल दो

खिलाड़ी ही शामिल थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश अक्सर हरियाणा से प्रतिस्पर्धा की बात करता है, लेकिन उसी स्तर का खेल ढांचा और सुविधाएं भी उपलब्ध करानी होंगी। साथ ही उन्होंने कोचों की भारी कमी के मुद्दे को भी सदन के सामने रखा।

**ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन की मांग**

भाटी ने कहा कि राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने और उचित अवसर देने की है। उन्होंने अपने क्षेत्र का उदाहरण देते हुए बताया कि बाड़मेर के सुथारों का वास क्षेत्र में जूडो के खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि पिछले दो वर्षों में बास्केटबॉल के 28 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। इसके अलावा समदड़ी का सलोर क्षेत्र वॉलीबॉल के लिए जाना जाता है।

उन्होंने बताया कि इन्द्रोई और चूली गांव की हॉकी टीम बेहतर प्रदर्शन कर रही है, जबकि हरसाणी, मलटाला, गड़ा और महाबार में हैंडबॉल के खिलाड़ी उभर रहे हैं। रोहिड़ी और सुंदरा साइकिलिंग के लिए जाने जाते हैं, वहीं गिराब और सुंदरा क्षेत्र कबड्डी में प्रतिभाएं दे रहे हैं। उन्होंने खेल मंत्री से आग्रह किया कि सीमा क्षेत्र के खिलाड़ियों को विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया जाए।

**जोधपुर में आईपीएल मैच आयोजित कराने की मांग**

विधानसभा में बोलते हुए रवींद्र सिंह भाटी ने यह भी कहा कि आने वाले समय में आईपीएल के मैच आयोजित होने वाले हैं और सरकार को जोधपुर में भी आईपीएल मैच आयोजित करवाने का प्रयास करना चाहिए। उनके अनुसार इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

अपने वक्तव्य में रवींद्र सिंह भाटी ने प्रदेश में बढ़ते हीटवेव और पेयजल संकट के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर सरकार की कोई स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आ रही है। इसके साथ ही उन्होंने छात्रसंघ चुनाव लंबे समय से बंद होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है।

# विदेश में नौकरी का झांसा देकर म्यांमार भेजते थे युवक, साइबर ठगी करवाने वाले 2 गिरफ्तार

अलवर, 12 मार्च (एजेंसियां)। विदेश में नौकरी दिलाने का लालच देकर युवकों को म्यांमार भेजकर उनसे साइबर ठगी करवाने वाले गिरोह का अलवर साइबर थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। आरोपियों के कब्जे से एक आईफोन भी बरामद किया गया है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि इस मामले में पीड़ित अमनप्रीत ने नवंबर 2025 में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने शिकायत में बताया था कि उसे विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा देकर म्यांमार भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद उसे बंधक बना लिया गया और उससे जबरन साइबर फ्रॉड का काम करवाया जाने लगा।

साइबर थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें मोहम्मद मुस्तजहर नासिर निवासी सीतापुर रोड न्यू मदेयगंज, खदरा, निराला नगर लखनऊ तथा सबनूर खान निवासी अफगान कुर्सथ जिला उन्नाव शामिल हैं। मुस्तजहर नासिर फिलहाल थाना ठाकुरगंज क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहा था, जबकि सबनूर खान बगरिया मोड़ दुबग्गा, लखनऊ में रह रहा था। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

# पत्नी और मासूम बेटी की तलवार से गला रेतकर हत्या

## रातभर लाशों के पास बैठा रहा कातिल

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण के दूदू इलाके के बिचून गांव से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए अपनी पत्नी और आठ साल की मासूम बेटी की तलवार से गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। रूह कंपा देने वाली बात यह है कि हत्यारा पति पूरी रात अपनी पत्नी और मासूम बच्ची के खून से सने शवों के पास बैठा रहा। सुबह जब गांव के लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले, तब उसने खुद बाहर आकर ठंडे दिमाग से इस खौफनाक सच को कबूला। आरोपी पति और उसकी पत्नी के बीच पिछले दो महीनों से अनबन चल रही थी। विवाद इतना बढ़ा कि पति ने अपना आपा खो दिया। उसने घर में रखी तलवार निकाली और सो रही पत्नी व 8 साल की बेटी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

चीख-पुकार शांत होने के बाद आरोपी घर से भागा नहीं। पुलिस के लिए सबसे बड़ी पहेली यही है कि रात 12 बजे से सुबह 7 बजे तक वह कमरे में क्या कर रहा था? क्या वह पछतावे में था या किसी और बड़ी वारदात की फिराक में?

गुरुवार सुबह करीब 7 बजे जब ग्रामीण टहलने निकले, तो आरोपी घर के बाहर आया और बिना किसी शिकन के बोला, मैंने अपनी पत्नी और बेटी को मार डाला है। यह सुनते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद 10 मिनट के भीतर मौखमपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जब पुलिस और प्रशासन की टीम घर के अंदर दाखिल हुई, तो वहां का नजारा देख अधिकारियों के भी रोंगटे खड़े हो गए। कमरे की दीवारों और फर्श पर चारों तरफ खून के धब्बे थे। मां और बेटी के शव क्षत-विक्षत हालत में पड़े थे। मौके पर एएसपी शिवलाल बैरवा, डीएसपी दीपक खण्डेलवाल और एसडीएम बलवीर सिंह भारी जाब्ते के साथ पहुंचे। साक्ष्य जुटाने के लिए जयपुर से एफएसएल की विशेष टीम बुलाई गई है। टीम ने मौके से हत्या में इस्तेमाल हथियार (तलवार) और अन्य महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, दंपती के बीच पिछले दो महीनों से लगातार घरेलू विवाद चल रहा था। छोटी-छोटी बातों पर होने वाले झगड़े का अंजाम इतना वीभत्स होगा, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। आरोपी ने न सिर्फ अपना घर उजाड़ा, बल्कि एक मासूम जान को भी बेरहमी से खत्म कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को दूदू उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। आरोपी पति पुलिस की हिरासत में है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या वह मानसिक रूप से बीमार है या उसने इस हत्याकांड को किसी सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया है।

# 25 किलो डोडा चूरा के साथ हनुमानगढ़ का तस्कर गिरफ्तार

अजमेर, 12 मार्च (एजेंसियां)। जीआरपी थाना ने रेलवे स्टेशन पर गश्त के दौरान एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 25.564 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3.83 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह की ओर से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में जीआरपी थानाप्रभारी फूलचन्द बालोटिया के नेतृत्व में टीम स्टेशन पर गश्त व चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नम्बर एक पर पानी की टंकी के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बैग और पीठू बैग के साथ खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को अपनी ओर आता देख वह घबरा गया।संदेह होने पर पुलिस ने उसको रोककर पूछताछ की। उसने अपनी पहचान हनुमानगढ़ राटा डबली निवासी सुखजीतसिंह बताई। पुलिस ने बैग और पीठू बैग की तलाशी ली तो उसमें से 25.564 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद हुआ। आरोपी के पास मादक पदार्थ रखने का कोई लाइसेंस या परमिट नहीं मिला। इस पर आरोपी सुखजीत सिंह को मादक पदार्थ तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 में मामला दर्ज किया। जांच चित्तौड़गढ़ थानाधिकारी अनिल देवल को सौंपी गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी सुखजीतसिंह को गुरुवार सुबह न्यायालय में पेशकर रिमांड लिया है। पुलिस पूछताछ के दौरान डोडा चूरा की खरीद-फरोख्त और तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। कार्रवाई में उप निरीक्षक संजय कुमार, हैड कांस्टेबल देवेन्द्रसिंह, भंवरलाल, कांस्टेबल सोहन राम, भंवरविक्रम सिंह और जितेन्द्र सिंह शामिल रहे।

# ड्रग्स की तस्करी और अवैध वसूली करने वाली तीन बहनों की संपत्ति कुर्क, गरीबों को बनाती थीं शिकार

बांसवाड़ा, 12 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत बांसवाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और डरा-धमकाकर अवैध वसूली करने वाली तीन सगी बहनों की करीब 35 लाख रुपए की चल-अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है।

इनके खिलाफ हुई कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह भाटी और बांसवाड़ा डिप्टी गोपीचंद मीणा के पर्यवेक्षण में पुलिस ने इंदिरा कॉलोनी निवासी अंजुम पत्नी समीर खान, जीनत खान पुत्री सलीम अहमद और कायनात पुत्री सलीम अहमद के खिलाफ यह कार्रवाई की। तीनों आरोपियों की अपराध से अर्जित संपत्तियों की कुर्की के लिए न्यायालय में आवेदन किया गया था।

**कोर्ट ने दिया था संपत्ति कुर्क करने का आदेश**

न्यायालय ने पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को स्वीकार करते हुए संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी किए। इसके बाद तहसीलदार जसकरण हुवोर, राजतालाब थानाधिकारी देवीलाल मीणा, गिरदावर रितेश श्रीमाल, पटवारी जगदीशचंद्र और पुलिस टीम ने इंदिरा कॉलोनी में कार्रवाई करते हुए अंजुम के दो आवासीय भूखंड, जीनत खान की एक स्कूटी और कायनात की एक स्कूटी को कुर्क कर लिया। कुर्क की गई संपत्तियों की कुल कीमत करीब 35 लाख रुपए बताई गई है।

**कई मुकदमे हैं दर्ज**

एसपी जोशी ने बताया कि तीनों बहनें आदतन अपराधी हैं और इनके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। अंजुम के खिलाफ दो, जीनत के खिलाफ छह और कायनात के खिलाफ सात प्रकरण दर्ज हैं। तीनों पर ब्राउन शुगर, एमडीएम और स्मैक जैसे मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त होने के आरोप हैं।

कर्ज देकर हड़प लेती थीं संपत्ति

पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को ब्याज पर कर्ज देती थीं और बदले में उनके मकान के दस्तावेज, ब्लैंक चेक और स्टांप पेपर अपने कब्जे में ले लेती थीं। बाद में कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर गहने, मकान, दुकान और जमीन तक हड़प लेना इनका तरीका था।

**पत्नी से अवैध संबंध होने के शक में युवक की हत्या**

झालावाड़, 12 मार्च (एजेंसियां)। पत्नी से अवैध संबंध होने के शक में युवक की हत्या करने के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सेशन न्यायाधीश गौरव शर्मा की अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी पर 30 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अपर लोक अभियोजक हेमराज शर्मा ने बताया कि यह मामला झालावाड़ जिले के गंगधार थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत दोषी पाया है। अभियोजन के अनुसार आरोपी मोहनलाल पुत्र शंभूलाल प्रजापति (45) मूल रूप से मंदसौर जिले के शामगढ़ थाना क्षेत्र के देवगढ़ का निवासी है और वर्तमान में गंगधार थाना क्षेत्र के तलावली में रह रहा था।

# चुनावी रंजिश में हुई थी हत्या

## पिता व तीन बेटों सहित 10 लोगों को आजीवन कारावास

कोटा, 12 मार्च (एजेंसियां)। चुनावी रंजिश के चलते हुई हत्या के सात साल पुराने मामले में न्यायालय ने गुरुवार को फैसला सुनाया. इस मामले में एक साथ 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. यह मामला वर्ष 2019 का है, जिसमें हत्या और एससी-एसटी एक्ट सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था. एससी-एसटी कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक रितेश मेवाड़ा ने दावा किया है कि पहली बार एक साथ दस लोगों को आजीवन कारावास की सजा मिली है. इस घटनाक्रम में मृतक का भाई पुलिस कर्मी है. इस मामले में सभी 10 अभियुक्त आपस में रिश्तेदार हैं, जिनमें एक पिता और उसके तीन बेटे शामिल हैं. मेवाड़ा ने बताया कि पंकज बागड़ी ने 4 फरवरी 2019 को कैथून थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था. यह घटना 3 फरवरी 2019 को गलाना गांव में हुई थी. गांव में बालापुरा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के चुनाव चल रहे थे, जिसमें 3 फरवरी को ही मेघराज अध्यक्ष चुना गया था. इसके बाद विजयी जुलूस निकाला गया. इसी दौरान उनके चाचा अभिमन्यु, जो पुलिसकर्मी थे, को मेघराज ने टक्कर मार दी थी. इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई थी. अभिमन्यु का उपचार कैथून में करवाया गया. इसके बाद 3 फरवरी की रात को मेघराज और अन्य लोगों ने उनके घर पर हमला कर दिया.

फायरिंग में हुई थी हत्याः आरोपियों ने गाली-गलौच की और जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया. साथ ही फायरिंग भी की गई. इस फायरिंग में मेघराज के बेटे तीर्थराज ने अभिमन्यु पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौत हो गई. इसके अलावा पिता मथुरालाल, जुगराज, प्रवीण, सुरेंद्र, अरविंद, राधाबाई और जानकी को भी चोटें आईं. आरोपियों ने धारदार हथियारों से भी हमला किया था.

# न्यूयॉर्क की डिजाइनर जयपुर को देख हुई फिदा

## 'लुटा' दिए 54 लाख रुपए

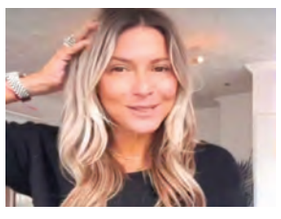

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की पिंक सिटी यानी जयपुर अपनी विरासत, कला और खासकर कीमती रत्नों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। हाल ही में न्यूयॉर्क की एक जानी-मानी डिजाइनर केटी ने अपनी 10 दिनों की जयपुर यात्रा का लेखा-जोखा सोशल मीडिया पर साझा किया। बता दें कि केटी द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किया गया लेखा-जोखा सबको हैरान कर दिया है। केटी ने अपनी नई ज्वेलरी और कपड़ों के कलेक्शन के लिए कच्चा माल खरीदने के उद्देश्य से इस यात्रा पर 54 लाख रुपए (लगभग 59,250 डॉलर) से अधिक खर्च किए। केटी की यह यात्रा केवल घूमने-फिरने के लिए नहीं, बल्कि पूरी तरह से प्रोफेशनल थी। न्यूयॉर्क से जयपुर तक के सफर और वहां के वीआईपी अनुभवों पर उन्होंने मोटा पैसा खर्च किया। न्यूयॉर्क से जयपुर की हवाई यात्रा के लिए उन्होंने लगभग 6,000 डॉलर (करीब 5.5 लाख रुपए) खर्च किए। 10 दिनों के दौरान होटल में ठहरने, स्थानीय परिवहन, भोजन और अन्य गतिविधियों का खर्च लगभग 3,250 डॉलर (करीब 3 लाख रुपए) रहा।

# एनआरआई मामा ने भरा 1 करोड़ का मायरा

## 51 लाख रुपए कैश, 21 लाख की ज्वेलरी के साथ कपड़े व गिफ्ट भी दिए

सीकर, 12 मार्च (एजेंसियां)। अप्रवासी भारतीय मामा ने एक करोड़ का मायरा (भात) भरा है। 10 मार्च को निभाई गई रस्म के दौरान कैश के अलावा करीब 21 लाख की ज्वेलरी के साथ कपड़े और अन्य गिफ्ट भी दिए हैं। यह पूरा मामला सीकर के कुंडलपुर का है। रानोली क्षेत्र की भरथा वाली कोठी का यादव परिवार पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार बहन मोहिनी देवी के घर (कुंडलपुर) मायरा लेकर पहुंचा था। परिवार सहित दुबई रहने वाले कैलाश यादव ने मायरा भरा। इस दौरान कैलाश के बड़े भाई नारायण यादव और छोटे भाई छोटेलाल यादव भी मौजूद रहे।

कुंडलपुर के रहने वाले डॉ. मनोज की शादी बाय (झुंझुनूं) की डॉ. अंजलि से 11 मार्च को हुई थी। डॉ. मनोज के तीन मामा (कैलाश, नारायण, छोटेलाल) हैं। दूल्हे के मामा कैलाश यादव ने बताया- मायरे में 51 लाख रुपए नकद, करीब 21 लाख रुपए की ज्वेलरी के साथ कपड़े व अन्य गिफ्ट दिए गए। कुल मिलाकर एक करोड़ रुपए के आसपास मायरा भरा है। दूल्हे के पिता मदन खातोदिया की पलसाना में कपड़े की दुकान है। भात में 500-500 रुपए के नोट की 102 गड्डियां दी गईं। डॉ. मनोज के मामा का परिवार रानोली की तन में भरथा वाली कोठी का रहने वाला है। सबसे बड़े मामा नारायण यादव और सबसे छोटे मामा छोटेलाल यादव गांव में रहते हैं। दूसरे नंबर के मामा कैलाश यादव परिवार सहित दुबई रहते हैं। कैलाश और छोटेलाल प्रॉपर्टी डीलर हैं।

कैलाश जादम ने कहा- माता-पिता से वादा किया था कि बहनों के लिए क्षमता से ज्यादा सहयोग करेंगे। भांजे/भांजी की शादी में अच्छा मायरा भरना भाइयों की सामूहिक सोच थी। बहन मोहिनी देवी ने तीनों भाइयों को खूब स्नेह दिया। दूल्हे के पिता मदन खातोदिया ने कहा कि ये मामा-भांजे और बहन-भाई प्रेम का प्रतीक है। बदलते दौर में बहन-बेटियों को लड़कों से ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। ये समाज के लिए पॉजिटिव सोच है। बहन के बच्चों की शादी होने पर ननिहाल पक्ष की ओर से मायरा भरा जाता है।

# अर्थव्यवस्था लक्ष्य में पुलिस विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण : भट्टी



हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा है कि राज्य की समग्र विकास योजना और 2047 तक श्री ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य की प्राप्ति में पुलिस विभाग की भूमिका अहम है।

गुरुवार को डॉ.बी.आर. आंबेडकर सचिवालय में गृह विभाग मंत्री दुद्दिल श्रीधर बाबू के साथ आयोजित उद्योग और आईटी विभागों की प्री-बजट बैठक में डिप्टी सीएम ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। राज्य में निवेशकों की बड़ी संख्या के आगमन के मद्देनजर शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। पुलिस विभाग को हर गतिविधि पर नजर रखनी होगी। पुलिस विभाग में चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने का सुझाव।

अपराध नियंत्रण में सीसीटीवी कैमरों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उनकी संख्या बढ़ाई जाए और जरूरत पड़ने पर मरम्मत कराई जाए। 2047 तक श्री ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पब्लिक-प्राइवेट पीपी मॉडल का व्यापक उपयोग अनिवार्य है। राज्य के समग्र विकास के लिए रेरा को प्राथमिकता दी जाए। एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। राज्य की 41 जीसीसी इकाइयों के प्रदर्शन को और बेहतर करने के लिए सरकार प्रोत्साहन देगी। डेटा सेंटर्स में एआई तकनीक का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्णाराव, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुलतानिया, गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव सी.वी आनंद, टीजीआईआईसी के एमडी शशांक और डिप्टी सीएम के विशेष सचिव कृष्ण भास्कर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

### एसएससी परीक्षाओं के दौरान जेरॉक्स केंद्र रहेंगे बंद

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं 2026 के मद्देनजर, साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट ने परीक्षा केंद्रों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। परीक्षाएं 14 मार्च से 16 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएंगी। पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं, जिसके अनुसार सभी एसएससी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक रहेगी। यह प्रतिबंध 14 मार्च सुबह 6 बजे से 16 अप्रैल शाम 6 बजे तक लागू रहेगा। परीक्षा अवधि में परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के भीतर सभी फ़ोटोकॉपी (जेरॉक्स) और इंटरनेट केंद्र बंद रहेंगे, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके।

# आरटीसी को कमजोर कर निजीकरण की ओर धकेल रही सरकार : हरीश राव



हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसएलपी के उपनेता टी. हरीश राव ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) को चरणबद्ध तरीके से कमजोर कर उसे निजीकरण की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में आरटीसी कर्मचारियों का मुद्दा उठाया जाएगा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया जाएगा। आरटीसी संयुक्त कार्रवाई समिति के नेताओं ने हरीश राव से मुलाकात कर कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इसमें वेतन संशोधन आयोग लंबित रहने, सेवानिवृत्ति लाभों में देरी तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सहकारी समिति की जमा राशि पर ब्याज न मिलने जैसे मुद्दे उठाए गए। इस अवसर पर हरीश राव ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक बसों को शुरू करने के नाम पर निगम को कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग दो हजार बसों की आपूर्ति के लिए निजी कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं, जो निगम के संचालन को निजी हाथों में सौंपने की दिशा में कदम है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आरटीसी कर्मचारियों की उस मांग की अनदेखी कर दी, जिसमें केंद्र सरकार की सब्सिडी का उपयोग कर स्वयं इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की बात कही गई थी। हरीश राव ने महिलाओं के लिए महालक्ष्मी मुफ्त यात्रा योजना के तहत पिछले दो वर्षों से लंबित 2,804 करोड़ रुपये का बकाया तत्काल जारी करने की मांग की। उन्होंने आशंका जताई कि सरकार इस योजना का वित्तीय बोझ आरटीसी पर डाल रही है, जिससे निगम को नुकसान उठाना पड़ रहा है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा टीजीएसआरटीसी का विलय किए जाने के बाद भी कर्मचारियों की नियुक्ति तिथि घोषित नहीं की गई है। उन्होंने बढ़ते कार्यभार के बावजूद रिक्त पदों को न भरने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने दो वेतन संशोधन आयोगों को लंबित रखा है और पिछले आयोग की सिफारिशें अभी तक लागू नहीं की गई हैं।

# दुर्घटनाएं रोकने के लिए वाहनों पर विशेष परावर्तक पट्टी अनिवार्य

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रात्रि में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से राज्य परिवहन विभाग ने परिवहन वाहनों पर लगाई जाने वाली परावर्तक पट्टी और पीछे की चेतावनी पट्टिका के लिए क्यूआर आधारित सत्यापन प्रणाली अनिवार्य कर दी है।

यह नया नियम 20 मार्च से लागू होने की संभावना है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी श्रेणियों के परिवहन वाहनों पर यह परावर्तक पट्टी लगाना आवश्यक होगा। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य रात के समय सड़क पर खड़े या धीमी गति से चलने वाले ट्रकों और अन्य परिवहन वाहनों की दृश्यता बढ़ाना है।

परावर्तक चिह्नों की सहायता से वाहन लगभग 500 मीटर की दूरी से भी दिखाई दे सकेंगे, जिससे टक्कर की संभावना काफी कम हो जाएगी। गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने केवल पांच स्वीकृत निर्माताओं को ही ऐसी परावर्तक पट्टियां उपलब्ध कराने की अनुमति दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति वाले विक्रेताओं द्वारा लगाई गई पट्टियां मान्य नहीं मानी जाएंगी। प्रत्येक स्वीकृत पट्टी पर परिवहन विभाग का प्रतीक चिन्ह, विशेष होलोग्राम तथा सत्यापन के लिए एक विशिष्ट क्रम संख्या के साथ क्यूआर चिन्ह अंकित होगा। पट्टी लगाने वाले विक्रेता वाहन के विवरण सहित कम से कम दो वर्ष की वारंटी का प्रमाण पत्र भी देंगे। अधिकारियों ने बताया कि विभाग ने इन पट्टियों की कीमतें भी निर्धारित कर दी हैं, ताकि अधिक राशि वसूलने की शिकायत न आए।

तय दर से अधिक कीमत लेने वाले विक्रेताओं के विरूद्ध अनुमति रद्द करने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में क्यूआर सत्यापित परावर्तक पट्टी न लगाने वाले वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। हालांकि नियम पूरी तरह लागू होने से पहले तीन महीने की मोहलत दी गई है।

# स्थान की कमी से जूझ रहे विश्वविद्यालय ने परिषद से की भवन खाली कराने की मांग

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन के लिए स्थान की कमी का सामना कर रहे जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार से तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद को परिसर में कई वर्षों से उपयोग किए जा रहे भवन को खाली कराने का अनुरोध किया है। विश्वविद्यालय की ओर से पिछले आठ वर्षों में परिषद को यह चौथा नोटिस दिया गया है। पहला नोटिस 10 जनवरी 2018 को जारी किया गया था, जिसमें परिषद और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा उपयोग किए जा रहे भवनों को खाली कराने के लिए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई थी।

विश्वविद्यालय का यह नया कदम उस पत्र के बाद उठाया गया है, जो 19 फरवरी 2026 को हैदराबाद के जिला कलेक्टर को लिखा गया था। इसमें विश्वविद्यालय परिसर की कुल 13.87 एकड़ भूमि में से 1,500 वर्ग गज भूमि परिषद को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया गया था।

परिषद ने तीन सदस्यीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। समिति की सिफारिशों के आधार पर तत्कालीन तकनीकी शिक्षा आयुक्त नवीन मित्तल ने 28 जनवरी 2023 को एक आदेश जारी कर मौजूदा भवन सहित 1,500 वर्ग गज भूमि परिषद को हस्तांतरित करने की अनुमति दे दी थी। साथ ही विश्वविद्यालय को 6.65 करोड़ रुपये में भवन परिषद को देने का निर्देश भी दिया गया था।

हालांकि विश्वविद्यालय ने इस निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि विधान सभा और सरकारी आदेशों के माध्यम से विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 31, 2008 में संशोधन किए बिना इस प्रकार की कार्रवाई तकनीकी रूप से मान्य नहीं है। वर्तमान में इस भवन में परिषद के अलावा शुल्क विनियमन समिति, डिग्री ऑनलाइन सेवाओं के कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के कक्षागार, कार्यशालाएं और प्रयोगशालाएं संचालित हो रही हैं। परिषद को यहां वाहन खड़ा करने और बिजली बैकअप की भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने बताया कि परिषद को शहर में अन्य स्थानों पर कार्यालय ढूंढने के लिए कहा गया था। इसके लिए कई स्थानों का निरीक्षण किया गया, लेकिन अभी तक कोई उपयुक्त भवन उपलब्ध नहीं हो सका है।

# दलबदल मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने समाप्त की सुनवाई

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा शिकायतों पर निर्णय सुनाए जाने की जानकारी मिलने के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वाले विधायकों की अयोग्यता को लेकर बीआरएस द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई समाप्त कर दी।

न्यायमूर्ति संजय करोल की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान अध्यक्ष की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी ने न्यायालय को बताया कि अध्यक्ष ने अयोग्यता याचिकाओं की जांच पूरी कर ली है और अंतिम आदेश पारित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के समक्ष कार्यवाही समाप्त हो चुकी है और याचिकाओं का निपटारा हो गया है। इस दलील को स्वीकार करते हुए पीठ ने कहा कि अध्यक्ष द्वारा निर्णय लिए जाने के बाद सुनवाई जारी रखने की आवश्यकता नहीं है और अदालत के समक्ष कार्यवाही समाप्त घोषित कर दी। हालांकि बीआरएस की ओर से उपस्थित वकील ने पीठ को बताया कि अध्यक्ष के आदेश की प्रतियां अभी तक याचिकाकर्ताओं को उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। इस पर ध्यान देते हुए अदालत ने अध्यक्ष कार्यालय को दो दिनों के भीतर याचिकाकर्ताओं को फैसले की प्रतियां देने का निर्देश दिया। पीठ ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा मांगे गए दस्तावेज, कार्यवाही का अभिलेख और अन्य आवश्यक जानकारी चार दिनों के भीतर उपलब्ध कराई जाए। उल्लेखनीय है कि बीआरएस ने उन विधायकों की अयोग्यता की मांग करते हुए याचिकाएं दायर की थीं, जिन्होंने कथित रूप से सत्ताधारी पक्ष का समर्थन किया था।

# महेश बैंक चुनावों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से कराने पर हैदराबाद जिलाधीश हरि चंदना सम्मानित




हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में बहु-राज्य सहकारी समितियों के चुनावों में पारदर्शिता और सुचिता विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारी मंत्रालय के संयुक्त सचिव एवं सेन्ट्रल रजिस्ट्रार को-ऑपरेटिव सोसाइटी के चेयरमैन आनन्द कुमार झा, सहकारी चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह, उपाध्यक्ष आर.के. गुप्ता तथा सदस्य श्रीमती मोनिका खन्ना (संयुक्त रजिस्ट्रार, सीआरसीएस) मुख्य वक्ताओं के रूप में उपस्थित रहे। हैदराबाद जिला कलेक्टर एवं आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के चुनावों की मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती हरि चंदना ने जिला राजस्व अधिकारी वेंकटाचार्य तथा प्रसन्ना कुमारी के साथ इस सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती हरि चंदना ने महेश बैंक के चुनावों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने में आई चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महेश बैंक चुनावों पर एक ऑडियो-वीडियो भी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि दक्षिण भारत की प्रमुख सहकारी बैंक- महेश बैंक के चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने पर हैदराबाद जिलाधीश श्रीमती हरि चंदना की सराहना करते हुए सम्मानित किया। केन्द्रीय निर्वाचन प्राधिकरण के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि सहकारी संस्थाओं के चुनावों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए महेश बैंक के चुनाव- एक मानक (बेंचमार्क) के रूप में देखे जा सकते हैं। इस सम्मेलन में महेश बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड तथा वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी भी उपस्थित रहे। उन्होंने महेश बैंक के चुनावों के सफल संचालन के लिए सम्मानित होने पर श्रीमती हरि चंदना को बधाई दी।

## गांजा रखने के आरोप में 2 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने गुरुवार को गांजा रखने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 1.74 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर महाराष्ट्र के अकोला निवासी ट्रक चालक शेख शोएब (22) और चित्रकार मोहम्मद नदीम (19) को उस समय पकड़ा गया जब वे एक बैग में गांजा लेकर जा रहे थे। अत्तापुर के उप निरीक्षक एन निरंजन ने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अल्तु, लाला, अरसलान, यूसुफ, आमिर, सोहेल और शेरा नामक व्यक्तियों से यह प्रतिबंधित पदार्थ खरीदा था और उसे शहर में ग्राहकों को बेच रहे थे। पुलिस ने जब्त सामग्री अपने कब्जे में ले ली है और दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

# शाबाद मंडल हैताबाद में बुग्गारेड्डी क्लीनिक प्रारंभ




हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख सचिव व रंगारेड्डी जिला ग्रंथालय संस्था के चेयरमैन ए. मधुसूदन रेड्डी ने कहा कि, ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए आसपास के ही क्लीनिक में बेहतर इलाज मिले इससे अच्छा भला और क्या हो सकता है।

उन्होंने कहा कि छोटे-मोटी बीमारियों व समस्याओं के लिए ग्रामीण लोगों को दूर क्षेत्रों में जाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। इसके चलते शाबाद मंडल के हैताबाद गांव में बुग्गारेड्डी क्लीनिक का प्रारंभ किया गया है ताकि लोगों को वाजिब दाम पर बेहतर इलाज मिल सके। वे अस्पताल के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। शुभारंभ अवसर पर नागरकर्नूल विधायक डॉ.के. राजेश रेड्डी द्वारा विशेष पूजा की गई। इस दौरान डॉ. ऐनापुरम अनुराग रेड्डी ने कहा कि, ग्रामीण जनता को वाजिब दाम पर बेहतर चिकित्सा प्रदान करना ही बुग्गारेड्डी क्लीनिक्स का एकमात्र लक्ष्य है। उन्होंने आगे कहा कि, शादनगर क्षेत्र के मण्डल हेडक्वार्टर्स तथा नगर पंचायतों के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए वाजिब दामपर बेहतर चिकित्सा प्रदान करने के एकमात्र लक्ष्य से ही हैताबाद में सबसे पहला क्लीनिक का प्रारंभ किया गया है। डॉ. अनुराग रेड्डी ने आगे कहा कि, अब लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूर क्षेत्रों में नहीं जाना पडेगा। इससे इन गांवों के लोगों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि, न्यूनतम व्यय पर बेहतर इलाज केवल शहरों तक ही सीमित न होकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी इसका लाभ मिलें, केवल इस उद्देश्य से ही बुग्गारेड्डी क्लीनिक का प्रारंभ किया गया है। हाल ही में प्रारंभ किये गये इस क्लीनिक में सभी आवश्यक दवाइयां, परीक्षणों तथा प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में जिन अतिथियों ने भाग लिया उनमें ए. मधुसूदन रेड्डी, नागरकर्नूल विधायक डॉ.के. राजेश रेड्डी सहित चेवेल्ला कांग्रेस पार्टी इंचार्ज पी. भीम भरत, गुडीमल्कापुर कृषि मार्केट कमिटी वाईस चेयरमैन कावली चंद्रशेखर, हैताबाद सरपंच कर्रोल्ल शांतम्मा-यादय्या, हैताबाद उप-सरपंच हिर्स नायक, शाबाद सरपंच अशोक, शाबाद उप-सरपंच राहुल आदि हैं। साथ ही इस कार्यक्रम में अस्पताल कर्मचारीगण एवं ग्रामीण लोगों ने भी अधिक संख्या में भाग लिया।

## ट्रक की टक्कर से दो फल विक्रेताओं की मौत

खम्मम, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के साथुपल्ली मंडल के नारायणपुरम गांव में गुरुवार को एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से दो फल विक्रेताओं की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार साथुपल्ली मंडल के राजारला निवासी साली नागेश्वर राव (58) और पेनुबल्ली मंडल के मंडलपडु निवासी पनेम सुलोमन (57) साथुपल्ली कस्बे में फल बेचकर जीविका चलाते थे। गुरुवार को दोनों गुरुपतलागुडेम से अमरूद खरीदकर साथुपल्ली की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान अंजनेय स्वामी मंदिर के पास सड़क के मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

## डॉक्टर बनकर आई महिला ने मरीज को इंजेक्शन देकर लूटे गहने

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के एक निजी अस्पताल में डॉक्टर बनकर आई एक महिला ने एक मरीज को इंजेक्शन लगाने के बाद उसके सोने के गहने लूट लिए। घटना बुधवार को सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता सुधा रानी हाल ही में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हुई थीं और बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जानी थी। जब वह छुट्टी मिलने का इंतजार कर रही थीं, तभी डॉक्टर का एप्रन पहने एक महिला उनके पास आई और इंजेक्शन लगाने की बात कहकर उनके परिजनों को कमरे से बाहर जाने को कहा। कुछ देर बाद वह महिला कमरे से चली गई। जब सुधा रानी के परिजन वापस कमरे में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वह बेहोश पड़ी थीं और उनके करीब 10 तोला सोने के आभूषण गायब थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मोंडा मार्केट थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस अस्पताल में लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है और ठगी करने वाली महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अपने पुराने अभिलेख भी खंगाल रही है, ताकि ऐसे लोगों का पता लगाया जा सके जिन्होंने पहले भी इसी तरह अस्पतालों में मरीजों को निशाना बनाया था।

## साइबर अपराध के विरुद्ध अभियान में 117 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के साइबर अपराध थाने ने फरवरी माह में ऑपरेशन ऑक्टोपस नामक विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। इस अभियान के तहत हैदराबाद में दर्ज 74 साइबर अपराध मामलों की जांच करते हुए देश के 16 अलग-अलग राज्यों में छापेमारी की गई और 117 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी 63 व्यापार और निवेश से जुड़ी धोखाधड़ी, 6 कथित डिजिटल गिरफ्तारी, 4 ओटीपी से जुड़ी ठगी और 1 सामाजिक माध्यम से संबंधित मामले में शामिल पाए गए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं विशेष जांच दल के अधिकारी एम श्रीनिवासुलु ने बताया कि पीड़ितों को कुल 34 लाख 76 हजार 884 रुपये की राशि सफलतापूर्वक वापस दिलाई गई है।

# तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंदर राव ने कावुरी को दी श्रद्धांजलि



हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री के. सांबासिवा राव को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी निधन को सार्वजनिक जीवन के लिए बड़ी क्षति बताया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बात करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि सांबासिवा राव एक छोटे किसान परिवार से उठकर पांच बार सांसद और केंद्रीय मंत्री बने और उन्होंने अपना जीवन जनता की सेवा में समर्पित किया।

उन्होंने याद किया कि 1984 में सांबासिवा राव ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु कौशल विकास योजनाओं की शुरूआत की, जो बाद में कई सरकारों के लिए मॉडल बन गई। रामचंदर राव ने कहा, एक सांसद और मंत्री के रूप में उनके योगदान हमेशा याद किए जाएंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से भी जनता की सेवा की। भाजपा के तेलंगाना इकाई की ओर से उन्होंने दिवंगत के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और कठिन समय में उनके लिए शक्ति और साहस की कामना की।

## टायर फटने से वैन पलटी, 2 लोगों की मौत, 19 घायल

निर्मल, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल ग्रामीण मंडल के कोंडापुर गांव के पास गुरुवार को टायर फटने के कारण एक वैन पलट जाने से शादी में जा रहे दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार इचोडा निवासी लक्ष्मण (60) और तुलसी दास (38) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत निर्मल कस्बे के अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही दोनों की मृत्यु हो गई। दुर्घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि 17 लोगों को मामूली चोटें आईं। घायलों को तुरंत निर्मल कस्बे के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को आगे के उपचार के लिए आदिलाबाद स्थित राजीव गांधी आयुर्वेद संस्थान में भेजा गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/48/ओएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यू/ओटी/2025-26 दि.10-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु **दि.31-03-2026 के 15.00** बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1. **ई-निविदा सं. -** ईटेंडर नं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/48/ओएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यू/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-48-ओटी-2025-26, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन- बिजली रखरखाव विभाग- (I) भोंगिर-तत्संबंधित भोंगिर-आउटपोस्ट पर पुरुषों हेतु 8 बिस्तरों युक्त आरपीएफ बैरेक्स का निर्माण कार्य। (II) डीएलएस/केजेडजे-तत्संबंधित डीएलएस/केजेडजे पर आरपीएफ आउटपोस्ट बिल्डिंग का उन्नयन। (III) जमीकुन्टा-जेएमकेटी पर सीपीडब्ल्यूआय आफिस तथा शेड का निर्माण कार्य। (IV) मणुगुरु-एमयुजीआर रेलवे कालोनी पर न्यू टाइप-II क्वार्टर्स सहित ओल्ड टाइप 1 क्वार्टर्स (बी.नं.8/1-5&19/1-3=08 युनिट्स) तथा ओल्ड टाइप II क्वार्टर्स (बी.नं.3/1-4=04 युनिट्स) का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। (V) कारेपल्ली-डीकेजे-बीडीसीआर सेक्शन-केआरए-कारेपल्ली पर एसएसइ/पी.वे हेतु टाइप -IV क्वार्टर (1 संख्यक) तथा जेइ/पी.वे हेतु टाइप-III (1 संख्यक) का निर्माण। (Vi) संचालन भवन में मौजूदा पुराने लिफ्ट्स स्थान पर 8 पैसेंजर क्षमतायुक्त 02 लिफ्ट्स का प्रावधान तथा आरएसबी के न्यू एन्नेक्स बिल्डिंग पर 13 पैसेंजर क्षमतायुक्त 02 लिफ्ट्स का प्रावधान। (Vii) चित्तापुर रन्निंग रूम पर 06 पैसेंजर क्षमतायुक्त 01 लिफ्ट का प्रावधान।(Viii) सीएचजेड-चेर्लापल्ली पर नई टाइप डिजाइन आरपीएफ पोस्ट-आफिस बिल्डिंग का निर्माण। (IX) सिकंदराबाद-एसीज, किचन, स्टोर, आरओ वाटर तथा फर्नीचर प्रावधान सहित 27 बेड्स ( पृथक शौचालयों सहित पुरुष टीटीइज हेतु 14 बेड्स एवं महिला टीटीइज हेतु 13 बेड्स) के साथ टीटीइ रेस्ट हाउस के लिए एडिशनल ब्लाक व्यवस्था। (X) केएचएनपी-तत्संबंधित केएचएनपी पर टाइप-II क्वार्टर्स-07 संख्यक का निर्माण। (XI) इन्टिग्रेटिड कमाण्ड कंट्रोल सेंटर के फार्मेशन हेतु 5000 स्के.फीट्स एफआरआय साइबर सेल/एससीआर की नई बिल्डिंग के निर्माण हेतु प्रस्ताव। बिजली व्यवस्थाएं। **निविदा मूल्य रु.2,60,40,617.13,अग्रधन रु.2,80,200.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने।**

1.आईआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है। 2. यह निविदा सूचना, एसआर. डीइइ (रखरखाव), सिकंदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद कार्यालय स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गयी है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है। 3.रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

**-वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (एम), सिकंदराबाद**

निविदा सूचना सं. जी/इ.29/टीआर./टेंडर नोटिस/63/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-95-2025-26, कार्य विवरणः /जीटीएल डिवीजनः निम्न हेतु आक्सीलरी ट्रांसफार्मर (एटी) आपूर्ति का प्रावधान (I) मिड-सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स एलसी नं.19 (वीकेआय-वायएलके) तथा एलसी नं.21 (सीसीआय-एमजीबी) व एलसी नं. 125 (जेडपीएल-पीएसपीवाय), (II) मिड-सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स (4 संख्यक) (एलसी-31(केएचटी-आरसीजी), एलसी-34 (आरसीजी-वायपीडी),एलसी -42 (वायपीडी-आरयु) व एलसी-76 (टीएटी-केबीए) का प्रस्तावित इन्टरलाकिंग कार्य तथा (III) मिड-सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स (3 संख्यक) (एलसी-6 (वीडीडी-एनडीजेड), एलसी-39 (वायपीडी-आरयु) व एलसी-31 (एमजीबी-केसीएम) की प्रस्तावित इन्टरलाकिंग। **अनुमानित मूल्य रु.73,08,654.00, अग्रधन रु.1,46,200.00**

निविदा बंद करने की तिथि व समय-1-4-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणीः 1. निविदाकार, निविदा दस्तावेज को वेबसाइटः www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डींग व अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

**-वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल**

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु द टेंडर्स की ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

1. **निविदा सं. व तिथिः** सी_एसजी_36_595 दि.10-03-2026, **बंद करने की तिथिः 31-03-2026 कार्य विवरणः** 1. परली स्टेशन पर बाय पास केबिन पर सिग्नल्लिंग व्यवस्थाएं तथा परली स्टेशन पर लातूर रोड-परली वैद्यनाथ व परली वैद्यनाथ-परभणी मेन लाइन्स को जोडने हेतु प्रस्तावित बायपास केबिन कार्य। 2.लातूर रोड स्टेशन पर वाय कनेक्शन केबिन पर सिग्नलिंग व्यवस्थाएं तथा लातूर रोड स्टेशन पर प्रस्तावित वाय कनेक्शन के चलते लातूर रोड-परली वैद्य़नाथ एवं लातूर रोड-कुर्डुवाडी मेन लाइन्स को जोडने हेतु तत्संबिधत व्यवस्था। 3.केएमएनआर-युडीजीआर स्टेशनों के बीच प्रस्तावित नई क्रासिंग स्टेशन से जुडी सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। **अनुमानित मूल्य रु.** 20,28,95,130.44, **बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.** 11,64,500.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

**-वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/ को-आर्ड/सिकंदराबाद**

निविदा सूचना सं. इएलएस-केजेडजे-215 दि.11-03-2026

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित है।

1.**निविदा सं. व तिथिः** इएलएस-केजेडजे-215, कार्य विवरणः दो वर्ष की अवधि हेतु इलेक्ट्रिक लोको शेड, काजीपेट के डब्ल्यूएजीएचसी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज की बोगियों की इन्टरमिडीएट ओवरहालिंग (आयओएच) कार्य। **निविदा मूल्य रु.1,68,93.530.68, अग्रधन (बोली सुरक्षा)** रु.2,34,500.00, **निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः** 24 महिने, **बंद करने तथा खोलने की तिथि व समयः** 8-4-2026 के 15.00 बजे एवम् 8-4-2026 के 15.30 बजे

1.आयआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध। 2.सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि अग्रधन (बोली सुरक्षा) को केवल आनलाइन पेमेन्ट द्वारा जमा करें। निविदा दस्तावेज की प्रस्तुति आयआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in द्वारा की जानी चाहिए।

**-वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, इलेक्ट्रिक लोको शेड, काजीपेट**

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# हार्दिक पंड्या के खिलाफ तिरंगे के अपमान की शिकायत

## वर्ल्ड कप जीत के जश्न के दौरान फ्लैग ओढ़कर जमीन पर लेटने का आरोप

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेटर हार्दिक पंड्या के खिलाफ तिरंगे के अपमान को लेकर बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने यह शिकायत की है।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत के बाद अहमदाबाद में जश्न के दौरान पंड्या पर तिरंगे का सम्मान न करने का आरोप लगाया गया है।

**वायरल वीडियो के आधार पर शिकायत**

शिकायतकर्ता के अनुसार, टीम इंडिया की जीत के बाद मैदान पर जश्न मनाते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। एक वीडियो में पंड्या अपने कंधे पर तिरंगा ओढ़कर मैदान पर नाचते और दौड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आरोप है कि जश्न के दौरान पंड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे दिखे। उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा था। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के खिलाफ है।

**राष्ट्रीय ध्वज कानून का हवाला**

वकील वाजिद खान ने कहा कि द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टु नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 के अनुसार तिरंगे की गरिमा बनाए रखना अनिवार्य है। उनका आरोप है कि जश्न के दौरान हार्दिक पंड्या इस बात का ध्यान नहीं रख पाए, जिसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान माना जा सकता है। इस मामले में उन्होंने इसी कानून की धारा 2 के तहत शिकायत दर्ज कराई है।

यह कानून राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को रोकने के लिए बनाया गया है। इसके तहत तिरंगे को जमीन पर गिरने देना, उसे अनुचित तरीके से पहनना या किसी भी तरह उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाना दंडनीय माना जाता है।

खान ने बताया कि उन्होंने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी है। शुरुआत में पुलिस ने कहा कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए मामला वहीं दर्ज होना चाहिए। हालांकि, खान ने तर्क दिया कि तिरंगा पूरे देश का राष्ट्रीय प्रतीक है, इसलिए इसकी शिकायत कहीं भी दर्ज कराई जा सकती है। बाद में पुलिस ने उनकी शिकायत स्वीकार कर ली और उसकी कॉपी भी उन्हें दे दी।

**भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर जीता खिताब**

भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। यह भारत का तीसरा टी-20 वर्ल्ड कप खिताब है।

भारत इससे पहले 2007 और 2024 में भी यह ट्रॉफी जीत चुका है। साथ ही, यह पहली बार है जब किसी टीम ने अपने ही देश में टी-20 वर्ल्ड कप जीता और लगातार दो बार खिताब अपने नाम किया।

# बुमराह ऑफ कटर के उस्ताद

## ऑफ कटर से गच्चा खा रहे मॉडर्न बैटर

खेल डेस्क, 12 मार्च (एजेंसियां)। टी-20 क्रिकेट को हमेशा से बल्लेबाजों का गेम माना जाता है, लेकिन टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में तेज गेंदबाजों ने 'स्लोअर गेंदों' (पेस-ऑफ) के जरिए जोरदार वापसी की। इस पूरे टूर्नामेंट में तेज गेंदबाजों द्वारा फेंकी गई कुल गेंदों में स्लोअर का प्रतिशत 15.88% रहा, यानी लगभग हर छठी गेंद गति कम करके फेंकी गई। यह पिछले चार संस्करणों में सबसे ज्यादा है। आधुनिक क्रिकेट में तेज गेंदबाजों के पास लेग-कटर, नकल-बॉल और स्प्लिट-फिंगर जैसी कई नई और जटिल स्लोअर गेंदें मौजूद हैं।

लेकिन, इन तमाम वेरिएशंस के बीच गेंदबाजों का सबसे मारक हथियार बनी एक पुरानी और बेसिक गेंद-'ऑफ-कटर'। विकेट निकालने के लिए गेंदबाजों ने स्लोअर गेंदों की वैरायटी में से इसी साधारण गेंद पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया। फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ जसप्रीत बुमराह ने इसी स्विंग होती ऑफ-कटर का इस्तेमाल करके 4 कीवी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा और भारत को शानदार जीत दिलाई।

टूर्नामेंट में तेज गेंदबाजों ने कुल 357 विकेट लिए, जिनमें से 68 विकेट सिर्फ ऑफ-कटर से आए। यह टी20 वर्ल्ड कप के किसी एक संस्करण में इस गेंद से लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं।

इस बार 795 ऑफ-कटर गेंदें फेंकी गईं, जो 2016 के पिछले रिकॉर्ड (485) से काफी ज्यादा है।यह गेंद बाएं हाथ के बैटर्स के खिलाफ ज्यादा कारगर रही। उनके खिलाफ इसका औसत 14.03 रहा, जबकि दाएं हाथ के बैटर्स के खिलाफ 21.14।

हालांकि, इस वैरिएशन में रन भी खूब पड़े। इस टूर्नामेंट में ऑफ-कटर की इकोनॉमी रेट 9.39 रही, जो अब तक की सबसे ज्यादा है।

**बुमराह ने फाइनल में अपने 4 ओवर के स्पैल में 18 गेंदें ऑफ कटर फेंकी**

बुमराह ने इस वैरिएशन का सबसे ज्यादा फायदा उठाया। फाइनल में फेंकी गई अपनी 24 गेंदों में से 18 गेंदें उन्होंने ऑफ-कटर ही रखीं। फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' बनने के बाद बुमराह ने कहा था, 'अपने अनुभव और यहां के पाटा विकेटों पर खेलने की वजह से मैंने सीखा है कि ज्यादा तेज गेंद फेंकने से बल्लेबाजों को शॉट खेलने में आसानी होती है। इसलिए मैंने स्मार्ट तरीके से खेला और यह सोचने की कोशिश की कि बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहे हैं।' गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम बुमराह का होमग्राउंड है।

**अहमदाबाद में सबसे खतरनाक रहा यह वैरिएशन क्योंकि मैदान बड़**

ऑफ-कटर का असर मैदान के आकार पर भी निर्भर करता है। छोटी बाउंड्री वाले मैदानों पर बल्लेबाजों के पास मिस-हिट के बावजूद रन बटोरने की गुंजाइश ज्यादा होती है। इसलिए चेन्नई के चेपक व कोलकाता के ईडन गार्डन्स जैसे मैदानों पर यह वैरिएशन काफी हद तक बेअसर साबित हुआ। लेकिन, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की काली मिट्टी और बड़े आउटफील्ड ने इसे सबसे घातक बना दिया।

वहां की 'ग्रिपी' पिच पर गेंद रुक कर आई। इस मैदान पर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 21 विकेट ऑफ-कटर से मिले और इकोनॉमी रेट भी सिर्फ 8.25 रहा।साउथ अफ्रीका ने अपने 8 में से 5 मैच अहमदाबाद की उसी काली मिट्टी वाली पिच पर खेले, जहां स्लोअर गेंदें सबसे ज्यादा ग्रिप कर रही थीं। यही उनके पेस अटैक के हावी होने का सबसे बड़ा कारण बना।बुमराह के पास सिर्फ एक यही वैरिएशन, लेकिन इसमें वे सर्वश्रेष्ठ

बुमराह के पास स्लोअर के नाम पर सिर्फ ऑफ-कटर है, लेकिन वे इस परफेक्शन से फेंकते हैं कि बैटर धोखा खा जाता है।

वे ग्रिप, एक्शन या आर्म-स्पीड बदले बिना सिर्फ कलाई के एक तेज झटके (स्नैप) से यह गेंद फेंकते हैं। उनकी इस गेंद की तुलना मुरलीधरन की 'ऑफ-ब्रेक' से की जा सकती है। तेज गेंदबाज होने के बावजूद वे करीब 115-120 किमी/घंटा की रफ्तार वाली इस गेंद को स्पिनर जैसे जबरदस्त टर्न, ग्रिप, 'डिप' (उछाल में कमी) कराते हैं।

बुमराह इसे किस एंगल से फेंकते हैं, वह इसे और भी घातक बनाता है। उन्होंने अपनी 76.7% ऑफ-कटर क्रीज के वाइड एंगल (ओवर द विकेट) से फेंकी। जेसन होल्डर को छोड़कर किसी ने यह एंगल इतना इस्तेमाल नहीं किया। बुमराह का कंट्रोल इतना गजब का है कि वे शॉर्ट या बैक-ऑफ-लेंथ ऑफ-कटर से बैटर को फंसाते हैं, तो एकदम सटीक यॉर्कर लेंथ वाली कटर से स्टंप्स उखाड़ देते हैं। टूर्नामेंट में उनके कुल 14 में से 50% विकेट इसी एक गेंद पर आए और उन्होंने कुल 55 ऑफ-कटर फेंकीं।

बुमराह ने सेमीफाइनल में ब्रुक और फाइनल में रचिन को स्पैल की पहली ही गेंद (ऑफ-कटर) पर आउट किया। बैटर को लगता है कि उनका तेज रन-अप और एक्शन उन्हें तेज गेंद खेलने के लिए मजबूर करेगा, लेकिन बुमराह पहली ही गेंद पर उनकी टाइमिंग बिगाड़ देते हैं।

390+ रन वाले हाई स्कोरिंग मुकाबलों में बुमराह की स्लोअर गेंदों पर औसत 7 और इकोनॉमी 6 था, जबकि अन्य गेंदबाजों का यह आंकड़ा क्रमशः 14 और 20 का रहा था। एनगिडी और शल्कविक ऑफ-कटर के अन्य स्टार्सशैडली वैन शल्कविक (अमेरिका): 4 मैचों में 13 विकेट (भारत व पाक दोनों के खिलाफ 4/25)। अपनी स्वाभाविक कम गति का फायदा उठाया और सिर्फ 18 ऑफ-कटर फेंककर 6 विकेट हासिल किए।

# आईपीएल 2026 के सभी 10 टीमों के स्क्वाड में हैं कौन-कौन से खिलाड़ी?

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद और डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा. ये मुकाबला बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा. आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल ने अभी सिर्फ 20 मैचों के शेड्यूल का ऐलान किया है. असम, तमिलनाडु, केरल और प.बंगाल में विधानसभा चुनाव के चलते अभी पूरा शेड्यूल जारी नहीं हुआ है. चुनाव की तारीखें साफ होते ही पूरे शेड्यूल का ऐलान कर दिया जाएगा. हालांकि इससे पहले जानिए आईपीएल 2026 में किस टीम में कौन से खिलाड़ी शामिल हैं, जानिए सभी 10 टीमों का फुल स्क्वाड क्या है?

**आरसीबी की पूरी टीम** - विराट कोहली, रजत पाटीदार, फिल सॉल्ट, जॉश हेजलवुड, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, टिम डेविड, देवदत्त पडिक्कल, जैकब बैथेल, स्वप्निल सिंह, रसिख सलाम, यश दयाल, नुवान तुषारा, अभिनंदन सिंह, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, सात्विक देसवाल, जॉर्डन कॉक्स, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विकी ओस्तवाल.

**एसआरएच की पूरी टीम** - पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिख क्लासन, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, रविचंद्रन स्मरण, कामिंडु मेंडिस, हर्ष दुबे, ब्रायडन कार्स, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी, शिवांग कुमार, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंजे, क्रेंस फुलेतरा, अमित कुमार, ओंकार तरमाले, साकिब हुसैन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, लियम लिविंगस्टन और अनिकेत वर्मा.

**केकेआर की पूरी टीम** - वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अंगकृष रघुवंशी, अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रोवमन पावेल, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कैमरन ग्रीन, फिन ऐलन, मथीसा पथिराना, तेजस्वी सिंह, कार्तिक त्यागी, प्रशांत सोलंकी, राहुल त्रिपाठी, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, टिम साइफर्ट, मुस्तफिजुर रहमान, आकाश दीप और रचिन रवींद्र.

**सीएसके की पूरी टीम** - एमएस धोनी, संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़, आयुष म्हात्रे, डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, खलील अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, अंशुल कंबोज, जेमी ओवर्टन, गुरजपनीत सिंह, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल, अकील होसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैक फोक्स.

**डीसी की पूरी टीम** - डेविड मिलर, बेन डकेट, आकिब नबी, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिर पारख, पृथ्वी शॉ, काइल जेमीसन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, करुण नायर, समीर रिजवी, केएल राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, अभिषेक पोरेल, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, माधव तिवारी, त्रिपूर्ण विजय, अजय मंडल, मुकेश कुमार, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, दुष्मंता चमीरा और नीतीश राणा

**जीटी की पूरी टीम** - शुभमन गिल, साई सुदर्शन, राशिद खान, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, जॉस बटलर, निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर, अरशद खान, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, गुरनूर सिंह बराड़, मानव सुथार, साई किशोर, जयंत यादव, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, पृथ्वीराज यार्रा.

**एमआई की पूरी टीम** - रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, रायन रिकल्टन, तिलक वर्मा, रॉबिन मिन्ज, मिचेल सैंटनर, नमन धीर, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, राजअंगद बावा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, शार्दुल ठाकुर, शरफेन रदरफोर्ड और मयंक मार्कंडे, क्विंटन डिकॉक, दानिश मालेवर, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद इजहार, मयंक रावत.

**पीबीकेएस की पूरी टीम** - श्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह, अर्शदीप सिंह, नेहाल वढेरा, मुशीर खान, हरनूर सिंह, विष्णु विनोद, शशांक सिंह, पायला अविनाश, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, अज्मतुल्लाह ओमरजाई, सूर्यांश शेडगे, मिचेल ओवन, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, लॉकी फर्ग्युसन, युजवेंद्र चहल, कूपर कॉनोली, बेन ड्वारशुइस, विशाल निषाद, प्रवीण दुबे, और हरप्रीत बराड़.

**एलएसजी की पूरी टीम** - ऋषभ पंत, मिचेल मार्श, एडन मार्करम, मयंक यादव, अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्जकी, हिम्मत सिंह, निकोलस पूरन, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, मयंक यादव, आवेश खान, मोहसिन खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, आकाश सिंह, मोहम्मद शमी अर्जुन तेंदुलकर, वानिन्दु हसरंगा, एनरिक नॉर्खिया, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, नमन तिवारी, जॉश इंग्लिस.

**आआर की पूरी टीम** - रयशस्वी जायसवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, वैभव सूर्यवंशी, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, युद्धवीर सिंह चरक, क्वेना मफाका, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, शिमरॉन हेटमायर, लुहान ड्रिप्रिटोरियस, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा और सैम करन, रवि बिश्नोई, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, यश राज पुंजा, रवि सिंह, अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन, एडम मिल्न.

# बीसीसीआई पुरस्कार : शुभमन गिल बने बेस्ट क्रिकेटर, राहुल द्रविड़ का होगा सम्मान

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का जल्द ही सम्मान होने जा रहा है. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 ट्रॉफी जीती. हालांकि इस बार वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया को पिछले खिताब की तरह 'विक्ट्री परेड' का हिस्सा बनने का मौका नहीं मिला. मगर इसकी भरपाई बीसीसीआई अपने सालाना सम्मान समारोह में करने जा रही है, जहां टीम का सम्मान होगा. इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट के अन्य सितारों को भी अवॉर्ड दिया जाएगा और इसमें सबसे बड़ा अवॉर्ड इस बार मिलने वाला है कप्तान शुभमन गिल को. टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को पिछले साल के लिए 'क्रिकेटर ऑफ द इयर अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा. रविवार 15 मार्च को नई दिल्ली में बीसीसीआई की ओर से 'नमन' अवॉर्ड्स का आयोजन किया जाएगा, जो बोर्ड की ओर से हर साल खिलाड़ियों, पूर्व खिलाड़ियों, कोच और अंपायरों को अलग-अलग कैटेगरी में दिए जाते हैं.

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल ही टेस्ट और वनडे में टीम इंडिया के कप्तान नियुक्त किए गए स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को साल के बेस्ट क्रिकेटर का अवॉर्ड दिया जाएगा. गिल को ये अवॉर्ड मुख्य रूप से टेस्ट क्रिकेट में उनके यादगार प्रदर्शन के लिए दिया जाएगा. कप्तान बनते ही गिल ने इंग्लैंड दौरे पर अपनी पहली ही सीरीज में 4 शतकों की मदद से रिकॉर्ड 754 रन बनाए थे. इसके अलावा उन्होंने पिछले साल ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत की खिताबी जीत में योगदान दिया था, जहां उनके बल्ले से एक शतक भी निकला था. हालांकि उनके लिए पिछला साल टी20 फॉर्मेट में अच्छा नहीं रहा लेकिन तीनों फॉर्मेट में उन्होंने 42 पारियों में 49 की औसत से कुल 1764 रन बनाए, जिसमें 7 शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं.

वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया जाएगा. टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज द्रविड़ को बतौर खिलाड़ी और बतौर कोच उनकी उपलब्धियों और योगदान के लिए ये सम्मान दिया जाएगा. द्रविड़ की कोचिंग में ही भारत ने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतकर 11 साल से चला आ रहा इंतजार खत्म किया था.

# पिता के निधन के बाद जितेश की बदली सोच

## वर्ल्डकप टीम से बाहर होने का दुख छोटा लगा, मैं फिनिशर बनने को तैयार

अमरावती (महाराष्ट्र), 12 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से उन्हें निराशा जरूर हुई थी, लेकिन कुछ ही समय बाद उनके जीवन में ऐसा व्यक्तिगत दुख आया जिसने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी।

जितेश के पिता मोहन शर्मा का 1 फरवरी को छोटी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने बताया कि उस समय वह सात दिन तक अपने पिता के साथ रहे और उसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि परिवार उनके लिए वर्ल्ड से भी ज्यादा महत्वपूर्ण था।

वर्ल्ड कप टीम से बाहर होने के अनुभव पर जितेश ने कहा,'जब मुझे पता चला कि मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ है, तो मैं थोड़ा निराश था। आखिर मैं भी एक इंसान हूं और बुरा महसूस करना स्वाभाविक है।

लेकिन कुछ ही समय बाद मेरे पिता बीमार हो गए और 1 फरवरी को उनका निधन हो गया। मैं उनके आखिरी सात दिनों में उनके साथ था। तब मुझे अहसास हुआ कि मेरे पिता को वर्ल्ड कप से ज्यादा मेरी जरूरत थी। उसके बाद मेरे मन में टीम से बाहर होने का कोई दुख नहीं रहा।'

पिता के जाने के बाद जितेश अब अपने परिवार में सबसे बड़े बेटे की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा,'जब आप अपने पिता को खो देते हैं, तब आपको समझ आता है कि अब परिवार के फैसले लेने की जिम्मेदारी आपकी है। मुझे अपनी मां और भाई का ख्याल रखना है। मैं उनके सामने अपनी भावनाओं को जाहिर नहीं कर सकता और न ही कमजोर दिख सकता हूं, क्योंकि जब मैं क्रिकेट खेलता हूं तो वे मुझे ही देख रहे होते हैं।'

# मुश्किल में घिरे जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला

## जारी हुआ गैर जमानती वारंट

जम्मू, 12 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) स्कैम मामले में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। श्रीनगर की एक अदालत ने गुरुवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच किए जा रहे कथित जेकेसीए घोटाले मामले में फारूक अब्दुल्ला को झटका दिया।

फारूक 2001 और 2011 के बीच जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष थे। यह कथित घोटाला 2012 में तब सामने आया जब जेकेसीए के कोषाध्यक्ष मंजूर वजीर ने उस समय के महासचिव मोहम्मद सलीम खान और पूर्व कोषाध्यक्ष अहसान मिर्जा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। अब आगे की कार्रवाई के लिए 30 मार्च को फिर से केस की सुनवाई होगी।

सुनवाई के दौरान अब्दुल्ला अदालत के सामने पेश नहीं हुए और खबर है कि वे जम्मू में थे। उनके वकील ने कार्यवाही में शामिल होने में उनकी असमर्थता का हवाला देते हुए निजी तौर पर पेशी से छूट की अर्जी दी। हालांकि, कोर्ट ने देखा कि बचाव पक्ष को वर्चुअल मोड से अब्दुल्ला की मौजूदगी पक्की करने का विकल्प दिया गया था, लेकिन उन्होंने इस सुझाव को मना कर दिया।

अब्दुल्ला के खिलाफ जिस मामले में वारंट जारी किया गया है वह जेकेसीए के कामकाज में कथित वित्तीय गड़बड़ियों से जुड़ा है, जब अब्दुल्ला इसके अध्यक्ष थे। 2018 में सीबीआई ने एक चार्जशीट फाइल की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि जम्मू और कश्मीर में क्रिकेट के विकास के लिए दिए गए 43 करोड़ रुपये से ज्यादा के पैसे को 2002 और 2011 के बीच संघ के अधिकारियों ने गलत इस्तेमाल किया था। ये फंड भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा इस क्षेत्र में क्रिकेट के विकास के लिए जारी किए गए 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के ग्रांट का हिस्सा थे। जांच के मुताबिक, ये फंड कथित तौर पर जेकेसीए अकाउंट से धोखाधड़ी से पैसे निकालकर और ट्रांजैक्शन करके निकाले गए थे। अब्दुल्ला और संघ के कई पूर्व अधिकारियों के नाम चार्जशीट में थे।

जम्मू और कश्मीर हाई कोर्ट ने 2015 में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अब्दुल्ला ने पहले किसी भी गलत काम से इनकार किया है और आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। मामला अभी भी अंडर ट्रायल है।

# द हंड्रेड नीलामी में नहीं दिखेंगे शाहीन शाह अफरीदी

## नीलामी से पहले ही पाकिस्तानी कप्तान बाहर

लंदन, 12 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड की फ्रेंचाइजी लीग, 'द हंड्रेड' में पहली बार खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन हो रहा है. दो दिन के ऑक्शन के पहले दिन विमेंस लीग के लिए खिलाड़ियों पर बोली लगी. अब गुरुवार 12 मार्च को ऑक्शन के दूसरे दिन मेंस लीग की बारी है. हालांकि नीलामी से पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी से इस रेस से बाहर हो गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑक्शन के लिए तैयार की गई लॉन्ग-लिस्ट में शामिल पाकिस्तानी खिलाड़ियों में शामिल शाहीन अफरीदी पर अब बोली नहीं लगेगी क्योंकि उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है. गुरुवार को द हंड्रेड के पहले ऑक्शन में सभी 8 फ्रेंचाइजी दर्जनों खिलाड़ियों पर बोली लगाने वाली हैं. इस ऑक्शन में पाकिस्तान के 14 खिलाड़ियों को जगह मिली थी. हालांकि बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे स्टार पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने पहले ही इस ऑक्शन के लिए रजिस्टर नहीं कराया था लेकिन शाहीन अफरीदी इसमें शामिल थे, जो कि पहले भी लीग में खेल चुके थे. ऐसे में उनको खरीदे जाने की उम्मीदें थीं. मगर अब वो इस ऑक्शन का हिस्सा नहीं हैं.

# फीफा विश्व कप 2026 में ईरान नहीं भेजेगा अपनी टीम, अमेरिकी हमले के विरोध में किया ऐलान

तेहरान, , 12 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले का असर पूरी दुनिया पर देखने को मिल रहा है. इस जंग के कारण खाडी.देशों में हालात खराब हो रखे हैं और तेल-गैस समेत अन्य व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित हो गए हैं. पश्चिमी एशिया में हवाई यातायात भी ठप पड़ा हुआ है. इन सबके अलावा इस जंग के कारण खेलों पर भी असर हो रहा है और इसका सबसे बुरा नतीजा सामने आ गया है. देश पर हुए हमले के कारण ईरान ने इस साल होने वाले FIFA मेंस फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है. ये वर्ल्ड कप जून-जुलाई में अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होना है.

# क्रिकेटर कुलदीप की शादी में होगी 20 हजार की थाली

कानपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी करने जा रहे हैं। शादी में शामिल होने के लिए कानपुर से परिवार और रिश्तेदार मसूरी रवाना हो चुके हैं।

यह शादी 14 मार्च (शनिवार) को मसूरी के आलीशान 'वेलकम होटल द सेवॉय' में होगी। इसके तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी आयोजित की जाएगी।

कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी। इस शादी का बजट 2 करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है।

कुलदीप और वंशिका की शादी का खूबसूरत और शाही वेडिंग कार्ड भी सामने आया है।

निमंत्रण पत्र की थीम राधा-कृष्ण पर आधारित है। इसकी बनावट, नक्काशी और उस पर उकेरी गई कलाकृतियां किसी शाही रजवाड़े का अहसास कराती हैं।

कार्ड की कीमत करीब 2200 रुपये बताई जा रही है। वहीं, मेहमानों के लिए वेज और नॉनवेज दोनों तरह के व्यंजन रखे गए हैं। खाने की एक प्लेट की कीमत करीब 20 हजार रुपये है।

# फिल्म निर्माण तकनीक में पिछले कुछ दशकों में तेजी से बदलाव : रेवंत रेड्डी

## हैदराबाद में नेटफ्लिक्स के आईलाइन स्टूडियो का उद्घाटन

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने ने गुरुवार को आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ मिलकर वैश्विक स्ट्रीमिंग कंपनी नेटफ्लिक्स के आईलाइन स्टूडियो का हैदराबाद में उद्घाटन किया। यह स्टूडियो कंपनी की फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए विश्व-स्तरीय वीएफएक्स और वर्चुअल प्रोडक्शन का प्रमुख केंद्र होगा। इस मौके पर एक्टर राणा दग्गुबाती, आईलाइन स्टूडियो के सीईओ जेफ शापिरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू समेत कई सीनियर अधिकारी और आचरण के टॉप अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि फिल्म निर्माण तकनीक में पिछले कुछ दशकों में तेजी से बदलाव आया है और हैदराबाद में स्थापित यह स्टूडियो आने वाले समय में तेलुगु फिल्म निर्माताओं को वैश्विक स्तर पर नई संभावनाएं देगा।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कई तेलुगु फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेटफ्लिक्स के आईलाइन स्टूडियो की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि भारत और तेलंगाना वैश्विक मनोरंजन उद्योग के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स को प्रस्तावित भारत फ्यूचर सिटी में अपना कॉर्पोरेट कार्यालय स्थापित करने का निमंत्रण देते हुए कहा कि सरकार इसके लिए हर संभव सहयोग देगी। रेवंत रेड्डी के अनुसार, इस फ्यूचर सिटी में दुनिया की कई फॉर्च्यून-500 कंपनियों को बसाने की योजना है और हैदराबाद नेटफ्लिक्स के लिए एक स्वाभाविक केंद्र बन सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईलाइन स्टूडियो के शुरू होने से तेलंगाना की संस्कृति और कहानियों को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इसे 'हैदराबाद में हॉलीवुड के आगमन' जैसा बताया। आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद को एनीमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है।

इसके लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने के साथ-साथ कौशल विकास, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग कार्यक्रमों पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेटफ्लिक्स की मौजूदगी से स्थानीय रचनाकारों और तकनीकी पेशेवरों को वैश्विक प्रोडक्शन इकोसिस्टम से जुड़ने का अवसर मिलेगा और युवाओं को आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित होने का मौका मिलेगा। मंत्री ने नेटफ्लिक्स से यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग कर उद्योग की जरूरतों के अनुसार प्रतिभा तैयार करने का भी आग्रह किया और कंपनी को प्रस्तावित भारत फ्यूचर सिटी में एक और स्टूडियो स्थापित करने की संभावना तलाशने के लिए आमंत्रित किया।

## 60 लाख लोगों का स्वास्थ्य डेटा तैयार कर रही है सरकार-रेवंत रेड्डी

**जल्द मिलेंगे डिजिटल हेल्थ कार्ड**

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार 60 लाख लोगों का स्वास्थ्य डेटा तैयार कर रही है और उन्हें जल्द ही डिजिटल हेल्थ कार्ड दिए जाएंगे। इसके साथ ही राज्य की 1.30 करोड़ परिवारों को जीवन बीमा उपलब्ध कराने की भी योजना बनाई जा रही है। गुरुवार को हैदराबाद में एक नए अस्पताल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा देने के लिए इस वर्ष आरोग्य श्री और मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत लगभग 1800 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोग्यश्री योजना के पिछले 20 वर्षों के आंकड़ों के आधार पर यह स्वास्थ्य डेटा तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कैंसर की रोकथाम पर भी विशेष ध्यान दे रही है और प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉ नोरी दत्तात्रेय को राज्य का सलाहकार नियुक्त किया गया है। बढ़ती चिकित्सा लागत पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों के लिए सस्ती चिकित्सा सुविधा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है।

# राज्यपाल ने लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी पुण्यक्षेत्र का किया दर्शन

## महाराष्ट्र के गवर्नर ने सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन-पूजन किया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और पूर्व राज्यपाल (नवनियुक्त महाराष्ट्र राज्यपाल) जिष्णु देव वर्मा ने अपना कार्यभार संभालने के बाद मंदिर में पूजन-अर्चन किया। दोनों लोगों ने कार्यकाल की सफलता, राज्य के लोगों की सुख-शांति और तरक्की की कामना की है।

तेलंगाना के नए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, अपनी धर्मपत्नी श्रीमती जानकी शुक्ला एवं परिवार के सदस्यों के साथ लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी मंदिर और श्री पर्वत वर्धिनी समेत रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर का दर्शन करने के लिए पहुंचे। राज्यपाल के लिए विशेष पूजा एवं वेद आशिर्वचनम का आयोजन किया गया। उन्होंने तेलंगाना राज्य के लोगों की भलाई, राज्य की समृद्धि और विकास, तथा राष्ट्र की प्रगति के लिए ईश्वर से आशीर्वाद की कामना की। इस अवसर पर सरकारी विप एवं स्थानीय विधायक बीरैय्या इलैयाह, जिला कलेक्टर अनुराग जयंती, जिला पुलिस अधीक्षक अक्षांश यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी गवर्नर का लोक भवन में स्वागत किया। राज्यपाल के पहुंचने पर पहले पुलिस ने सलामी दी। इसके बाद वेद पंडितों और अर्चकों ने मंदिर की परंपरा के अनुसार उनका स्वागत किया। मंदिर प्रशासन अधिकारी भवानी शंकर के मार्गदर्शन में मुख्य अर्चक और वेद पंडितों ने पूर्ण कुम्भ से राज्यपाल का सम्मान किया। राज्यपाल ने ध्वज स्तंभ के पास मॉकी स्वामी के अंतर्मंदिर में पूजा में भाग लिया। मंदिर प्रशासन ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट किया, जबकि मंदिर के वारिस धर्माधिकारी ने प्रसाद प्रदान किया। इसके बाद राज्यपाल दंपत्ति ने अनुबंध देवालय श्री पर्वत वर्धिनी सहित रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में स्पटिक लिंग का अभिषेक किया। उधर, महाराष्ट्र के नवनियुक्त राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज श्री सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान श्री गणेश जी के पावन दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के नवनियुक्त राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा इसके पूर्व तेलंगाना के राज्यपाल थे। हाल में ही उनका स्थानांतरण महाराष्ट्र के लिए हुआ है।

# टीपीसीसी सचिव ने वेम नरेंद्र रेड्डी से की मुलाकात

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के सलाहकार और हाल ही में राज्यसभा सांसद निर्वाचित हुए वेम नरेंद्र रेड्डी से सूरज तिवारी ने हैदराबाद स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं दी और राजनीतिक मामलों पर विचार-विमर्श किया। मुलाकात में टीपीसीसी के अन्य वरिष्ठ नेता भी

उपस्थित रहे। इस दौरान सूरज तिवारी ने कहा कि वेम नरेंद्र रेड्डी अत्यंत सुलझे और अनुभवी नेता हैं। उनके राज्यसभा में निर्वाचित होने से दिल्ली में तेलंगाना के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली से तेलंगाना में योजनाओं के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाएंगे और राज्य के विकास के लिए हमेशा सक्रिय रहेंगे। सूरज तिवारी ने यह भी उल्लेख किया कि वेम नरेंद्र रेड्डी के लिए तेलंगाना का हित सर्वोपरि है और उनका अनुभव राज्य के लिए मूल्यवान साबित होगा।

## तेलंगाना का विशेष आईकॉन उस्मानिया विश्वविद्यालय

# मुख्यमंत्री ने 1000 करोड़ निधि स्वीकृति की

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के जलापूर्ति और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टेन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय राज्य के लिए एक विशेष पहचान और गर्व का प्रतीक है।

उन्होंने विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्नत बनाने की कामना व्यक्त की। गुरुवार सुबह मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग में निर्माण-26 तकनीकी संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 1917 में स्थापित यह विश्वविद्यालय तेलंगाना के लिए

ऐतिहासिक और विशिष्ट महत्व रखता है। 1929 में शुरू हुई इंजीनियरिंग कॉलेज भारत के सर्वोच्च संस्थानों में छठे स्थान पर है। मंत्री ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय के विकास के लिए एक ही बार में 1000 करोड़ रुपये की निधि स्वीकृति की, जो विश्वविद्यालय के इतिहास में सबसे बड़ा वित्तीय प्रावधान है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक विकसित करना है और इसके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। साथ ही, आवश्यक शिक्षकों की भर्ती और अन्य संसाधनों के लिए मुख्यमंत्री के साथ चर्चा करके आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने विश्वविद्यालय से निकलने वाले छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि सिलिकॉन वैली में काम कर रहे अधिकांश इंजीनियर और उच्च पदों पर पहुंचे नेता यहीं से निकले हैं।


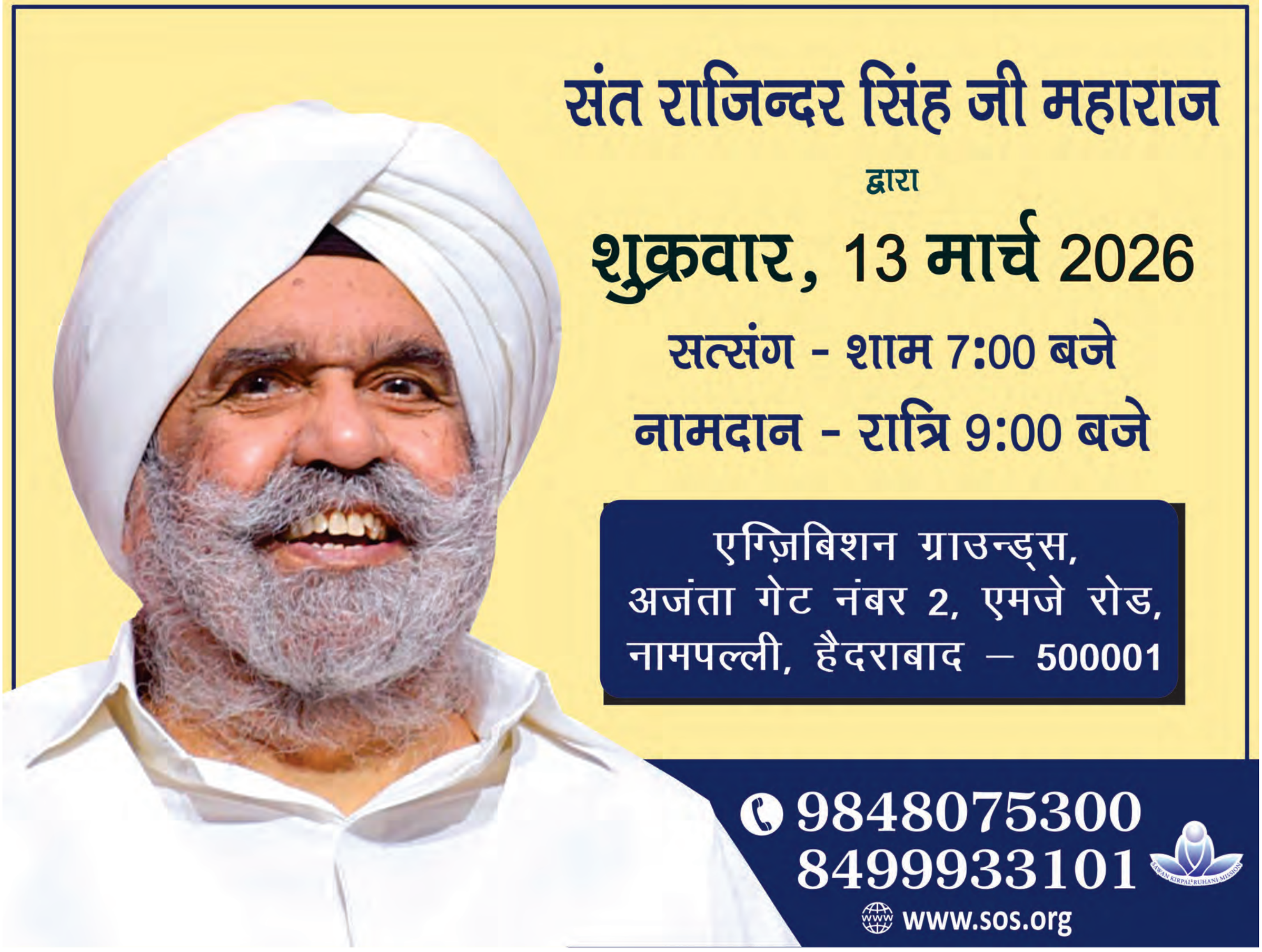



Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.